Sharma Hardware
শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581



E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 95 | गुवाहाटी | बुधवार, 1 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526



असम पुलिस के लिए अल्फा की अपमानजनक टिप्पणी... पेज 3
तुष्टीकरण की राजनीति देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा : प्रधानमंत्री पेज 4
ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए तय लक्ष्य के और करीब पहुंची योगी सरकार पेज 5
सरकार की लचर नीतियों के कारण उद्योगपतियों का राज्य से मोह भंग : परनामी पेज 8



পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771



door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344


## सुप्रभात

*मैं अलग सोचने वाले युवा लोगों को संदेश देना चाहता हूं कि जिनमें कुछ खोजने का, घूमने का, नामुमकिन को संभव करने का और समस्याओं को जीतने का दम है वे इस मार्ग पर चलना जारी रखें।*

– **अब्दुल कलाम**

# गडकरी ने 17,500 करोड़ के राष्ट्रीय राजमार्ग का किया शिलान्यास

## एक ही दिन में इतनी सारी परियोजनाओं का शुभारंभ अभूतपूर्व : सीएम




**गुवाहाटी (हि.स.)।** राज्य में सड़क परिवहन नेटवर्क के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और पहल करते केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 26 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया या आधारशिला रखी। इन योजनाओं पर 17,500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मंगलवार को गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी के अलावा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी शामिल हुए। असम के सड़क बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी की भूमिका की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि एक ही दिन -शेष पृष्ठ दो पर

## भूमि अधिग्रहण को लेकर नितिन गडकरी की चेतावनी

**गुवाहाटी।** केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि पिछले 10 वर्षों में लगभग 3 लाख करोड़ रुपए की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिससे क्षेत्र में एनएच की लंबाई 45 प्रतिशत बढ़ गई है। हालांकि, गडकरी ने यह भी चेतावनी दी कि अधिकारियों को नगालैंड और मेघालय जैसे कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में भूमि अधिग्रहण की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि मुद्दों को जल्द ही हल नहीं किया गया तो परियोजनाएं बंद हो सकती हैं। असम में एनएच कार्यों की प्रगति की समीक्षा के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में गडकरी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर को 2,89,425 रुपए की परियोजनाएं दी गई हैं। इनमें आगामी चालू और पूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 2014 में लगभग 10,800 किमी से बढ़कर अब 15,740 किमी हो गई है।

## 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की नई यात्रा शुरू करें : पीएम



**नई दिल्ली (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कर्तव्य पथ पर *मेरी माटी मेरा देश* अभियान के समापन पर देशवासियों से कहा कि *आजादी का अमृत महोत्सव* के समापन के साथ आइए 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अमृत काल की यात्रा शुरू करें। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान अमृत महोत्सव स्मारक और अमृत वाटिका की आधारशिला रखी। उन्होंने देश के युवाओं के लिए मेरा युवा भारत (माय भारत) प्लेटफॉर्म का भी शुभारंभ भी किया। प्रधानमंत्री ने देशभर से कार्यक्रम में शामिल होने वाले हजारों अमृत कलश यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल की जयंती पर हम सभी कर्तव्य पथ पर एक ऐतिहासिक महायज्ञ के साक्षी -शेष पृष्ठ दो पर

## कई सरकारी विभागों में होगी बंपर भर्ती : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी।** असम सरकार ने आज ग्रेड थ्री और फोर के 12,500 से अधिक पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इस बात की जानकारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स (पहले ट्वीटर) पर एक पोस्ट के द्वारा दी। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया कि मेरी पिछली घोषणा के अनुसार, असम सरकार ने आज ग्रेड थ्री -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यूज गैलरी

### मृत एसडीपीओ का सम्मान समारोह रद्द

**इंफाल (हि.स.)।** मणिपुर सरकार को उग्रवादियों हत्या किए गए एसडीपीओ चिंगथम आनंद के सम्मान समारोह को रद्द करने के लिए आज मजबूर होना पड़ा। चिंगथम आनंद की हत्या के सिलसिले में गठित संयुक्त कार्रवाई समिति ने कथित तौर पर मृतक का शव लेने से इनकार कर दिया। राज्य सरकार ने इंफाल में पहली बटालियन मणिपुर राइफल्स ग्राउंड में स्थित मणिपुर पुलिस स्मारक में मृतक चिंगथम आनंद को अंतिम श्रद्धांजलि देने की तैयारी -शेष पृष्ठ दो पर

### विश्व कुकी-जो बौद्धिक परिषद गैरकानूनी घोषित

**इंफाल (हि.स.)।** मणिपुर सरकार ने विश्व कुकी-जो बौद्धिक परिषद (डब्ल्यूकेजेडआईसी) को गैर कानूनी संगठन घोषित कर दिया है। सरकार ने अपराधियों की धरपकड़ के लिए मोरेह और आसपास के क्षेत्रों में अभियान में तेजी लाने के भी निर्देश दिए गए। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य कैबिनेट की एक आपात बैठक हुई। -शेष पृष्ठ दो पर

## मणिपुर में पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या

**इंफाल।** मणिपुर में महीनों से जारी जातीय हिंसा के बीच मंगलवार को संदिग्ध उग्रवादियों की गोली लगने से एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब मोरेह उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) चिंगथम आनंद सीमावर्ती शहर के पूर्वी मैदान में एक नवनिर्मित हेलीपैड का निरीक्षण कर रहे थे। गोली लगने के बाद एसडीपीओ को मोरेह के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तुरंत भर्ती कराया गया, जहां उमकी मौत हो गई। पुलिस ने उग्रवादियों को पकड़ने के लिए सर्च अभियान शुरू कर दिया है। इस घटना को लेकर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि वह आनंद की *नृशंस हत्या* से दुखी हैं। सिंह ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि आज -शेष पृष्ठ दो पर

## खालिस्तान का समर्थक कनाडा खुद विभाजन के कगार पर

**अटोवा।** कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत के खिलाफ खालिस्तानयों को खुलेआम समर्थन दिया तो उनके खिलाफ अपने ही देश में भी अलगाववाद की चिंगारी भड़क उठी है। कनाडा और भारत के बीच इस समय तनाव है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ठोस सबूत सार्वजनिक किए बगैर भारत पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। इसके बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस बीच खालिस्तान आंदोलन को हवा दे रहे ट्रूडो के लिए क्यूबेक संप्रभुता आंदोलन बड़ा सिरदर्द साबित हो सकता है। क्यूबेक कनाडा में आबादी और क्षेत्रफल, दोनों के मामले में क्रमशः पहले और दूसरे नंबर का राज्य है। कनाडा से क्यूबेक के निकलने का मतलब होगा, कनाडा की कमर टूट जाना। वैसे, कनाडा में सिर्फ क्यूबेक ही नहीं, बल्कि कस्काडिया, वेस्टर्न कनाडा, अल्बर्टा और सस्केचेवान जैसे राज्य भी आजादी की मांग करते रहे हैं। ऐसे में अगर भारत ने कनाडा के अलगाववादियों की मांग को हवा दी, तो कनाडा कहीं का नहीं रहेगा। क्यूबेक संप्रभुता आंदोलन के तहत इसके समर्थक कनाडा से अलग होने की मांग कर रहे हैं। निज्जर विवाद के बीच क्यूबेक नेता का एक बड़ा बयान सामने आया है। क्यूबेक पार्टी नेता पॉल सेंट-पियरे प्लामोंडन का कहना है कि कनाडा में रहने का मतलब सरकार से किसी भी तरह का समझौता नहीं है। उन्होंने कनाडा से क्यूबेक की आजादी का समर्थन करते -शेष पृष्ठ दो पर

## मराठा आरक्षण : भाजपा विधायक का इस्तीफा, बीड में कर्फ्यू, इंटरनेट बैन

**मुंबई।** महाराष्ट्र में मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने की मांग के समर्थन में बीड जिले के विभिन्न हिस्सों में आंदोलन की आग भड़क उठी है। इसी सिलसिले में गेवराई विधानसभा क्षेत्र के विधायक लक्ष्मण पवार का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण का मुद्दा वर्षों से लंबित है, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को पत्र भेजा गया है, इसमें कहा गया है कि मराठा कोटा मुद्दा कई वर्षों से लंबित है। मैं मराठा समुदाय की मांग को अपना समर्थन देता हूं। इस मुद्दे का समर्थन करने के लिए, मैं अपना इस्तीफा दे रहा हूं। भाजपा राज्य में शिवसेना के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है, जहां -शेष पृष्ठ दो पर

## फोन हैकिंग : महुआ मोइत्रा, शशि थरूर राघव चड्ढा समेत विपक्षी नेता का दावा

**नई दिल्ली।** देश के विपक्षी दलों के कई दिग्गज नेताओं ने दावा किया है कि उन्हें कल रात फोन निर्माता कंपनी की ओर से एक चेतावनी जारी की गई है। दरअसल, कुछ पत्रकारों को भी *एप्पल* की ओर से चेतावनी दी गई है कि राज्य प्रायोजित हमलावरों द्वारा उनके फोन को निशाना बनाया जा रहा है। कुछ नेताओं ने इस सूचना को लेकर जानकारी भी साझा की है। इन विपक्षी नेताओं में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, आप सांसद राघव चड्ढा, कांग्रेस सांसद शशि थरूर और कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा समेत कई नेता शामिल हैं। हालांकि, इन दावों के बीच एप्पल कंपनी ने एक बयान जारी किया है। कंपनी की -शेष पृष्ठ दो पर

## समान नागरिक संहिता शीघ्र लागू होगी : मुख्यमंत्री धामी

**लखनऊ (हि.स.)।** उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को यहां उत्तराखण्ड महोत्सव का शुभारंभ किया। उत्तराखण्ड महापरिषद की ओर से आयोजित महोत्सव के बारे में कहा कि ऐसे आयोजन अपनी संस्कृति को जानने तथा इसे देश व दुनिया तक पहुंचाने का बेहतरीन माध्यम होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उत्तराखंड में सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए लगभग 3300 एकड़ सरकारी जमीन मुक्त करवाई है। इसके साथ-साथ जहां एक ओर हम *धर्मांतरण और लव जेहाद* के खिलाफ कठोर कानून -शेष पृष्ठ दो पर

## इजराइली सेना का तीन तरफ से हमला जारी, हमास और हिजबुल्लाह के सैकड़ों ठिकाने तबाह



**तेल अवीव/यरुशलम/टोक्यो (हि.स.)।** गाजा पट्टी पर युद्ध के पच्चीसवें दिन मंगलवार को इजराइल के सुरक्षा बलों और हमास के आतंकवादियों के बीच घमासान और तेज हो गया। फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के इस महीने की सात तारीख को इजराइल पर किए गए बर्बर हमले के 24वें दिन सोमवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के युद्धविराम की किसी भी संभावना को खारिज करने के बाद गाजा पट्टी पर रातभर रॉकेट और मिसाइलों से हमला जारी रहा। इजराइल की सेना गाजा को तीन तरफ से घेर चुकी है। -शेष पृष्ठ दो पर

## बारामूला : आतंकियों के हमले में पुलिस कर्मी की मौत

**बारामूला (हि.स.)।** बारामूला जिले के वेलू इलाके में आतंकियों ने एक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। इस हमले में पुलिसकर्मी की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकियों ने पुलिसकर्मी मोहम्मद डार के आवास में घुसकर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। डार बारामूला के वेलू क्रालपोरा में रहने वाला था। हमला करने के बाद आतंकी मौके से भाग निकले। डार को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर उपचार के दौरान पुलिसकर्मी ने दम तोड़ दिया।

## नवंबर में न्यूनतम तापमान सामान्य से रहेगा अधिक

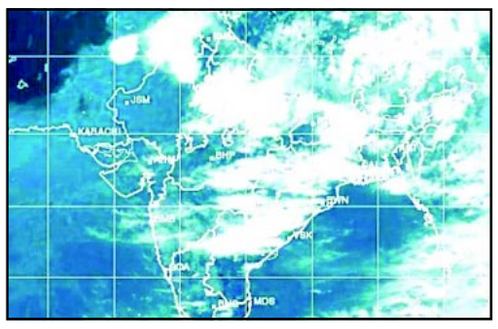



**नई दिल्ली (हि.स.)।** मौसम विभाग का कहना है कि देश के अधिकांश हिस्सों में नवंबर माह में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने मंगलवार को एक पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों को छोड़ कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। वहीं, उत्तर भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य अधिकतम तापमान रहने संभावना है। इसके अलावा इस वर्ष नवंबर माह के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा भी सामान्य रहने की संभावना है। वर्षा दीर्घावधि औसत का 77 से 123 प्रतिशत रहेगी। प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी भाग के कुछ क्षेत्रों, उत्तर पश्चिमी भारत के अधिकांश हिस्सों, पूर्व-मध्य -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# मराठा आरक्षण आंदोलन : मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग ब्लॉक, 15 किमी. तक लगा जाम

**मुंबई।** महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के सदस्यों ने ओबीसी श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मराठा आरक्षण की मांग करते हुए मंगलवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। मंगलवार दोपहर प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग को दो घंटे के लिए ब्लॉक कर दिया, जिससे भारी यातायात जाम हो गया। दोनों तरफ जाम लगा होने से भीड़ पीछे हटने को तैयार नहीं थी। मराठा क्रांति मोर्चा के कार्यकर्ताओं के एक अन्य समूह ने सोलापुर में रेल पटरियों को ब्लॉक कर दिया। आंदोलन के दृश्यों में प्रदर्शनकारियों को मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग करते हुए, भगवा झंडे थामे हुए, रेलवे पटरियों पर टायर जलाते हुए दिखाया गया। इस मामले में रेलवे अधिकारियों और सोलापुर सिटी पुलिस ने दो प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, जिनकी पहचान राम जाधव और निशांत साल्वे के रूप में हुई है। अधिकारी प्रदर्शनकारियों को रेलवे ट्रैक से हटाने में कामयाब रहे, हालांकि विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इस बीच, पुलिस ने मंगलवार को बताया कि महाराष्ट्र के जालना जिले में लोगों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पंचायत समिति कार्यालय में आग लगा दी। *एक मराठा लाख मराठा* के नारे लगाते हुए समर्थक सोमवार रात जिले के घनसावंगी स्थित पंचायत समिति कार्यालय पहुंचे और आग लगाकर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। घनसावंगी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि कार्यालय के दो कमरों में कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और फर्नीचर क्षतिग्रस्त हो गए।जालना में एक अन्य घटना में, मराठा समुदाय के कुछ युवाओं ने सोमवार दोपहर बदनापुर तहसील के शेलगांव गांव में एक रेलवे फाटक पर ट्रेनों को रोकने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी ट्रेन सेवाओं को बाधित करने के लिए रेलवे पटरियों पर बैठ गए। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे 25 अक्तूबर से जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में आरक्षण की मांग के समर्थन में अपना अनिश्चितकालीन उपवास जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय *अधूरे आरक्षण* को स्वीकार नहीं करेगा और महाराष्ट्र सरकार को इस मुद्दे पर राज्य विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाना चाहिए।



## केंद्रीय गृह मंत्री ने फडणवीस को फोन कर जानकारी ली

**मुंबई ( हि.स. )।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस को फोन कर सूबे में चल रहे आरक्षण के लिए चल रहे मराठा आंदोलन की जानकारी ली है। फडणवीस ने अमित शाह को राज्य में पिछले तीन दिनों से चल रहे मराठा आंदोलन और मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की पूरी जानकारी दी। पिछले तीन दिनों से चल रहे मराठा आंदोलन की वजह से सूबे के कई जिले अशांत हैं। बीड़ और धाराशिव जिले में मराठा आंदोलन की वजह धारा 144 लगा दी गई है। साथ ही राज्य के कई जिलों में बड़े पैमाने पर पुलिस सुरक्षा का प्रबंध किया गया है। हालांकि, सोमवार को मराठा आंदोलनकारियों ने बीड़ जिले में दो विधायकों के घर और कार्यालय में आगजनी की थी। यहां आंदोलनकारियों ने घर से लोगों को बाहर निकलने का अवसर भी नहीं दिया गया। इतना ही नहीं, मराठा आंदोलनकारियों ने सर्वदलीय नेताओं पर गांव में घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस पर राज्य सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी, इसलिए विपक्ष ने राज्य सरकार खासकर गृहमंत्री पर लापरवाही करने का आरोप लगाया था। मंगलवार को देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि राज्य सरकार मराठा आंदोलनकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं करेगी। आंदोलन के नाम पर की जा रही हिंसा, लूटपाट पर पुलिस कठोर कार्रवाई करेगी। साथ ही जान से मारने की धारा के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्होंने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज की जांच करने का आदेश दिया है।

# पृष्ठ एक का शेष

## गडकरी ने 17,500 करोड़ ...

में इतनी सारी सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ राज्य के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से गुवाहाटी में प्रस्तावित रिंग-रोड को वास्तविकता बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की, जिस पर गडकरी ने कहा कि इसे सैद्धांतिक रूप से उनकी मंजूरी है। डॉ. शर्मा ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से काजीरंगा में 32 किलोमीटर लंबे ऊंचे गलियारे का निर्माण करने का भी अनुरोध किया, जिसका उद्देश्य जंगली जानवरों की मृत्यु की संख्या को कम करना है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने आशा व्यक्त की कि उत्तरी तट में गोहपुर को दक्षिणी तट में नुमालीगढ़ से जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र नद के नीचे एक सुरंग के निर्माण में तेजी लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से बाइहाटा चरियाली से तेजपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग खंड को 4-लेन करने की मांग पर विचार करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से असोम माला योजना के तहत किए जा रहे कार्यों के लिए केंद्रीय निधि से 500 करोड़ रुपए की राशि आवंटित करने की भी अपील की। इस संबंध में गडकरी ने कहा कि इस योजना की निधि को 600 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। मांगी गई राशि से 100 करोड़ रुपए यह अधिक है। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में पूर्वोत्तर के लिए विशेष स्थान है और इसका परिणाम यह हुआ है कि पिछले कुछ वर्षों में यह क्षेत्र कई मोर्चों पर प्रगति कर रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह के अलावा असम मंत्रिमंडल के कई मंत्री, संसद सदस्य, कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य, ड्मा हसाउ स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी, सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

## 2047 तक विकसित...

बन रहे हैं। 12 मार्च, 2021 को महात्मा गांधी की प्रेरणा से साबरमती आश्रम से शुरू हुआ आजादी का अमृत महोत्सव अब 31 अक्तूबर, 2023 के दिन सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर समापन का पल है। उन्होंने कहा कि जैसे दांडी यात्रा शुरू होने के बाद देशवासी उससे जुड़ते गए, वैसे ही आजादी के अमृत महोत्सव ने जनभागीदारी का ऐसा हुजूम देखा कि नया इतिहास बन गया। 75 साल की ये यात्रा समृद्ध भारत के सपने को साकार करने वाला कालखंड बन रहा है। मोदी ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान भारत ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। इस दौरान उन्होंने चंद्रयान मिशन की सफल लैंडिंग, वंदे भारत ट्रेनें और भारत के 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का उदाहरण दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महोत्सव का मेरी माटी मेरा देश अभियान के साथ समापन हो रहा है। आज आजादी का अमृत महोत्सव एक याद के लिए स्मारक का शिलान्यास भी हुआ है। ये स्मारक आने वाली पीढ़ियों को हमेशा इस ऐतिहासिक आयोजन की याद दिलाएगा। उन्होंने कहा कि आज मेरा युवा भारत संगठन, यानी माई भारत की नींव रखी गई है। 21वीं सदी में राष्ट्र निर्माण के लिए मेरा युवा भारत संगठन, बहुत बड़ी भूमिका निभाने वाला है। भारत के युवा कैसे संगठित होकर हर लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण मेरी माटी मेरा देश अभियान है। उन्होंने कहा कि जो अमृत कलश यहां आए हैं, इनके भीतर मिट्टी के हर कण अनमोल हैं। ये मिट्टी हमें विकसित भारत के अपने संकल्प की सिद्धि के लिए और अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बड़ी-बड़ी महान सभ्यताएं समाप्त हो गईं लेकिन भारत की मिट्टी में वो चेतना है, जिसने इस राष्ट्र को अनादिकाल से आज तक बचा कर रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत महोत्सव ने एक प्रकार से इतिहास के छूटे हुए पृष्ठ को भविष्य की पीढ़ियों के लिए जोड़ दिया है। देश के करोड़ों परिवारों को पहली बार यह एहसास हुआ है कि उनके परिवार और गांव का भी आजादी में सक्रिय योगदान था। उसका जिक्र भले ही इतिहास की किताबों में नहीं हुआ लेकिन अब वो गांव-गांव में बने स्मारकों और शिलालेखों में हमेशा के लिए अंकित हो चुका है।

## कई सरकारी विभागों ...

और फोर पदों के लिए 12,600 रिक्तियों का विज्ञापन दिया है। ट्वीट में आगे लिखा है कि इसके अलावा, हमने इस महीने पुलिस विभाग में 5,000 से अधिक रिक्तियों का भी विज्ञापन दिया है। स्वास्थ्य विभाग पहले ही विज्ञापन दे चुका है। लगभग 3,000 रिक्तियों का विज्ञापन किया गया है, और हम जल्द ही शिक्षा विभाग में 10,000 से अधिक रिक्तियों का विज्ञापन करने की योजना बना रहे हैं। हमारे निरंतर प्रयासों का उद्देश्य हमारे राज्य के युवाओं के लिए एक उज्ज्वल भविष्य बनाना है।

## मणिपुर में पुलिस...

सुबह मोरेह पुलिस के ओसी, एसडीपीओ चिंगथम आनंद की निर्मम हत्या से बहुत दुखी हूं। लोगों की सेवा और सुरक्षा के प्रति उनके समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। खबरों के मुताबिक, यह घटना कई नागरिक समाज संगठनों, खासकर मोरेह स्थित संगठनों के सदस्यों द्वारा सीमावर्ती शहर से राज्य बलों को हटाने की मांग के कुछ दिनों बाद हुई है। गौरतलब है कि 3 मई को मणिपुर के चुराचांदपुर शहर में हुई पहली झड़प के बाद व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई। ये झड़पें आदिवासी समूहों द्वारा राज्य के आरक्षण में प्रस्तावित बदलाव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बाद हुईं, जिसमें मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिया गया था। 3 मई की हिंसा तेजी से पूरे राज्य में फैल गई। तब से राज्य में कम से कम 175 लोग मारे गए हैं और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। सैकड़ों घर जला दिए गए, व्यवसाय नष्ट हो गए और राज्य महीनों से इंटरनेट के बिना रहने पर मजबूर रहा। अधिकारियों ने कहा कि भीड़ ने पुलिस स्टेशनों और शस्त्रागारों से 5,669 प्रकार के हथियार और लगभग 500,000 राउंड गोला-बारूद लूट लिया। अक्तूबर के पहले सप्ताह तक उनमें से केवल 1300 के आसपास ही हथियार बरामद किया गया था।

## खालिस्तान का समर्थक ...

हुए कहा कि क्यूबेक को कनाडा से अलग करने का संघीय तर्क कभी कमजोर नहीं रहा। उन्हें लगता है कि बलिदानों के बिना स्वतंत्रता की संभावना नहीं है और वे इसके लिए तैयार हैं। इससे पहले क्यूबेक के प्रीमियर फ्रांकोइस लेगॉल्ट ने कहा था कि स्वतंत्र क्यूबेक आर्थिक रूप से व्यवहार्य होगा, लेकिन क्यूबेक वासियों को यह बताने की जरूरत है कि इसे हासिल करने के लिए बलिदान की आवश्यकता होगी। सैद्धांतिक स्वतंत्र क्यूबेक के लिए अपना वर्ष 1 का बजट प्रस्तुत करने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में लेगौल्ट ने पीक्यू मंत्री के रूप में अपने पिछले बयानों से इनकार नहीं किया जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता काम कर सकती है। दिलचस्प बात यह है कि कनाडा लंबे समय से खालिस्तानी अलगाववादियों का समर्थक रहा है। इतना ही नहीं, जस्टिन ट्रूडो के पिता व पूर्व प्रधानमंत्री पियरे ट्रूडो ने बब्बर खालसा के प्रमुख खालिस्तानी आतंकवादी तलविंदर सिंह परमार के प्रत्यर्पण को लेकर भारत के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। परमार कनाडा में रहता रहा। बाद में उसने एयर इंडिया के प्लेन में बमबारी की योजना बनाई, जिसमें 268 कनाडाई लोगों सहित 329 लोग मारे गए थे। कनाडा ने लंबे समय से भारत के खिलाफ अलगाववाद आंदोलन का समर्थन किया है, लेकिन खुद कनाडा का बड़ा इलाका इसी तरह की स्थिति से गुजर रहा है। दशकों से क्यूबेक के निवासी एक अलग राष्ट्र की मांग कर रहे हैं। क्यूबेक का अधिकांश भाग मुख्य रूप से फ्रांसीसी है। वहां पहले ही दो जनमत संग्रह हो चुके हैं, जिनमें से दूसरा कनाडा केवल लगभग 54,000 वोटों के अंतर से जीता था। पिछले माह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा ने खालिस्तान आंदोलन को हवा दे रहे कनाडा से बदला लेने के लिए क्यूबेक स्वतंत्रता आंदोलन को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत को आगे आने तक की सलाह दे दी थी। भारत के खिलाफ जनमत संग्रह जैसे अलगाववादी आंदोलन पर पांडा ने कहा था कि कनाडा सरकार क्यूबेक अलगाववादियों के लिए जनमत संग्रह की अनुमति नहीं देती है, लेकिन खालिस्तानी अलगाववादियों से उन्हें कोई समस्या नहीं है। खालिस्तान समर्थक कनाडा में ना सिर्फ जनमत संग्रह कराते हैं, बल्कि हिंसात्मक कृत्यों का जश्न भी मनाते हैं। कनाडा में भी क्यूबेक जनमत संग्रह जैसे अलगाववादी आंदोलन होते हैं। लेकिन ट्रूडो उन लोगों को खालिस्तानियों जितनी स्वतंत्रता नहीं देते हैं। उन्होंने कहा था कि जिस तरह से ट्रूडो खालिस्तानी अलगाववादियों को कनाडा की धरती पर भारत के खिलाफ जनमत संग्रह करने की अनुमति देते हैं उसी तरह भारत सरकार को भी क्यूबेक की आजादी के मुद्दे पर एक ऑनलाइन जनमत संग्रह कराने की योजना पर विचार करना चाहिए। क्यूबेक स्वतंत्रता आंदोलन में उनके बलिदानों, बमबारी और हत्या के प्रयासों की याद में आयोजित कार्यक्रमों के लिए भारतीय जमीन की पेशकश भी करनी चाहिए ठीक वैसे ही, जैसे कनाडा खालिस्तानियों को अनुमति देने के लिए इतना विचारशील रहा है।

## मराठा आरक्षण : भाजपा ...

राकांपा (अजित पवार गुट) भी एक घटक है। राज्य में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार शाम को मराठा आरक्षण पर बैठक की। यह बैठक मुंबई मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आधिकारिक आवास पर हुई। हालांकि, इस बैठक को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं गई है। लेकिन सोमवार रात को बैठक के बाद फडणवीस को मुख्यमंत्री शिंदे के आवास से निकलते हुए देखा गया। लक्ष्मण पवार का फैसला महाराष्ट्र के नासिक और हिंगोली से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दोनों वफादारों, शिवसेना सांसदों के मराठा आरक्षण की मांग के समर्थन में इस्तीफा देने के बाद आया है। कार्यकर्ता मनोज जारंगे के नेतृत्व में मराठा समुदाय के सदस्यों ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लिए दबाव बनाने के लिए आंदोलन का एक नया दौर शुरू किया है। जारांगे 25 अक्तूबर से जालना जिले के एक गांव में अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं। सोमवार को मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान बीड जिले में बड़े पैमाने पर हिंसा देखी गई। स्थानीय प्रशासन ने कहा कि मराठा आरक्षण के लिए चल रहे आंदोलन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा और आगजनी के बाद सोमवार शाम को बीड जिले के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया, जिसमें दो विधायकों और एक पूर्व राज्य मंत्री को प्रदर्शनकारियों के गुस्से का सामना करना पड़ा। साथ ही इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गईं। आदेश के अनुसार, मराठा समुदाय के सदस्यों को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में कोटा प्रदान करने की मांग के समर्थन में बीड जिले के विभिन्न हिस्सों में आंदोलन और भूख हड़ताल जारी है। इसमें कहा गया है कि 29 अक्तूबर की आधी रात से आंदोलन तीव्र हो गया जब जिले में विभिन्न अधिकारियों की बसों और सरकारी वाहनों को आग लगा दी गई। आदेश में कहा गया है कि सोमवार को जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों तक मार्च निकाला गया और उनमें से कुछ में आग लगा दी गई और पथराव किया गया, जिससे बड़े पैमाने पर सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान हुआ। इसलिए, जिला कलेक्टर ने अगले आदेश तक बीड के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगाने का फैसला किया। आदेश में कहा गया है कि कर्फ्यू कलेक्टर कार्यालय, तालुका के मुख्य कार्यालयों के साथ-साथ जिले से गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गों से 5 किलोमीटर की परिधि में लागू किया गया था। संपर्क करने पर पुलिस महानिरीक्षक (छत्रपति संभाजीनगर रेंज) ज्ञानेश्वर चव्हाण ने बताया कि, जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों के आवासों, कार्यालयों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बीड जिले में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

## फोन हैकिंग : महुआ मोइत्रा...

ओर से कहा गया कि एप्पल खतरे की सूचनाओं का श्रेय किसी विशिष्ट राज्य-प्रायोजित हमलावर को नहीं देता है। राज्य-प्रायोजित हमलावर बहुत अच्छी तरह से वित्त पोषित और परिष्कृत होते हैं और उनके हमले समय के साथ विकसित होते हैं। ऐसे हमलों का पता लगाना खतरे के खुफिया संकेतों पर निर्भर करता है, जो अक्सर अपूर्ण और अपूर्ण होते हैं। यह संभव है कि कुछ एप्पल खतरे की सूचनाएं गलत अलार्म हो सकती हैं या कुछ हमलों का पता नहीं चल पाता है। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने भी दावा किया है कि आईफोन की ओर से उन्हें फोन हैकिंग की चेतावनी मिली है। इसको लेकर उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आज सुबह-सुबह मुझे एप्पल से एक संबंधित सूचना मिली, जिसमें मुझे मेरे फोन पर संभावित राज्य-प्रायोजित स्पाइवेयर हमले के बारे में चेतावनी दी गई थी। अधिसूचना में कहा गया है कि कि यदि आपके डिवाइस के साथ किसी राज्य-प्रायोजित हमलावर ने छेड़छाड़ की है, तो वे आपके संवेदनशील डेटा, संचार, या यहां तक कि कैमरा और माइक्रोफोन तक दूरस्थ रूप से पहुंचने में सक्षम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये हमले मुझ पर एक व्यक्ति या एक विपक्षी दल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आम लोगों पर हैं। चूंकि यह केवल मेरे फोन या मेरे डेटा के बारे में नहीं है। हर भारतीय को चिंतित होने की जरूरत है, क्योंकि आज मैं हूं, कल यह आप हो सकते हैं। शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने फोन हैकिंग का दावा करते हुए कहा कि मुझे कल रात फोन पर एक चेतावनी मिली, उससे पता चलता है कि यह केंद्र सरकार का प्रायोजित कार्यक्रम है और मुझे सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि चेतावनी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि ये हमले *राज्य प्रायोजित* हैं। केवल विपक्ष के नेताओं को ही ऐसे संदेश क्यों मिल रहे हैं? इससे पता चलता है कि बड़े पैमाने पर निगरानी चल रही है। इसकी जांच होनी चाहिए और केंद्र को इस पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। एक अन्य कांग्रेस नेता और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चेतावनी मैसेज का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया करते हुए इस बात की जानकारी है। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा, जिनकी कथित *कैश फॉर क्वेरी घोटाले* में भूमिका को लेकर संसद की आचार समिति द्वारा जांच की जा रही है, उन्होंने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। विपक्षी नेताओं के दावों के बीच भाजपा नेता अमित मालवीय ने पलटवार किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि सामान्य संदिग्धों द्वारा *राज्य प्रायोजित* हमले पर हंगामा खड़ा करना और शिकार होने का नाटक करना अच्छी बात है, लेकिन यह हो-हल्ला, पूरी उम्मीद है कि पहले की तरह इस बार भी यह सब एक मजाक बनकर खत्म हो जाएगा! एप्पल के स्पष्टीकरण का इंतजार क्यों न किया जाए? या क्या आक्रोश जताने का मौका छोड़ना बहुत ज्यादा है? विपक्षी नेताओं द्वारा अपने ऐप्पल उपकरणों की *हैकिंग* के आरोप पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पहले, मैं सोचता था कि नंबर 1 पीएम मोदी हैं, नंबर 2 अडानी हैं और नंबर 3 अमित शाह हैं, लेकिन यह गलत है। नंबर 1 हैं अडानी, नंबर 2 हैं पीएम मोदी और नंबर 3 हैं अमित शाह है। हम भारत की राजनीति को समझ चुके हैं और अब अडानी जी बच नहीं सकते। ध्यान भटकाने वाली राजनीति चल रही है। एप्पल वेबसाइट सपोर्ट पेज के मुताबिक, एप्पल खतरे की सूचनाएं उन उपयोगकर्ताओं को सूचित करने और सहायता करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें राज्य-प्रायोजित हमलावरों द्वारा लक्षित किया गया हो सकता है। एप्पल के मुताबिक, राज्य-प्रायोजित हमले अत्यधिक जटिल होते हैं, इन्हें विकसित करने में लाखों डॉलर खर्च होते हैं और अक्सर इनकी शेल्फ लाइफ कम होती है। अधिकांश उपयोगकर्ताओं को ऐसे हमलों द्वारा कभी भी लक्षित नहीं किया जाएगा। एप्पल का कहना है कि अगर उसे राज्य-प्रायोजित हमले के अनुरूप गतिविधि का पता चलता है, तो वे लक्षित उपयोगकर्ताओं को दो तरीकों से सूचित करेंगे। उपयोगकर्ता द्वारा appleid.apple.com पर साइन इन करने के बाद पृष्ठ के शीर्ष पर एक खतरे की अधिसूचना प्रदर्शित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, एप्पल उपयोगकर्ता के एप्पल आईडी से जुड़े ईमेल पते और फोन नंबरों पर एक ईमेल और आई मेसेज अधिसूचना भेजेगा।

## समान नागरिक संहिता ...

लेकर आए, वहीं हम *समान नागरिक संहिता* भी प्रदेश में जल्द ही लागू करने की तैयारी कर रहे हैं। उत्तराखंड में हमने देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून भी लागू किया है, जिसके लागू होने के बाद आज हमारे युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्साह के साथ प्रतिभाग कर रहे हैं और अपनी योग्यता के अनुसार सफलता अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड महोत्सव जैसे आयोजन हमारी लोक विरासत को संरक्षण प्रदान करने के साथ ही आने वाली पीढ़ी को लोक संस्कृति से परिचित कराने का कार्य कर रहे हैं। राष्ट्र और संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से जानने का अवसर प्रदान करने वाला यह उत्तराखण्ड महोत्सव, निश्चित रूप से हमारी आगामी पीढ़ी के लिए सामाजिक समरसता को प्रगाढ़ करने का भी कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे महोत्सवों के आयोजनों के माध्यम से हमारे राज्य के कलाकारों को भी एक मंच प्राप्त होता है और उनकी कला को प्रोत्साहन मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज उत्तराखण्ड का ही नहीं बल्कि पूरे देश का भी सांस्कृतिक वैभव बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि अपने हाल ही में लंदन, दुबई, अबू धाबी के दौरे के दौरान उन्होंने देखा कि हमारे भारतीय और विशेष रूप से उत्तराखण्डी लोग आज भी अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता को नहीं भूले हैं। वे लोग विदेशी जमीन पर रहकर भी भारतीय संस्कृति और परम्पराओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। लंदन और दुबई में उत्तराखण्डी भाई-बहनों से मिलकर एक पल के लिए लगा कि वे उत्तराखण्ड में ही हैं। ऐसा ही अनुभव उन्हें लखनऊ आकर भी हो रहा है। आज के दौर में अपनी संस्कृति एवं परम्पराओं को सहेजना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि अपनी माटी, अपनी संस्कृति और अपनी परम्परा से कटा व्यक्ति त्रिशंकु की भांति न इधर का रहता है और न ऊधर का। इसलिए यदि हमें आगे बढ़ना है तो अपनी परंपराओं और संस्कृति से जुड़े रहना होगा। उन्होंने लखनऊ में निवासरत उत्तराखण्डवासियों से अपील की कि वे अपने-अपने गांव में वर्ष में एक या दो बार अवश्य आएं। इससे हमारी भावी पीढ़ी उत्तराखण्ड की परम्पराओं से परिचित तो होगी ही, उत्तराखण्ड की संस्कृति और लोक परंपराओं को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में उन्होंने अपना छात्र जीवन गुजारा है। जब भी वह लखनऊ आते हैं तो ऐसा लगता है कि अपने ही शहर में दोबारा आए हैं। उन्होंने इस अवसर पर उत्तराखण्ड महापरिषद (पूर्व कुमाऊं परिषद) के संस्थापक अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रहे भारत रत्न प.गोविंद बल्लभ पंत, स्व. दयाकृष्ण जोशी, स्व.मेजर हयात सिंह, स्व.श्री नारायण दत्त तिवारी को भी नमन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने पूरन सिंह जीना की पुस्तक सतरंगी का विमोचन करते हुए चंदन सिंह मेहरा एवं सत्यप्रकाश जोशी को उत्तराखण्ड महापरिषद के हीरक जयंती सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री ब्रिजेश सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, उत्तराखण्ड महापरिषद के पदाधिकारी दीवान सिंह अधिकारी, देवेंद्र सिंह बिष्ट सहित बढ़ी संख्या में उत्तराखण्ड के प्रवासी जन उपस्थित थे।

## इजराइली सेना का तीन...

फौज बख्तरबंद वाहनों और टैंकों के साथ हमास के ठिकानों पर कहर बरपाती हुई आगे बढ़ रही है। इस बीच हमास ने दावा किया है कि उसने मंगलवार सुबह इजराइल के सुरक्षाबलों को लक्ष्य बनाकर मिसाइल दागी हैं। गाजा में उठ रही युद्ध की लपटों के दरमियान जापान ने हमास के कई कमांडर पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इजराइल ने हिजबुल्लाह के भी कई ठिकानों पर हमला कर आतंकी संगठन को छठी का दूध याद दिला दिया है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट्स में अंकारा के अफसरों के हवाले से कहा गया है कि इजराइल के सुरक्षाबलों ने गाजा में तुर्किये वित्त पोषित अस्पताल पर बमबारी की है। इस घमासान के बीच इजराइल ने कहा है कि मंगलवार सुबह मानवीय सहायता के साथ 39 ट्रक गाजा में दाखिल हुए। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक गाजा 171 ट्रक मानवीय सहायता लेकर पहुंच चुके हैं। इजराइल की सेना ने लेबनान में आतंकी समूह हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमला किया है। इस हमले में आतंकी समूह को भारी क्षति हुई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा है कि उसने गाजा से इजराइल में घुसपैठ करने वाले एक संदिग्ध को गोली मारकर उड़ा दिया। आतंकी संगठन हमास ने कहा कि मंगलवार सुबह उसने गाजा में इजराइल की सेनाओं पर टैंकरोधी मिसाइलें दागीं। हमास की सशस्त्र शाखा अल-कसम ब्रिगेड ने यह दावा किया है। इस ब्रिगेड ने कहा है कि तड़के आतंकवादियों की इजराइली सेना के साथ दक्षिणी गाजा धुरी पर जोरदार झड़प हुई है। आतंकवादियों ने अल-यासीन 105 मिसाइलों के साथ चार वाहनों को निशाना बनाया। उधर जापान के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा है कि जापान ने गाजा स्थित आतंकवादी समूह हमास से जुड़े व्यक्तियों और एक कंपनी पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। यह कंपनी हमास को फंड देती है। इन सभी की संपत्ति जब्त की जाएगी। हमास के मोहम्मद अहमद अब्द अल-दायिम नसरल्लाह और अयमान नोफल सहित कुछ व्यक्तियों के नाम जापान ने अपनी आतंकवादी सूची में जोड़े हैं। इजराइली सेना सोमवार को गाजा शहर के क्षतिग्रस्त और घनी आबादी वाले हमास के गढ़ की ओर तीन दिशाओं से आगे बढ़ी। समूचे क्षेत्र को रात के वक्त हवाई हमलों से तबाह कर दिया। गाजा के उत्तरी किनारे पर स्थित शरणार्थी शिविर और दक्षिण में सलाह अल-दीन रोड पर हमास के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इस बीच हमास नियंत्रित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार गाजा में हो रही बमबारी में अब तक 8,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इनमें से 40 प्रतिशत से अधिक बच्चे हैं। इजराइल ने इस पर कहा है कि इनमें से अधिकांश की मौत के लिए हमास दोषी है। हमास के आतंकी नागरिकों की आड़ लेकर हमला करते हैं। इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि उसने अपने एक सैनिक को बचा लिया है। हमास ने सात अक्तूबर को उसका अपहरण कर लिया था। हमास के आतंकी उसे गाजा ले गए थे। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस के अनुसार, गाजा पर सेना के चल रहे आक्रमण के दौरान 19 वर्षीय ओरी मेगिडिश को सोमवार सुबह बचाया गया।

## नवंबर में न्यूनतम...

भारत और पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। देश के शेष हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। महापात्रा ने बताया कि भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर अल-नीनो प्रभाव बना हुआ है। नवीनतम वैश्विक पूर्वानुमानों से पता चलता है कि सीजन के दौरान अल नीनो की स्थिति जारी रहेगी। वहीं इसका प्रभाव अगले सीजन तक शायद ही बनी रहे। इस प्रभाव से प्रशांत महासागर में जल गर्म बना रहता है। वहीं, हिंद महासागर पर सकारात्मक हिंद महासागर डिपोल (आईओडी) भी प्रभावी है। आने वाले महीनों के दौरान सकारात्मक आईओडी की स्थिति कमजोर होगी। आईओडी पूर्वी और पश्चिमी भाग के समुद्र के समुद्र की सतह का तापमान का अंतर को समझाने वाला प्रभाव है।

## मृत एसडीपीओ का...

इसी बीच कर ली थी। बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर एकत्र हुए थे और कुछ समय तक इंतजार करते रहे। हालांकि, बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम अप्रत्याशित रूप से रद्द कर दिया गया। क्योंकि, संयुक्त कार्रवाई समिति ने कथित तौर पर शव लेने से इनकार कर दिया। उल्लेखनीय है कि चिंगथम आनंद के शव को मोरेह से एयरलिफ्ट कर जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान के शवगृह में रखा गया। बड़ी संख्या में लोग, परिवार के सदस्य शवगृह परिसर में इकट्ठा हो गए। इस बीच, संयुक्त एक्शन कमेटी ने मृतक पुलिस अधिकारी का शव तब तक लेने से इनकार कर दिया जब तक हत्यारे को गिरफ्तारों नहीं किया जाता है।

## विश्व कुकी-जो ...

इस बैठक में मोरेह के एमपीएस, एसडीपीओ चिंगथम आनंद कुमार की हत्या के बाद राज्य में उत्पन्न कानून और व्यवस्था की स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। कैबिनेट ने विश्व कुकी-जो बौद्धिक परिषद (डब्ल्यूकेजेडआईसी) को ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 3 के तहत एक गैरकानूनी संगठन घोषित कर दिया है। इसके अलावा कैबिनेट ने अपराधियों को पकड़ने के लिए मोरेह और आसपास के क्षेत्रों में एक संयुक्त अभियान शुरू करने और दोषियों की गिरफ्तारी तक इसे जारी रखने का भी निर्देश दिया है। इसके लिए इंफाल से अतिरिक्त राज्य बल भेजा गया है।

# अमृत वन में परिवर्तित होगी देशभर से लाई गई मिट्टी : शाह




**नई दिल्ली ( हि.स. )।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश के 7500 से अधिक स्थानों से मिट्टी दिल्ली लाई गई है। वह अब अमृत वन में परिवर्तित की जाएगी। शाह ने मंगलवार को दिल्ली में *मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा* के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश भर से जो पवित्र मिट्टी दिल्ली लाई गई है, वह अमृत वन में परिवर्तित होगी। यह अमृत कलश जो 25 साल तक हमें महान भारत की रचना की प्रेरणा देता रहेगा। शाह ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में लगभग दो लाख कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इन कार्यक्रमों से लोगों में एक चेतना जगी है। अब आने वाला 25 वर्ष देश के लिए अहम है। हम सभी को मिलकर भारत को नबर वन बनाना है। ये अमृत कलश हमें देश को महान बनाने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

## एसएसबी ने लिया राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ

### स्वस्थ भारत कार्यक्रम का आयोजन

**कोकराझाड़ ( हिंस/विभास )।** छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के कार्यवाहक कमांडेंट वी संजीव कुमार के नेतृत्व में आज वाहिनी मुख्यालय के प्रांगण तथा समस्त सीमा चौकियों में राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ लिया गया। इस अवसर पर कार्यवाहक कमांडेट के द्वारा वाहिनी में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों को शपथ दिलाया गया, सभी जवानों ने सत्यनिष्ठा के साथ यह शपथ लिया कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करेंगे तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा जो एकता हमारे देश में जागृत की गई थी उसे हर संभव प्रयास करके जागृत रखेंगे। सभी ने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प लिया। शपथ दिलाने के उपरांत उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए कार्यवाहक कमांडेंट ने बताया कि 31 अक्तूबर को देश भर में लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती मनाई गयी। साथ इस दिन को देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर भी मनाया जाता है। वाहिनी के माचिंग दस्ते द्वारा परेड के साथ कार्यवाहक कमांडेंट को सलामी भी दी गई। इस अवसर पर सनिहे सलेव, उप कमांडेंट तथा विनय कुमार मिश्रा, सहायक कमांडेंट उपस्थित रहे। वहीं आज सुबह वाहिनी के बलकर्मियों तथा सीमा क्षेत्र के बलकार्मिकों द्वारा फिट इंडिया फ्रीडम रन 4.0, स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत कार्यक्रम के तहत वाहिनी मुख्यालय तथा वाहिनी के समस्त सीमा चौकियों में 5 किमी दौड प्रतियोगिता करवाई गयी। जिसे प्रभाकर कुमार वैद्य उप-कमांडेंट के द्वारा हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा स्वस्थ भारत कार्यक्रम के तहत वाहिनी मुख्यालय के आस-पास रहने वाले तथा सीमा क्षेत्र के नागरिकों को भी जागरूक भी किया गया।

## असम पुलिस के लिए अल्फा की अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नही : डीजीपी

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा है कि अल्फा (स्व) उनके विरुद्ध चाहे जितनी भी अपमानजनक बातें कहे, उन्हें उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन असम पुलिस के विषय में अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना उन्हें किसी भी तरह से स्वीकार नहीं है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि वे कश्मीर और पंजाब में भी ड्यूटी के दौरान उग्रवादी संगठनों द्वारा विभिन्न प्रकार की बातें अपने लिए सुन चुके हैं। इन बातों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन, जो असम पुलिस हमारा सिरमौर है, जिस

असम पुलिस का 200 वर्ष पुराना इतिहास है- उस असम पुलिस के बारे में अपमानजनक टिप्पणी अल्फा द्वारा किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। डीजीपी ने कहा कि वे हमेशा ही राज्य के युवाओं को कहते हैं कि असम में रहकर काम करने में उनके विकास की अपार संभावनाएं हैं। इससे राज्य का भी विकास होगा। अल्फा जैसे, ऐसे तानाशाह संगठन में जाने का कोई मतलब नहीं है, जहां उनकी जान की कोई कीमत नहीं हो। डीजीपी आज यहां पत्रकारों से अल्फा द्वारा कल लिखी गई मीडिया को चिट्ठी के संदर्भ में प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे।

## आई आई ई ने राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया

**गुवाहाटी ( विभास )।** भारतीय उद्यमिता संस्थान, गुवाहाटी कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संस्थान ने अपने परिसर में लौह पुरुष सरदार वल्लव भाई पटेल की 148वीं जन्म जयंती के स्मृति में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। आईआईई के निदेशक, डॉ. ललित शर्मा ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को संरक्षित और मजबूत करने के लिए समर्पण को बढ़ावा देने और सुदृढ़ करने के लिए अपने कर्मचारियों को एकता शपथ दिलाई। प्रतिज्ञा के बाद *रन फॉर यूनिटी* का आयोजन किया गया, जिसमें सभी वरिष्ठ संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं ने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए भाग लिया।

## मुख्यमंत्री हिमंत के कारण मारवाड़ी समाज आज चैन की नींद सो रहा है : उपराष्ट्रपति

**गुवाहाटी ( विभास )।** बृहतर गुवाहाटी मारवाड़ी समाज द्वारा भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के गुवाहाटी आने पर उनका नागरिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने मारवाड़ी समाज के बीच मारवाड़ी भाषा में अपना संबोधन रखते हुए अपनात्व का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री की प्रशंसा में कसीदे कढते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने मुझसे कहा कि गुवाहाटी में आकर मारवाड़ी समाज से नहीं मिले तो यह अच्छा काम नहीं होगा। इसके लिए चाहे तो दूसरे कार्यक्रम में कुछ कटौती कर दी जा सकती है। उपराष्ट्रपति ने मारवाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप और असम का सौभाग्य है कि ऐसा व्यक्ति असम का मुख्य मंत्री है जिसके कारण आज आप चैन की नींद सो रहे हैं और व्यापार बढ़ाने की सोचते हैं। 15 साल पहले का भी एक समय था। आज पूरे देश में उनके काम करने के तरीकों को अपनाया जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री देश का सम्मान बढ़ाने में कोई कमी नहीं रखते हैं। विकास, शिक्षा के मामले में जो किया जा रहा है वह कमाल की बात है। मेरा मन तो उस समय पसीज गया जब मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रांत के मारवाड़ी खून पसीने से धन उपार्जन कर असम को सींच रहे हैं। मारवाड़ी असम के कण-कण में बस गए हैं। मारवाड़ी के बच्चों की और इशारा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि मारवाड़ियों के बच्चों को हार्वर्ड या आईआईटी अहमदाबाद में ट्रेनिंग लेने की जरूरत नहीं है। मारवाड़ी बच्चे एकलव्य की तरह खुद ही सब कुछ सीख लेते हैं। मारवाड़ी बच्चे स्कूल में पढ़कर भी एक घंटा दुकान में जाकर अपना व्यापार कर लेते हैं। उपराष्ट्रपति ने मारवाड़ियों की तारीफ में कहा कि मारवाड़ी लक्ष्मी का बड़ा पुजारी है। जब कोई बच्चा आईसीयू में भर्ती होता है और कोई उसका हाल पूछता है तो मारवाड़ी कहेगा कि दो पैसा सुधार है। इससे पहले असम सरकार के कैबिनेट मंत्री और वृहत्तर मारवाड़ी समाज के प्रतिनिधि के रूप में अशोक सिंघल ने स्वागत भाषण देकर उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री का स्वागत किया। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान की दो विभूतियां उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने राजस्थान को गौरव प्रदान किया है। इससे पहले

उपराष्ट्रपति पद पर भैरोसिंह शेखावत ने भी यह सम्मान हमें प्रदान किया था। आज मैं स्वयं सकल मारवाड़ी समाज की तरफ से इन सभी विभूतियों का स्वागत करता हूं। इन्होंने राजस्थान के प्रवासी मारवाड़ियों का मान सम्मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपना संबोधन देते हुए कहा कि आज मंच पर राजस्थान के दो सपूत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया विराजमान है। मैं इन दोनों और मारवाड़ी समाज के बीच में पडना नहीं चाहता हूं। मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति के ध्यानार्थ कहा कि हमारे राज्य के मारवाड़ी समाज ने असम के विकास में एक बहुत बड़ा अवदान दिए हैं। मारवाड़ी समाज का असम के उद्योग व्यापार के अलावा असम की संस्कृति और असम के बौद्धिक दोनों ही दिशाओं में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। असम के मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, बहुत सारे महाविद्यालय की स्थापना में मारवाड़ी समाज के लोगों ने भूमि दान भी किया था। मारवाड़ी समाज के इन लोगों ने असमिया भाषा को अपना कर असमिया भाषा में साहित्य चर्चा व सामाजिक कार्य जैसे गौशाला, हॉस्पिटल आदि में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान पहले भी मिल रहा था और आज भी मिल रहा है। असम के इतिहास में बीच में एक ऐसा समय आया था जिस समय मारवाड़ी समाज के बीच सुरक्षा का वातावरण पैदा हो गया था। लेकिन वह समय आज बीत चुका है। आज मारवाड़ी समाज हमारे साथ मिलकर कार्य कर रहा है। इससे पहले विजय सिंह डागा ने मारवाड़ी समाज के इतिहास के बारे में उपराष्ट्रपति महोदय को जानकारी देते हुए अपना संबोधन दिया। इस अवसर पर मंच पर असम के मुख्य सचिव पवन बोरठाकुर और पुलिस महानिदेशक जेपी सिंह भी उपस्थित थे। सम्मान की कड़ी में उपराष्ट्रपति को रमेश गोयनका ने फुलाम गमछा, शरद जैन ने शॉल, महावीर जैन ने जापी, प्रदीप भडेच ने गौशाला का प्रतीक चिन्ह गाय, रतन शर्मा ने साराई, शंकर बिरला ने कामाख्या मंदिर का प्रतीक चिन्ह देकर उनका नागरिक अभिनंदन किया। राज्यपाल श्री कटारिया को घनश्याम धानुक ने फूलाम गमछा पहनकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को प्रदीप भुवालका ने फुलाम गामोछा, राहुल लोहिया ने शॉल ओढ़ा कर उनका सम्मान किया।

## होजाई : नौ पूजा समितियों के बीच शरद सम्मान 2023 वितरित

**होजाई ( निसं )।** निखिल भारत बंगा साहित्य सम्मेलन ने होजाई पौर सभा क्षेत्र के भीतर 68 में से नौ (9) पूजा समितियों के बीच शरद सम्मान 2023 वितरित किया। कार्यक्रम का आयोजन रविवार शाम शिवबाड़ी रोड स्थित बरोबारी दुर्गा बारी हॉल में किया गया था। स्थानीय विधायक रामकृष्ण घोष इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, होजाई पौर सभा की अध्यक्षा चतुर्थी रानी विश्वास कई अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष प्रमोद रंजन दास ने उद्घाटन भाषण दिया, जिसके बाद होजाई पौर सभा के पूर्व अध्यक्ष विश्वंभर घोष ने दीप प्रज्ज्वलित किया। उल्लेखयोग्य है होजाई पौर सभा क्षेत्र के अंतर्गत सभी

दुर्गा पूजा समितियों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य के साथ निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन पूजा उत्सव के दौरान प्रतिमा, पंडाल और स्वच्छता में उत्कृष्टता दिखाने वाली दुर्गा पूजा समितियों की सराहना के प्रतीक के रूप में उन्हें पुरस्कार प्रदान करता है। इस वर्ष प्रतिमा के लिए बंगाली बरोवारी दुर्गाबाड़ी को प्रथम पुरस्कार, आदर्श दुर्गा पूजा समिति को द्वितीय पुरस्कार और रेलवे कॉलोनी सर्बजनीन दुर्गा पूजा समिति को तृतीय पुरस्कार दिया गया। उत्कृष्ट पंडाल के लिए-गांधी मैदान सर्वजनीन दुर्गा पूजा समिति को प्रथम पुरस्कार, यूनाइटेड स्पोर्टिंग क्लब, कृष्णानगर और अभिनाव दुर्गोत्सव समिति बिष्णुपल्ली को संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार और गोविंदपल्ली सर्बजनीन दुर्गोत्सव समिति को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। स्वच्छता के लिए रामकृष्ण सेवाश्रम दुर्गा पूजा समिति को प्रथम पुरस्कार, सुदर्शन रोड दुर्गा पूजा समिति, कृष्णनगर को द्वितीय पुरस्कार और जोयराम सर्बजनीन दुर्गा पूजा समिति, रामठाकुर मंदिर को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक रामकृष्ण घोष ने निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा ऐसे सकारात्मक कार्यक्रमों से त्योहारों के दौरान अतिरिक्त जोश व उत्साह देखने को मिलता है। कार्यक्रम का संचालन निखिल भारत बंगा साहित्य सम्मेलन के सचिव डॉ. पीयूष नंदी ने सुंदर तरीके से किया। वही एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था।

## पालक मंत्री सिंघल ने ग्वालपाड़ा में लागू विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

**ग्वालपाड़ा ( हिंस )।** राज्य के आवास एवं शहरी कार्य, सिंचाई एवं जिला के पालक मंत्री अशोक सिंघल ने आज ग्वालपाड़ा जिले के सबसे स्वच्छ गांव रंगसापाड़ा पहुंचकर भूमि संरक्षण विभाग की पहल के तहत सरू जान-जूरीसमूह में बांध बनाकर और आस-पास के खेतों के लिए सिंचाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस तरह की पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ सिंचाई प्रणाली के माध्यम से वर्ष के हर समय राज्य के सभी खेतों को पानी की आपूर्ति प्रदान करने की पहल करें। बाद में उन्होंने ग्वालपाड़ा जिले के बालीजाना विकास खंड कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। मंत्री ने जिले में कृषि, स्वास्थ्य, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सिंचाई, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य तकनीकी, लोक निर्माण (सड़क), लोक निर्माण (आवास) आदि लगभग हर महत्वपूर्ण विभाग के अंतर्गत क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने जिले में क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। स्वच्छ भारत अभियान के कार्यों का जायजा लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों आदि जैसे सार्वजनिक कार्यों में प्राथमिकता के आधार पर पेयजल कनेक्शन और शौचालय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने 15 दिसंबर तक ग्वालपाड़ा जिले के सभी स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। मंत्री ने महिला एवं बाल कल्याण विभाग को अगले साल 20 जनवरी तक ग्वालपाड़ा जिले में कम से कम 30 आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों को चालू करने का भी निर्देश दिया। इस बीच, ग्वालपाड़ा जिले में नवीनतम स्वास्थ्य संकेतकों

का जायजा लेते हुए, मंत्री सिंघल ने जिले में शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए 15 नवंबर से 30 नवंबर तक एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं और स्वयं सहायता समूहों को शामिल करते हुए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि *स्वस्थ मां, सुरक्षित बालक* नामक इस अभियान को जिले के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागों के संयुक्त उद्यम में चलाया जाए। दूसरी ओर, मंत्री सिंघल ने आज ग्वालपाड़ा के उर्पद बिल का निरीक्षण किया और क्षेत्र के निवासियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि राज्य के भीतर समृद्ध विविधता से समृद्ध ग्वालपाड़ा जिले में इको-टूरिज्म क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम है और राज्य सरकार राज्य में जल निकायों के सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। मंत्री सिंघल ने ग्वालपाड़ा जिले में उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में उप-विभागीय भूमि सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया। इस बैठक में मिशन बशुंधरा 2.0 से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और भूमि पट्टा और आवंटन से संबंधित विभिन्न निर्णय लिए गए।

## अपोलो हॉस्पिटल उन्नत डीप ब्रेन स्टिमुलेशन तकनीक के साथ पार्किंसंस रोग के इलाज में बना अग्रणी

**गुवाहाटी।** पार्किंसंस के रोगियों को आशा प्रदान करने और इसकी अत्याधुनिक भावना के प्रति सच्चे बने रहने के प्रयास में अपोलो अस्पताल चेन्नई में अपनी तरह के पहले एडवांस्ड डीप ब्रेन स्टिमुलेशन सेंटर में उपचार की पेशकश कर रहा है। सेंटर, जो पार्किंसंस उपचार में नवीनतम तकनीक से सुसज्जित है, ने डॉक्टरों को रोगियों को व्यक्तिगत उपचार प्रदान करने में सक्षम बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप बेहतर नैदानिक परिणाम सामने आए हैं और रोगी की संतुष्टि में वृद्धि हुई है। सेंटर ने अब तक इन उन्नत तकनीकों से तमिलनाडु में सबसे अधिक रोगियों का इलाज किया है। इस सेंटर की स्थापना महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्किंसंस रोग अपने प्रारंभिक चरण में भी गंभीर रूप से अक्षम कर सकता है क्योंकि यह गति को नियंत्रित करने की क्षमता को बाधित करता है। पारंपरिक डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) के साथ कंप्यूटर-सहायता प्राप्त तकनीक का उपयोग करके न्यूनतम इनवेसिव कीहोल सर्जरी के माध्यम से एक पतला इलेक्ट्रोड प्रत्यारोपित किया। जाता है। इस दृष्टिकोण ने कई रोगियों को नैदानिक लाभ प्राप्त करने में मदद की है। हालांकि, सेंटर ने चिकित्सा में हालिया प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखा है और इस स्थिति वाले रोगियों के त्रिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाया है। परसेप्ट पीसी तकनीक के साथ मेडट्रॉनिक सेंसाइट डायरेक्शनल लीड नामक उपचार, डॉक्टरों को मस्तिष्क में बीटा बैंड संकेतों को सुनने और रोग गतिविधि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देता है। इसके बाद डॉक्टर व्यापक विकल्पों के साथ डिवाइस को प्रोग्राम कर सकते हैं, जिससे लाइटहाउस बीम के समान एक अत्यधिक अनुकूलित और केंद्रित विद्युत क्षेत्र बनाया जा सकता है। इस दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप सीमित प्रतिकूत्र प्रभावों के साथ सटीक विद्युत प्रवाह प्रदान किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप रोग का लक्षित उपचार होता है। अपोलो हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ सलाहकार, न्यूरोलॉजिस्ट, मूवरमेंट डिसऑडर और डीप ब्रेन स्टिमुलेशन स्पेशलिस्ट डॉ. विजय शंकर ने कहा कि हमें पार्किंसंस रोग के इलाज को आगे बढ़ाने में सबसे आगे होने पर गर्व है। इस तकनीक को अपनाने से मरीज महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं। और अपने गुणवत्ता में सुधार की रिपोर्ट कर रहे हैं। हमारे मरीजों ने अंग संचालन और अन्य कार्यात्मक परिणामों में सुधार की सूचना दी है। यह तकनीक न केवल चलने-फिरने संबंधी विकारों के उपचार में एक बड़ी छलांग लगाती है, बल्कि मरीजों को अपने समुदायों के भीतर बेहतर तरीके से जुड़ने में भी मदद करेगी।

## पुलिस एनकाउंटर में शातिर अपराधी सफीकुल इस्लाम घायल

**धुबड़ी ( हिंस )।** धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा इलाके के सिराकुटा बेतबारी इलाके में पुलिस एनकाउंटर में शातिर अपराधी सफीकुल इस्लाम गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आज बताया कि बीती रात पुलिस की एक टीम शातिर अपराधी सफीकुल इस्लाम को लेकर सिराकुटा बेतबारी इलाके में छुपा कर रखे गए हथियारों की खोज में पहुंची थी। इसी दौरान सफिकुल इस्लाम हथियार समेत मौके से फरार होने की कोशिश की। पुलिस ने उसे बार-बार रुकने को कहा जब वह नहीं रुका तो पुलिस ने तीन राउंड गोली चलाई। जिसके चलते सफीकुल इस्लाम के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है।

## सीआरपीएफ के 175वें बटालियन ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

**गुवाहाटी।** केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 175वीं वाहिनी द्वारा दिनांक 31/10/2023 को वाहिनी मुख्यालय, रानी, कामरुपमें भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और पहले गृह मंत्री लौह पुरूष कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जन्म जयंती पर उनकी याद में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर इस बटालियन में *रन फॉर यूनिटी* का आयोजन किया गया तथा राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण समारोह का अयोजन भी किया गया एवं मार्च पास्ट का भी आयोजन किया गया, जिसमें राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175वीं वाहिनी एवं बटालियन के अन्य अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों एवं स्थानीय नागरिकों/स्कूल के बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175वीं वाहिनी द्वारा सभी को संबोधित करते हुए इस दिन के महत्व के बारे में बताया गया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म

31 अक्तूबर, 1875 को गुजरात के नाडियाड़ में एक किसान परिवार में हुआ था। गांधी जी के विचारधाराओं और ब्रिटिश सरकार के क्रूरता ने उन्हें आजादी के लिए स्वतंत्रता आंदोलन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों को करों के भुगतान करने के लिए मना किया। गुजरात के खेड़ा, बोरसाड़ एवं बरदोली आंदोलन में अच्छे नेतृत्व क्षमता के कारण उन्हें सरदार का खिताब दिया गया। उन्हें मृत्यु के बाद भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल की जयंती के दिन इस दिवस को *राष्ट्रीय एकता दिवस* के रूप में घोषित किया। अपनी कुशल कूटनीति और जरूरत पड़ने पर सैन्य हस्तक्षेप के जरिए सरदार पटेल ने भारत की 565 रियासतों को भारत के साथ जोड़ कर आज का भारत तैयार किया था। इसी उपलब्धि के चलते उन्हें लौह पुरूष और भारत का बिस्मार्क भी कहा जाता है। किसी भी देश का आधार उसकी एकता और अखंडता में निहित होता है और सरदार पटेल देश की एकता के सूत्रधार थे। राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को सदैव याद किया जाएगा। अंत में अपने धन्यवाद भाषण में राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175वीं वाहिनी द्वारा इस आयोजन में उपस्थित यूनिट के अधिकारियों, कार्मिकों एवं स्थानीय नागरिकों एवं स्कूल के बच्चों को धन्यवाद दिया।

## गुवाहाटी में इमारत से गिरकर 10वीं की छात्र की मौत

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी में इमारत से गिरकर एक 10वीं कक्षा की छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह घटना शहर के आदाबाड़ी में हुई। खबरों के मुताबिक, लड़की गोकुल निवास नामक बिल्डिंग की सातवीं मंजिल से गिरी। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि लड़की इमारत से कैसे गिरी। यह हादसा था या कुछ और, यह पुलिस जांच में ही सामने आएगा। स्थानीय पुलिस घटनास्थल का दौरा करने के बाद प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। मृतक लड़की बोरझार स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा थी।

# तुष्टीकरण की राजनीति देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के नजदीत आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में कहा कि पिछले कई दशकों से यह देखा गया है कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले लोग आतंकवाद के प्रति भी आंखें मूंद लेते हैं और मानवता के दुश्मनों के साथ खड़े हो जाते हैं। उन्होंने ऐसी सोच के प्रति आगाह किया जो देश की एकता को खतरे में डालती है। वर्तमान और आगामी चुनावों के संदर्भ में, प्रधानमंत्री ने उस गुट के प्रति आगाह किया जो पूरी तरह से सकारात्मक राजनीति से रहित है और असामाजिक और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त है। मोदी ने कहा, ह्लहमें विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश की एकता को बनाए रखने के लिए अपने प्रयास हमेशा जारी रखने होंगे। हम जिस भी क्षेत्र में हों, हमें उसमें अपना 100 प्रतिशत देना होता है। आने वाली पीढ़ियों को बेहतर भविष्य देने का यही एकमात्र तरीका है। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लआज भारत की पहुंच से परे कोई लक्ष्य नहीं है ह्व सबका प्रयास की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाए जाने का जिक्र किया और कहा कि आज कश्मीर और देश के बाकी हिस्से के बीच खड़ी धारा 370 की दीवार ढह गई है और इससे स-रदार साहब, जहां भी होंगे, प्रसन्न हुए होंगे। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि अगले 25 साल देश के लिए इस सदी के सबसे महत्वपूर्ण 25 साल हैं क्योंकि इस अवधि के दौरान भारत को एक समृद्ध और विकसित देश बनना है। उन्होंने देश के लिए समर्पण की उसी भावना का आह्वान किया जो आजादी से ठीक पहले 25 वर्षों में देखी गई थी। उन्होंने विश्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, "हमें गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि हम सबसे बड़े लोकतंत्र के कद को एक नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं।" उन्होंने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, स्वदेशी रक्षा उत्पादन और प्रमुख वैश्विक कंपनियों और खेलों में भारतीयों द्वारा प्रदान किए जा रहे वैश्विक कॉर्पोरेट नेतृत्व में भारत की मजबूत स्थिति का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने आगे बढ़ने और गुलामी की मानसिकता को त्यागने के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि भारत बढ़ भी रहा है और अपनी विरासत को बचाकर भी रख रहा है।' उन्होंने नौसेना ध्वज से औपनिवेशिक प्रतीक चिन्ह को हटाने, औपनिवेशिक काल के अनावश्यक कानूनों को हटाने, आईपीसी को प्रतिस्थापित करने और इंडिया गेट पर औपनिवेशिक प्रतिनिधियों की जगह लेने वाली नेताजी की प्रतिमा का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने सरदार सरोवर बांध का भी उल्लेख किया जो 5-6 दशकों से लंबित था लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पूरा हुआ। उन्होंने केवड़िया-एकता नगर के बदलाव को संकल्प से सिद्धि का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, "आज एकता नगर को वैश्विक हरित शहर के रूप में पहचाना जाता है।" विभिन्न पर्यटक आकर्षणों के अलावा, प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले 6 महीनों में ही एकता नगर में 1.5 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। इलाके में पहले से ही मजबूत सौर ऊर्जा उत्पादन और शहरी गैस वितरण का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज एकता नगर में एक हेरिटेज ट्रेन का आकर्षण जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले 5 वर्षों में 1.5 करोड़ से अधिक पर्यटक आए हैं, जिससे स्थानीय आदिवासी समुदायों को रोजगार के अवसर मिलने में मदद मिली है। आंतरिक सुरक्षा के प्रति लौह पुरुष सरदार साहब की अटूट चिंता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने इस संबंध में पिछले 9 वर्षों में उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध किया और बताया कि कैसे विनाश की ताकतों को पहले जैसी सफलता से वंचित करके चुनौतियों का दृढ़ता से मुकाबला किया जा रहा है। उन्होंने देश की एकता पर हो रहे हमलों के प्रति सतर्क रहने की जरूरत पर बल दिया।

## परषोत्तम रूपाला ने कृषि भवन परिसर से 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने मंगलवार को कृषि भवन परिसर से 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई और इसका नेतृत्व किया। इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री डॉ. संजीव कुमार बालियान और डॉ. एल. मुरुगन भी उपस्थित थे।

इस दौरान अपने संबोधन में परषोत्तम रूपाला ने कहा "देश की अखंडता और डेयरी सहकारी क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा और वह हमें प्रेरित करते रहेंगे।" सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के 150 से अधिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पशुपालन और डेयरी विभाग की सचिव अलका उपाध्याय और मत्स्य पालन विभाग के सचिव, डॉ. अभिलक्ष लिखी ने कृषि भवन परिसर से राजेंद्र प्रसाद रोड होते हुए हैदराबाद हाउस तक 'रन फॉर यूनिटी' में जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। राष्ट्र की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने के वादे के साथ सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ के साथ 'रन फॉर यूनिटी' की शुरूआत की।

## चार विशेष अभियानों को प्रदान किया गया 'केन्द्रीय गृह मंत्री विशेष अभियान पदक'

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** वर्ष 2023 के लिए "केन्द्रीय गृह मंत्री विशेष अभियान पदक" चार विशेष अभियानों को प्रदान किया गया है। यह जानकारी मंगलवार को गृह मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि इस पदक का गठन 2018 में उन अभियानों को मान्यता देने के उद्देश्य से किया गया था, जिनमें उच्चस्तर की योजना, देश/राज्य/केंद्रशासित प्रदेश की सुरक्षा का उच्च महत्व और समाज के बड़े वर्गों की सुरक्षा पर महत्वपूर्ण प्रभाव शामिल हैं। यह पु-रस्कार आतंकवाद का मुकाबला, सीमा पर कार्रवाई, हथियार नियंत्रण, नशीले पदार्थों की तस्करी की रोकथाम और बचाव कार्यों जैसे क्षेत्रों में चलाए गए विशेष अभियानों के लिए दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि इसकी घोषणा हर साल 31 अक्टूबर को की जाती है। एक वर्ष में पुरस्कार के लिए सामान्य रूप से तीन विशेष अभियानों पर विचार किया जाता है, जबकि असाधारण परिस्थितियों में यह पुरस्कार राज्य/संघराज्य क्षेत्र पुलिस को प्रोत्साहित करने के लिए पांच विशेष अभियानों तक दिया जा सकता है। सीआरपीएफ से 51, एनआईए से 09, एनसीबी से 14, आन्ध्र प्रदेश पुलिस से 12, असम पुलिस से 5, गुजरात पुलिस से 20, झारखंड पुलिस से 16 और मध्य प्रदेश पुलिस से 21 लोगों को पुरस्कृत किया गया है। इसके साथ ही तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तराखंड सहित कुछ अन्य राज्यों के पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया।

## तेलुगु देशम प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को हाई कोर्ट से बड़ी राहत, अंतरिम जमानत मंजूर

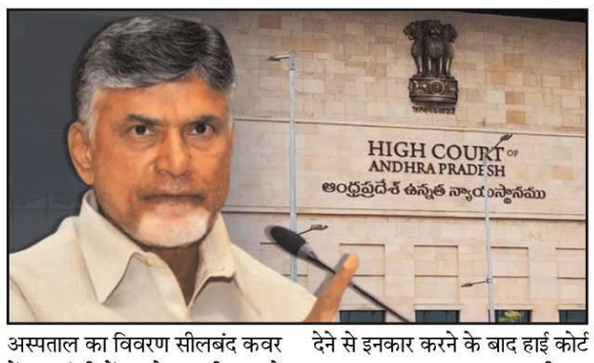


**अमरावती, (हि.स.)।** टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास मामले में अंतरिम जमानत मिल गई है। हाई कोर्ट ने मगलवार को चार सप्ताह के लिए सशर्त अंतरिम जमानत दी है। सशर्त जमानत में यह भी कहा कि चंद्रबाबू को 24 नवंबर को कोर्ट में आत्मसमर्पण करना होगा। पिछले 52 दिनों से जेल में बंद चंद्रबाबू के मंगलवार शाम जमानत पर बाहर आने की संभावना है।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट न्यायमूर्ति तल्लाप्रगदा मल्लिकार्जुन राव ने फैसला सुनाया। चंद्रबाबू नायडू ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इलाज के लिए जमानत की मांग की थी। हाई कोर्ट ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू अपने खर्च पर अपनी पसंद के अस्पताल में इलाज कराएंगे और आत्मसमर्पण के समय इलाज व अस्पताल का विवरण सीलबंद कवर में राजामुंदरी सेंट्रल जेल अधीक्षक को प्रस्तुत करना होगा। हाईकोर्ट नियमित जमानत याचिका पर 10 नवंबर को सुनवाई करेगा।

उल्लेखनीय है कि कौशल विकास मामले में संलिप्तता के आरोपों का सामना कर रहे चंद्रबाबू नायडू ने एसीबी कोर्ट द्वारा जमानत देने से इनकार करने के बाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सीआ-ईडी ने चंद्रबाबू को 9 सितंबर को नंदयाला से गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें विजयवाड़ा स्थित एसीबी अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें रिमांड पर ले लिया। इसके साथ ही चंद्रबाबू को राजामहेंद्रवरम जेल स्थानांतरित कर दिया गया।

## विपक्षी नेताओं के मोबाइल फोन हैक करवा रही है सरकार : राहुल गांधी

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** कांग्रेस नेता एवं लोकसभा सदस्य राहुल गांधी ने आज आरोप लगाया कि केन्द्र स-रकार विपक्षी नेताओं के फोन पर निगरानी रखना चाहती है। राहुल ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कि देश में विपक्षी नेताओं को एप्पल का नोटिस आया है। इसमें लिखा है कि सरकार द्वारा आपके फोन को हैक करने की कोशिश की जा रही है। ये मैसेज मेरे ऑफिस के लोगों के साथ ही विपक्ष के कई नेताओं को आया है। हमारे पास इसकी पूरी लिस्ट है। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के लोगों का ध्यान भटकाकर, देश की पूंजी अडानी को दे रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान हिंदुस्तान के युवाओं का हो रहा है। ये एक तरफ आपसे झूठे भविष्य का वादा करते हैं और फिर दूसरी तरफ आपका धन दूसरे के हाथ में सौंप देते हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार अडानी के इशारे पर चल रही है।

## भारत को अखंड और मजबूत बनाने में सरदार पटेल की अहम भूमिका : शाह

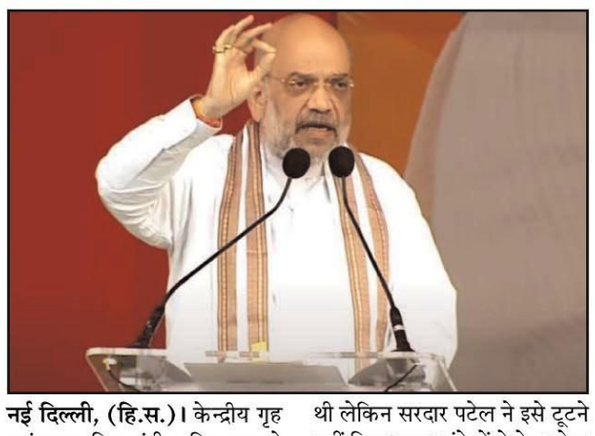

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत को अखंड और मजबूत बनाने में देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की अहम भूमिका रही है। शाह ने मंगलवार को दिल्ली में सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित ''एकता दौड़'' को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि हमें सरदार के सपनों का भारत बनाना है। हमें हर हाल में राष्ट्र को एक रखना है और हर क्षेत्र में देश को मजबूत बनाना है। शाह ने कहा कि अंग्रेजों ने इस देश को टुकड़ों में तोड़ने की साजिश की थी लेकिन सरदार पटेल ने इसे टूटने नहीं दिया। जब अंग्रेजों ने देश छोड़ा था उस वक्त 550 से ज्यादा रियासतों में हम बंटे थे, लेकिन स-रदार पटेल ने कुछ ही दिनों में इन रियासतों को एकता के धागे में पिरोया और भारत माता का एक स-ुंदर मानचित्र बनाने में अहम भूमिका निभाई। शाह ने दिल्ली में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आयोजित ''रन फॉर यूनिटी'' को झंडी दिखा कर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने दौड़ में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई।

## मराठा आरक्षण : तीसरे दिन भी आंदोलन, मुख्यमंत्री ने जारांगे से की बात

**-राज्यपाल से मिले उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस**
**- धाराशिव जिले में भी कर्फ्यू, बीड़ में 49 गिरफ्तार**

**मुंबई, (हि.स.)।** महाराष्ट्र के कई जिलों में आरक्षण के मराठा समाज के आंदोलन की आग लगातार तीसरे दिन भी सुलगती रही। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मंगलवार को सुबह राज्यपाल से मिलकर उन्हें राज्य में कानून व्यवस्था की जानकारी दी है। आंदोलनकारियों से निपटने के लिए बीड़ जिले के बाद धाराशिव जिले में भी कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मराठा नेता मनोज जारांगे पाटिल से फोन पर 25 मिनट तक बात की और उन्हें सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयास की जानकारी दी। लेकिन मनोज जारांगे पाटिल ने आठवे दिन भी अपनी भूख हड़ताल जारी रखने की घोषणा की है। मनोज जारांगे पाटिल ने कहा कि उन्हें अधूरा नहीं पूरा आरक्षण चाहिए। हालांकि मुख्यमंत्री से बात होने के बाद मनोज जारांगे पाटिल ने भूख हड़ताल के दौरान पानी पीना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री के खास अधिकारी मंगेश चिवटे भी मंगलवार को जालना में जारांगे पाटिल से मिले हैं, लेकिन मनोज जारांगे अपनी भूमिका पर अडिग हैं। उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने से मना कर दिया है। पिछले दो दिनों से राज्य के कई जिलों में मराठा आंदोलन की वजह से तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर गृह मंत्रालय ने पुलिस को आंदोलनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी तेज करने का आदेश दिया है। इसके मद्देनजर बीड़ जिले में दो विधायकों के घर और कार्यालय जलाने के मामले में अब तक 49 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बीड़ और धाराशिव जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया है और यहां इंटरनेट भी बंद कर दिया है। इसके बाद भी धाराशिव जिले में मराठा आंदोलनकारी रेलवे पटरी पर बैठकर रेल रोको आंदोलन कर रहे हैं। पुणे में आज निफाड़ में एसटी बस आंदोलन कारियों ने यात्रियों को निकाल कर फूंक दिया है। हिंगोली, सातारा, सोलापुर, जालना, छत्रपति संभाजी नगर और नासिक आदि जिलों में मराठा आंदोलनकारियों ने कहीं हाईवे जाम किया, कहीं सार्वजनिक कार्यालयों को बंद कर तो कहीं बंद का आयोजन कर अपना आंदोलन कर रहे हैं।

## सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत की एकता के लिए काम किया : राजनाथ सिंह

**-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रन फॉर यूनिटी को दिखाई झंडी**

**लखनऊ, (हि स)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लखनऊ में सरदार पटेल स्मारक पार्क से रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिख-ाकर रवाना किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र होने के बाद देश की 562 रियासतों के विलय कराने में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंग्रेजों ने जानबूझकर भारत की रियासतों को अलग रहने या भारत में विलय करने की छूट दे रखी थी। स-रदार पटेल की तरह इच्छा शक्ति और सूझबूझ के कारण ही हैदराबाद भारत का अंग बन सका,अन्यथा आज हैदराबाद जाने के लिए वीजा या पासपोर्ट की जरूरत पड़ती। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर के विलय का काम यदि सरदार पटेल को दिया गया होता तो संविधान की धारा 370 की समस्या नहीं खड़ी होती। सरदार पटेल की जयंती एकजुटता, एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए संकल्प का दिन है। राजनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और केंद्र की मोदी सरकार पिछले 10 वर्षों से स-रदार पटेल को सम्मान दिलाने का काम कर रही है। देश के युवा सरदार पटेल की योगदान को समझ सकें और उनसे प्रेरणा ले सकें, इसलिए प्रतिवर्ष रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाता है। गुजरात में सरदार पटेल की 182 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। दुनिया की कोई भी प्रतिमा स-रदार पटेल से बड़ी नहीं है। स्टैचू ऑफ यूनिटी न्यूयॉर्क के स्टेचू ऑफ लिबर्टी से भी बड़ी है। यह प्रेरणा स्थल के साथ ही पर्यटन स्थल भी है। इसलिए आप जब भी गुजरात जाएं स्टैचू ऑफ यूनिटी का दर्शन जरूर करें। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि देश का युवा आगे आए और दृढ़ संकल्प के साथ नए भारत के निर्माण के लिए काम करे। इसीलिए प्रधानमंत्री आज युवाओं को एक मंच पर लाने के लिए मेरा युवा भारत अभियान लॉन्च कर रहे हैं। इस अभियान से बड़ी संख्या में जुड़ें। आपका यह कदम सरदार पटेल के सपनों के एक भारत श्रेष्ठ भारत के निर्माण में एक बड़ी छलांग सिद्ध होगी।

## भाजपा का लक्ष्य आम आदमी पार्टी को खत्म करना है : गोपाल राय

**अजय त्यागी**

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी द्वारा समन किए जाने को लेकर मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि ईडी ने दो नवंबर को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले सीबीआई ने भी बुलाया था और अरविंद केजरीवाल ने सभी सवालों के जवाब दिए थे। सोमवार को जिस तरह से ईडी ने देर रात नोटिस जारी किया है, वो इस बात को दर्शा रहा है कि सभी सवालों का जवाब देने के बावजूद भाजपा की केंद्र सरकार का आम आदमी पार्टी को खत्म करने का मिशन है, वो अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किए बगैर पूरा नहीं होने वाला है। इसलिए आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद से आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए साजिश चल रही है और अब भाजपा के लोग ईडी के जरिए अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की तैयारी कर रहे हैं।

## मिग-21 बाइसन ने बाड़मेर में उत्तरलाई शहर के ऊपर आखिरी बार उड़ान भरी

**- उत्तरलाई में कार्यरत 4 नंबर स्क्वाड्रन को अब सुखोई-30 एमकेआई में बदला गया**
**- आखिरी बार उड़ान भरने वाले मिग-21 बाइसन का साथ लड़ाकू सुखोई-30 ने दिया**

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** रूसी मिग लड़ाकू विमानों के युग के अंत को चिह्नित करते हुए मिग-21 बाइसन ने राजस्थान के बाड़मेर में उत्तरलाई शहर के ऊपर आखिरी बार उड़ान भरी। मिग-21 बाइसन लड़ाकू विमान के लिए वायु सेना स्टेशन उत्तरलाई में कार्यरत 4 नंबर स्क्वाड्रन को अब सुखोई-30 एमकेआई में बदल दिया गया है। इसका जश्न मनाने के लिए वायु सेना स्टेशन में एक समारोह आयोजित किया गया। यहां से आखिरी बार उड़ान भरने वाले मिग-21 बाइसन का साथ सुखोई-30 ने दिया। विंग कमांडर आशीष मोघे ने बताया कि वायु सेना ने अपने उत्तरलाई एयरबेस से मिग-21 बाइसन की दो स्क्वाड्रन का संचालन जारी रखा है लेकिन अब यहां कार्यरत 4 नंबर स्क्वाड्रन को सुखोई-30 एमकेआई में बदल दिया गया है। इसके लिए एक समारोह आयोजित करके जश्न मनाया गया। वायु सेना ने एक बयान में बताया कि रूसी मिग लड़ाकू विमानों के एक युग का अंत चिह्नित करने के लिए मिग-21 बाइसन विमान ने आखिरी बार राजस्थान के बाड़मेर जिले के उत्तरलाई एयरबेस से उड़ान भरी। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए सुखोई-30 एमकेआई ने आसमान में मिग-21 बाइसन का साथ दिया। भारतीय वायु सेना के बेड़े में मार्च, 1963 में शामिल हुआ पहला सुपरसोनिक विमान मिग-21 अब 60 साल पूरे कर चुका है। देश की सेवा में 50 वर्षों तक रहने के बाद 11 दिसम्बर, 2013 को इसे रिटायर कर दिया गया। हालांकि, 1970 के बाद से मिग-21 सुरक्षा के मुद्दों से इस कदर त्रस्त हो चुका था कि दुर्घटनाओं में 170 से अधिक भारतीय पायलट और 40 नागरिक मारे गए। 1966 से 1984 के बीच 840 विमानों में से लगभग आधे दुर्घटनाओं में क्रैश हो गए। इन विमानों में से अधिकांश के इंजनों में आग लग गई या फिर छोटे पक्षियों से टकराकर नष्ट हुए। मिग-21 के लगातार दुर्घटनाग्रस्त होने पर इसे 'उड़ता ताबूत' कहा जाने लगा था। वायु सेना के बेड़े से रिटायर किये जाने तक भारत के पास 110 से अधिक मिग-21 बचे थे। आखिरी बार मिग-21 तब सुर्खियों में आया, जब भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्थमान ने 27 फरवरी, 2019 को बालाकोट स्ट्राइक के दौरान इसी विमान से पाकिस्तानी एफ-16 को मार गिराया लेकिन पाकिस्तान इससे इनकार करता है। हालांकि, इसी दौरान उनके मिग-21 को भी गोली मार दी गई, जिसकी वजह से विंग कमांडर अभिनंदन वर्थमान पैराशूट से नीचे उतरे। पाकिस्तानी क्षेत्र में लैंड करने के कारण पाकिस्तानी सेना ने उन्हें बंदी बना लिया लेकिन कूटनीतिक दबावों के बाद उन्हें चंद दिन बाद रिहा करना पड़ा।

**मिग-21 बाइसन -** रूसी कंपनी ने 11,496 मिग-21 विमानों का निर्माण करने के बाद अपने आखिरी मिग-21 को मिग बाइसन के रूप में 1985 में अपग्रेड किया था। इस परिष्कृत मॉडल में पहले वाले मिग-21 वेरिएंट की कई कमियों को दूर किया गया था। इसके बाद रूसी कंपनी ने भारतीय वायुसेना के पास बचे 54 मिग-21 विमानों को भी मिग-21 बाइसन के रूप में अपग्रेड किया। इसलिए भारतीय वायु सेना का मिग-21 अपग्रेड होकर 'मिग-21 बाइसन' हो गया। इस समय भारतीय वायुसेना के पास 54 मिग-21 बाइसन हैं, जो आज भी देश की सेवा कर रहे थे। उत्तरलाई एयरबेस से आज मिग-21 बाइसन की आखिरी उड़ान के साथ इसकी विदाई का रास्ता साफ हो गया है।

## अरविंद केजरीवाल को ईडी के समन पर भाजपा का हमला, कहा- भ्रष्टाचार होगा तो जांच तो होगी

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी ) के समन पर भारतीय जनता पार्टी( भाजपा) ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ईडी द्वारा केजरीवाल को भेजे गए समन से भाजपा का कोई संबंध नहीं है। कानून अपना काम कर रहा है। उसके तहत ईडी अपनी कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि कल से आम आदमी पार्टी केन्द्र सरकार पर आरोप लगा रही है कि उन्हें खत्म करने की कोशिश की जा रही है लेकिन पार्टी खुद ही खुद को खत्म कर रही है। आम आदमी पार्टी गलतियां करेगी और भ्रष्टाचार करेगी और अगर जांच हो रही है तो उन्हें दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस महाघोटाले पर अभी तक अरविंद केजरीवाल ने सफाई का एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने सवाल किया कि इतना बड़ा घोटाला केजरीवाल की जानकारी के बिना कैसे हो सकता है। सारे सबूत उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी 6 प्रतिशत वोट प्राप्त करने के लिए शराब नीति लेकर आई। संजय सिंह और मनीष सिसोदिया कहते थे कि पूरा मामला फर्जी है। फरवरी से मनीष सिसोदिया जेल में, संजय सिंह भी जेल में, इसके साथ आम आदमी पार्टी के कई नेता जेल में हैं। आज तक इस पूरे महाघोटाले पर अरविंद केजरीवाल ने एक शब्द नहीं कहा। बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से खाये।

# योगी आदित्यनाथ ने पुष्कर सिंह धामी के साथ देखी फिल्म तेजस

**लखनऊ, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और अपने कैबिनेट के साथ फिल्म तेजस देखी। इस फिल्म की लोकभवन के सभागार में स्पेशल स्क्रीनिंग की गयी। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत भी मौजूद रहीं। इस फिल्म को देखने के लिए काफी संख्या में विद्यार्थी, भाजपा कार्यकताओं के साथ ही कुछ जवान भी आये थे। फिल्म शुरू होते ही लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाने शुरू कर दिए। बीच-बीच में जयकारा लगता रहा। यह फिल्म तेजस वायुसेना पर आधारित है। इसमें मुख्य रूप से जाबांज महिला पायलट की भूमिका दिखायी गयी है। जाबांज महिला की भूमिका अभिनेत्री कंगना रनौत निभाई हैं। स्क्रीनिंग का आयोजन यूएफओ सिने मीडिया नेटवर्क के सहयोग से किया गया। इस दौरान सभी बेहद खुश नजर आए। इस फिल्म में राष्ट्रभाव की भावना भी दिखती है। वहीं पाकिस्तान के नापाक इरादों को भी फिल्म के माध्यम से दिखाया गया है। मुम्बई का बमकांड भी फिल्म की स्टोरी का हिस्सा है। इसको देखकर निकले लोगों में देशभक्ति का जज्बा झलक रहा था। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म पृथ्वीराज और कश्मीर फाइल्स भी देखी थी। उन्होंने इन फिल्मों की सराहना की थी और इनके कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साह भी बढ़ाया था। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद पत्रकारों से मुखातिब कंगना रनौत ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है यह फिल्म महिला सशक्तिकरण को दिखाती है। ऐसी फिल्में बननी चाहिए और सभी को देखनी चाहिए। परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने कहा कि फिल्म में महिला सशक्तिकरण का संदेश तो दिखता ही है, साथ में देश के प्रति जज्बा भी देखने को मिला है।

# ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए तय लक्ष्य के और करीब पहुंची योगी सरकार

**लखनऊ, (हि.स.)।** फरवरी माह में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से रिकॉर्ड तोड़ 38 लाख करोड़ से ज्यादा के एमओयू करने वाली योगी सरकार अब ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के माध्यम से इस निवेश को धरातल पर उतारने के लिए तैयार है। योगी सरकार ने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए सभी विभागों का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसके सापेक्ष अब तक करीब 6.80 लाख करोड़ रुपये के 8 हजार से अधिक प्रोजेक्ट्स ऐसे हैं जो जीबीसी के माध्यम से धरातल पर उतरने के लिए बिल्कुल रेडी हैं। इनमें 06 हजार से ज्यादा प्रोजेक्ट्स हैं जिनके एमओयू हो चुके हैं, जबकि करीब 2 हजार प्रोजेक्ट्स नॉन एमओयू वाले भी हैं। कुल मिलाकर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से सरकार उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश को धरातल पर उतारते हुए लाखों रोजगार सृजित करने की ओर सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने करीब 08 हजार एमओयू को जीबीसी के लिए शॉर्टलिस्ट किया है, जिनकी कुल निवेश क्षमता 09 लाख करोड़ से ज्यादा की है। योगी सरकार ने अब तक 26 हजार से ज्यादा एमओयू साइन किए हैं, जिनके माध्यम से 38 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश उत्तर प्रदेश में संभावित है। इसके जरिए प्रदेश में एक करोड़ से भी अधिक रोजगार का सृजन होने की संभावना है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सरकार की ओर से कुल 33 विभागों को 09 लाख करोड़ से ज्यादा के एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए लक्ष्य दिया गया था। इसमें से सर्वाधिक 01 लाख करोड़ से ज्यादा के एमओयू को जीबीसी के लिए रेडी करने में एडिशनल सोर्सेज ऑफ एनर्जी ने सफलता हासिल की है। विभाग ने कुल 503 एमओयू किए थे, जिनकी कुल निवेश क्षमता 08 लाख करोड़ से ज्यादा की थी। विभाग को जीबीसी के लिए 1.25 लाख करोड़ का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 1.04 लाख करोड़ के 111 प्रोजेक्ट्स ने जीबीसी के माध्यम से निवेश के लिए हामी भर दी है। इस तरह विभाग ने जीबीसी के लिए दिए गए लक्ष्य का 83 प्रतिशत से ज्यादा हासिल कर लिया है। इसी तरह यूपीसीडा ने भी 94 हजार करोड़ से ज्यादा के एमओयू को जीबीसी के लिए रेडी कर लिया है। यूपीसीडा ने कुल 625 एमओयू किए थे, जिनकी निवेश क्षमता 3.45 लाख करोड़ से ज्यादा की है। यूपीसीडा को जीबीसी के लिए 02 लाख करोड़ का लक्ष्य दिया गया था, जिसमें वह अब तक 47 प्रतिशत से ज्यादा लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा है। उन्होंने बताया कि इसी तरह नोएडा अथॉरिटी भी भारी निवेश कराने के लिए तैयार है। उसने 54 हजार करोड़ के 115 प्रोजेक्ट्स को जीबीसी के लिए रेडी कर लिया है। नोएडा अथॉरिटी ने कुल 426 एमओयू किए थे, जिनकी निवेश क्षमता एक लाख करोड़ से ज्यादा की थी। जीबीसी के लिए उसे 90 हजार करोड़ का लक्ष्य दिया गया था, जिसमें वह 61 प्रतिशत को हासिल करने में सफल हो चुका है। इसके बाद सर्वाधिक निवेश राशि के मामले में हायर एजुकेशन की बारी आती है जिसने 51 हजार करोड़ के 257 प्रोजेक्ट्स को जीबीसी में उतारने पर सहमित हासिल कर ली है। हायर एजुकेशन ने कुल 95 एमओयू किए थे, जिनकी निवेश क्षमता 2.63 लाख करोड़ से ज्यादा की है। विभाग को जीबीसी के लिए 62.5 हजार से ज्यादा का लक्ष्य दिया गया था, जिसे वह अब तक 81 प्रतिशत से ज्यादा प्राप्त करने में सफल रहा है। इस क्रम में आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स भी शामिल है, जिसने जीबीसी के लिए 48 हजार करोड़ से ज्यादा के 45 एमओयू को रेडी करने में सफलता प्राप्त की है। वहीं, हॉर्टीकल्चर ने 42 हजार करोड़ के 843 प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दी है, जबकि एनर्जी और एमएसएमई ने करीब 38 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को जीबीसी के लिए तैयार कर लिया है। जिन विभागों ने जीबीसी के लिए मिले लक्ष्य को 100 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा हासिल किया है, उसमें सबसे पहला नाम बेसिक शिक्षा विभाग का है। इस विभाग ने करीब लक्ष्य का 900 प्रतिशत हासिल कर लिया है। बेसिक एजुकेशन को जीबीसी के लिए 63 करोड़ का लक्ष्य मिला था, जिसके सापेक्ष उसने 558 करोड़ के 47 प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दे दी है। इसी तरह टेक्निलकल एजुकेशन को 4500 करोड़ का लक्ष्य मिला था, जिसके सापेक्ष उसने करीब 5200 करोड़ के 535 प्रोजेक्ट्स को तैयार कर लिया है, जो 115 प्रतिशत से भी ज्यादा है। केन डेवलपमेंट एंड शुगर इंडस्ट्री ने 1285 करोड़ के प्रोजेक्ट्स के साथ 102 प्रतिशत से ज्यादा, एनर्जी ने 38 हजार करोड़ के साथ 101 प्रतिशत और सिविल एविएशन ने 04 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स को जीबीसी के लिए रेडी करने के साथ 100 प्रतिशत लक्ष्य को हासिल किया है।

# लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को राष्ट्रीय एकता का प्रणेता माना जाता है : डीआईजी

**मुरादाबाद, (हि.स.)।** स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर मंगलवार को पुलिस लाइन में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। साथ ही पुलिस कर्मियों ने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा की शपथ ली। इस मौके पर मुरादाबाद परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनीराज जी ने पुलिस-ाकर्मियों से कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात देश के पहले उप- प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती है। हम सभी इस अवसर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों को बताया कि भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल का आजादी के बाद भारत के एकीकरण में सबसे महत्वपूर्ण योगदान था, इसलिए उन्हें राष्ट्रीय एकता का प्रणेता माना जाता है। उनका जन्मदिन देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने भी पुलिस-ाकर्मियों को राष्ट्रीय एकता दिवस और सरदार पटेल के जीवन संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया। इस बीच में पुलिस लाइन में आयोजित रन फॉर यूनिटी का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ कराया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक नगर अखिलेश भदौरिया, पुलिस अधीक्षक यातायात सुभाष चंद्र गंगवार, क्षेत्राधिकारी सिविल लाइंस अर्पित कपूर, क्षेत्राधिकारी बिलारी डॉ. अनूप सिंह, प्रतिसार निरीक्षक रकम सिंह भी थे। इनके साथ ही अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों ने प्रतिभाग कर राष्ट्र एकता का संदेश दिया गया। रन फॉर यूनिटी दौड़ पुलिस लाइन से आरंभ होकर पुलिस अकादमी होते अकबर किला से वापस पुलिस लाइन में समाप्त हुई।

# राज्यपाल ने राजभवन से 'रन फॉर यूनिटी' रैली को रवाना किया

**लखनऊ, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर राज भवन के बड़े लॉन में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर एकता दिवस के रूप में राज्यपाल ने राजभवन से रन फॉर यूनिटी रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली राजभवन के बड़े लॉन से शुरू होकर राजभवन गेट नम्बर-दो, अटल चौराहा होते हुए, परिवर्तन चौक, सुभाष चौराहा से बापू भवन चौराहा होते हुए राजभवन गेट नम्बर-आठ से प्रवेश कर राजभवन परिसर में संपन्न हुई। एकता दौड़ में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडेय, राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी, विश्वविद्यालय के अध्यापक गण, छात्र-छात्राएं व राजभवन स्कूल के बच्चों ने बड़ी संख्या में उत्साह और देशप्रेम के उद्घोष के साथ प्रतिभाग किया।

# जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का 48 दिनों तक होगा विशेष पूजन

**- अयोध्या में 17 जनवरी को नगर भ्रमण पर निकलेंगे रामलला**

**लखनऊ, (हि.स.)।** अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर निमार्णाधीन भव्य एवं दिव्य मंदिर के गर्भगृह में रामलला की 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के अगले 48 दिनों तक उनका विशेष पूजन होगा। राम सबके हैं इसलिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने योजना बनाई है कि गर्भगृह में रामलला के विराजमान होने के बाद उनकी पूजा का अवसर सबको मिलना चाहिए। इसलिए 48 दिनों तक चलने वाले विशेष पूजा अनुष्ठान में देश के सभी प्रांतों के विद्वान अलग-अलग दिनों में आकर पूजा में सहभागी बनेंगे। सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की रचना के अनुसार 48 प्रांत हैं। इसलिए एक दिन में एक प्रांत के 11 लोग आएंगे। इन 11 लोगों में धर्म एवं सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले ऐसे लोग होंगे जो अपने-अपने बल पर समाज सेवा का कोई न कोई प्रकल्प चला रहे हों। 48 दिनों तक चलने वाला यह अनुष्ठान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि जी महाराज की देखरेख में संपन्न होगा। तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला विराजमान होने से पहले 17 जनवरी को अयोध्या के नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक हिस्सा लेंगे। नगर भ्रमण का रूट क्या होगा इसका निर्धारण 05 नवंबर को अयोध्या में होने वाली श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में होगा। नगर भ्रमण के दौरान शोभायात्रा के रथ में रखी जाने वाली श्रीराम की मूर्ति का निर्माण कारसेवकपुरम में चल रहा है। ट्रस्ट के सदस्यों के अनुसार कारसेवकपुरम में तीन मूर्तियां बनाई जा रही हैं। इनमें एक मूर्ति फाइनल की जाएगी। नगर भ्रमण के बाद उस मूर्ति को राम मंदिर के किसी स्थान पर स्थापित कर दी जाएगी।

**पांच दिनों तक चलेगा प्राण प्रतिष्ठा का विशेष अनुष्ठान** - अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान पांच दिनों तक विशेष अनुष्ठान होगा। समारोह के अनुष्ठान का शुभारम्भ 17 जनवरी को रामलला के नगर भ्रमण के साथ होगा। जिसके अगले चार दिनों में जलाधिवास, अन्नाधिवास, शैयाधिवास और पुष्पाधिवास पूर्ण किए जाएंगे। 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत समेत देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 10 हजार प्रतिनिधि समारोह में शामिल होंगे।

# लोकतंत्र में बड़े नेताओं की कराई जा रही जासूसी, मामले की होनी चाहिए जांच : अखिलेश यादव

**लखनऊ, (हि.स.)।** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज हमारे मोबाइल फोन हैक किए जा रहे हैं। लोकतंत्र में बड़े नेताओं की जासूसी की जा रही है। इस मामले की जांच कराई जानी चाहिए। सपा मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि उनका भी फोन हैक करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने बताया कि एप्पल कम्पनी के माध्यम से अलर्ट मैसेज आया है। सरकार इस मामले की जांच कराए। इस तरह सर्विलांस करना लोकतंत्र को खत्म करने जैसा है। अखिलेश ने भाजपा के पूर्व सांसद के बेटे की मौत मामले में सरकार को घेरते हुए कहा कि इलाज के अभाव में पीजीआई में मौत हो रही है। सरकार अस्पतालों में बजट नहीं दे रही, लोग परेशान हैं। भाजपा दलित सम्मेलन कर रही है। यह वही भाजपा है जो नहला कर लोगों से मिलती है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पीडीए की यात्रा 05 हजार किमी. से ज्यादा चल गई। 22 नवम्बर को यात्रा सैफई पहुंचेगी। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कहा कि कार्यकताओं को जमीनी स्तर पर काम करने के लिए तैयार किया जा रहा है। सपा नेता, कार्यकर्ता बूथ स्तर पर काम करेंगे और पार्टी को मजबूत करने के साथ ही महंगाई, रोजगार, विकास योजनाओं के बारे में जागरूक कर जोड़ा जाएगा।

# हजारीबाग में रेल हादसा, पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आए सात लोग, दो की मौत

**हजारीबाग, (हि.स.)।** जिले के चरही थाना क्षेत्र में सात लोग ट्रेन की चपेट में आ गए। इनमें से दो की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हैं। घटना रेलवे 23 नंबर दलदलिया गांव के पास की है। घटना में सरबाहा गांव के रमेश गंझू (25) और जगदेव महतो की पत्नी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई जबकि मृतक रमेश गंझू की पत्नी, चालक करण कुमार, सावित्री देवी पत्नी दालेश्वर महतो सहित चार अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी मिलते ही चरही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को कब्जे में ले लिया। साथ ही सभी घायलों को सदर अस्पताल हजारीबाग भेज दिया गया। बताया जाता है कि मंगलवार सुबह लगभग सात बजे चरही पंचायत के सरबाहा गांव की सात महिलाएं और दो पुरुष ट्रैक्टर पर सवार होकर दूधी मिट्टी लाने जा रहे थे। वे अपने पैतृक गांव सरबाहा गांव से दलदलिया गांव होते रेलवे पटरी पार कर रहे थे। दलदलिया गांव के समीप 23 नंबर रेलवे पटरी पार करने के दौरान चरही की ओर आ रही पैसेंजर ट्रेन ने ट्रैक्टर पर सवार नौ लोगों को चपेट में ले लिया।

# हाई कोर्ट ने नक्शा स्वीकृति मामले में आरआरडीए और रांची नगर निगम से मांगा ब्योरा

**रांची, (हि.स.)।** झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य के नगर निकायों में नक्शे स्वीकृति में पैसों के खेल मामले में स्वतः संज्ञान की मंगलवार सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान रांची नगर निगम की ओर से मौखिक रूप से कोर्ट को बताया गया कि इस वर्ष दो अगस्त से अक्टूबर माह तक 6000 नक्शा स्वीकृति के लिए के लिए आवेदन आए, जिसमें से करीब 5000 नक्शा आवेदन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई। न्यायाधीश एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। इस पर कोर्ट ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि रांची निगम एवं आरआरडीए में कर्मियों की कमी है। ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में नक्शा के आवेदन कैसे स्वीकृत हो गए। कोर्ट ने रांची नगर निगम एवं आरआरडीए को अगली सुनवाई के पूर्व शपथ पत्र दाखिल कर बताने को कहा है कि नक्शा स्वीकृत पर हाई कोर्ट की लगी रोक हटाने के बाद से रांची नगर निगम एवं आर-आरडीए में नक्शा स्वीकृत के लिए कितने आवेदन आए, इनमें से कितने आवेदन स्वीकृत हुए और अब तक नक्शा स्वीकृत के लिए आए कितने आवेदन अबतक लंबित हैं। कोर्ट ने इसका पूरा विस्तृत विवरण रांची नगर निगम और आरआरडीए से मांगा है। अगली सुनवाई आठ नवंबर को होगी। रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एलसीएन सहदेव ने पैरवी की। आरआरडीए की ओर से अधिवक्ता प्रशांत कुमार सिंह ने पैरवी की। इससे संबंधित खबर रांची के स्थानीय समाचार पत्र में छपी थी, जिस पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने इस मामले को एलपीए 132/2012 के साथ टैग करने का निर्देश दिया था।

# एडीजी और आईजी समेत 16 पुलिसकर्मी 'केंद्रीय गृह मंत्री विशेष अभियान पदक' से सम्मानित

**रांची, (हि.स.)।** केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के 16 अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को 'केंद्रीय गृह मंत्री विशेष अभियान पदक' से सम्मानित किया है। इन 16 अधिकारियों और कर्मियों को वर्ष-2023 में विशेष अभियानों (नक्सल के खिलाफ कार्रवाई) को लेकर सरदार पटेल की जयंती पर सम्मानित किया गया। सम्मानित पुलिस अधिकारियों और कर्मियों में एडीजी अभियान संजय आनंद राव लाठकर, आईजी अभियान एवी होमकर, आईजी राजकुमार लकड़ा, डीआईजी अनूप बिरथरे, एसपी अंजनी कुमार झा, एसपी शिवानी तिवारी, एसपी अंजनी अंजन, असिस्टेंट कमांडेंट कमलेश कुमार, इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, एसआई गौतम कुमार, एसआई जमील अंसारी, एसआई मनोहर राम, सेकेंड इन कमांड विवेकानंद सिंह, हवलदार राज कुमार उरांव, कांस्टेबल रतन कुमार यादव और कांस्टेबल विष्णु शंकर शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 23 जुलाई, 2018 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 'केंद्रीय गृह मंत्री विशेष अभियान पदक' की शुरूआत की थी। ये पदक पूरे भारत में राज्य और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) पुलिस बलों, केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ), केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और सुरक्षा संगठनों को प्रदान किया जाता है।सुरक्षा बलों को आतंकवाद, सीमा कार्रवाई, हथियार नियंत्रण, नशीले पदार्थों की तस्करी और नक्सल के खिलाफ कार्रवाई की रोकथाम और बचाव कार्यों जैसे क्षेत्रों में विशेष अभियानों के लिए यह पदक प्रदान किया जाता है।

# शिक्षक नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के मद्देनजर प्रशासन मुस्तैद, 703 बसों के लिए रूट तय

**पटना, (हि.स.)।** राजधानी के गांधी मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो नवम्बर को राज्य के विभिन्न जिलों से आए 25 हजार शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इस कार्यक्रम की तैयारी आखिरी चरण में है। नियुक्ति पत्र वितरण में शिक्षक अभ्यर्थियों के अलावा सभी जिलों से बड़ी संख्या में उनके परिजन भी भाग लेंगे। इसके मद्देनजर बड़े स्तर पर यातायात प्रबंधन की तैयार की गई है। राज्यभर के 703 बसों में इनके आने की जानकारी पटना प्रशासन द्वारा दी गई है। पुलिस अधीक्षक यातायात की तरफ से गाड़ियों की पार्किंग को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। शिक्षा विभाग के निदेशक ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र लिखकर बताया है कि रूट लाइन तय किया गया है। उसी आधार पर गाड़ियों को शहर में लाना है और निर्धारित जगह पर पार्किंग करना है। नालंदा, गया, जहानाबाद, नवादा और शेखपुरा से आने वाली गाड़ियां भी जीरो माइल, पुरानी बाईपास होते हुए गांधी मैदान गेट नंबर 10 के अंदर पार्क कराई जाएगी। इन जिलों से आने वाले बसों की कुल संख्या 171 है। सारण, सिवान, गोपालगंज, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, सुपौल, सहरसा और मधेपुरा से आने वाली कुल गाड़ियों की संख्या 259 है। यह सभी गाड़ियां जेपी सेतु से होकर जेपी गंगा पथ पर किनारे फ्लैंक में पार्क कराई जाएगी। इसके अलावा भोजपुर से आने वाली गाड़ियां भी जेपी गंगा पथ पर किनारे में कराई जाएगी।

वैशाली, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर और शिवहर से आने वाली गाड़ियां गांधी सेतु से पुरानी बाईपास होते हुए चिरैयाटाड पुल से एक्जिविशन रोड के माध्यम से गांधी मैदान गेट नंबर 10 से मैदान के अंदर प्रवेश करेगी। इसके अलावा भागलपुर, बांका, जमुई, लखीसराय, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया से आने वाले गाड़ियां भी पहाड़ी मोड़ से बाईपास होते हुए गांधी मैदान गेट नंबर 10 के अंदर पार्क होंगी। इन जिलों से आने वाली कुल बसों की संख्या 187 है। इसके अलावा पटना जिले से आने वाली गाड़ी गांधी मैदान गेट नंबर 10 पर अभ्यर्थी को उतार कर गांधी मैदान में पर लगायेंगी। कैमूर, रोहतास, अरवल, औरंगाबाद से आने वाली कुल 86 गाड़ियां भी जेपी गंगा पथ पर किनारे फ्लैंक में पार्क कराई जाएगी। इस तरह से गांधी मैदान में कुल 358 वाहनों को पार्क कराया जाएगा जबकि जेपी गंगा पथ पर पार्किंग में कुल 345 वहां खड़ी की जायेगी।

# सरदार पटेल की जयंती पर निकाला गया एकता मार्च, विचार गोष्ठी का आयोजन

**भागलपुर, (हि.स.)।** लौह पुरुष महान स्वतंत्रता सेनानी देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारक ट्रस्ट एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा शहर के त्रिमूर्ति चौक से सरदार भगत सिंह चौक घंटाघर होते हुए पटेल चौक स्थित सरदार पटेल स्मारक स्थल तक एकता मार्च निकाला गया। स्मारक स्थल पर उनके आदमकद मूर्ति पर फूल माला चढ़ाते हुए एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने सरदार पटेल के देश के प्रति प्रेम को लेकर अपने उद्गार प्रकट किए। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए अंग क्षेत्र के नागरिकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों में भागलपुर विधायक अजीत शर्मा, महापौर डॉक्टर वसुंधरा लाल, पूर्व कुलपति डॉक्टर प्रोफेसर नंदकुमार यादव, अर्जुन कुमार सिंह, विजय कुमार मंडल, शैलेंद्र कुमार सिंह, जदयू नेता सह कहलगांव विधानसभा के जदयू प्रत्याशी शुभानंद मुकेश, आरसीपी वर्मा के अलावा शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं उपस्थित हुए लोगों ने अपने वक्तव्य में सरदार पटेल के जीवन शैली और देश के प्रति उनके समर्पण जैसी बातों को प्रस्तुत किया। मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉक्टर एसपी सिंह, सचिव डॉ मणि भूषण, संयोजक डॉ डीपी सिंह, डॉ वरुण कुमार, डॉ संजय निराला, दिलीप कुमार सिंह के अलावा दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे। उधर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भागलपुर शाखा के कार्यकताओं द्वारा कचहरी चौक स्थित प्रतिमा की सफाई की गई और उनके नेक देशभक्ति और बहादुरी के राह पर चलने की कसमें खाई गई।

# अभाविप ने किया ज्ञान भारती इकाई का गठन, छह नवम्बर को होगा नगर अभ्यास वर्ग

**बेगूसराय, (हि.स.)।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा कार्य विस्तार के दृष्टिकोण से आज ज्ञान भारती प्लस-टू इकाई का गठन किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य अजीत चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद जिले के प्रमुख प्लस-टू स्कूलों में इकाई का गठन कर रही है। जिससे उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी राष्ट्र प्रेम की गतिविधियों से जोड़कर समाज और देश के लिए काम करने की भावना जागृत हो सके। आज विद्यार्थी परिषद इसी उद्देश्य से कार्य कर रही है। जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार एवं शिक्षक रणधीर कुमार ने कहा कि आज आम जनमानस विद्यार्थी परिषद को आशान्वित निगाह से देखती है। क्योंकि विद्यार्थी परिषद समस्या के बदले समाधान पर विचार विमर्श कर रही है। हम छात्र-छात्राओं के बहुमुखी विकास के लिए निरंतर कार्यशाला एवं अन्य गतिविधियां आयोजित करते हैं।

इससे अधिक संख्या में छात्र-छात्रा हमसे जुड़ते हैं। शिक्षक धीरज कुमार एवं नगर सह मंत्री अजीत कुमार ने नए कार्यकर्ताओं के उनके दायित्व से परिचय कराते हुए छह नवम्बर को आयोजित होने वाले नगर अभ्यास वर्ग में आने को कहा। उन्होंने कहा कि आगामी छह नवम्बर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बेगूसराय नगर इकाई अभ्यास वर्ग महंत राम जीवन दास महाविद्यालय (एमआरजेडी कॉलेज) में आयोजित होगा। जिसमें नगर के कार्यकताओं को प्रमुख दायित्व वान वरिष्ठ कार्यकताओं का मार्गदर्शन मिलेगा। मौके पर सौरभ, विशाल, इलू, श्वेता, यशवंत, आयुष, आदित्य, स्वामी, पायल, विकास, राजवीर एवं छोटू सहित अन्य उपस्थित थे।

## संपादकीय

# केरल में 'कट्टरवादी' धमाके

**केरल** के एर्नाकुलम जिले के एक सभा-कक्ष में जो धमाके किए गए हैं, वे कमोबेश आतंकी हमले तो नहीं लगते, लेकिन उससे कमतर भी नहीं हैं। एक सभा-कक्ष में करीब 2300 लोग प्रार्थना में लीन थे। वे 'येहोवा समुदाय' के बताए जाते हैं, जो बुनियादी तौर पर ईसाई हैं, लेकिन मानसिक रूप से यहूदी-समर्थक भी हैं। उन्होंने एक दिन पहले इजरायल के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया था। यह ऐसा ईसाई धार्मिक समुदाय है, जिसकी उत्पत्ति 19वीं सदी में अमरीका में हुई थी। सिलसिलेवार तीन धमाकों में 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 51 लोग झुलसे और घायल बताए गए हैं। आधा दर्जन की हालत गंभीर बताई गई थी और 18 लोगों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा है। बेशक धमाके 'आतंकी' नहीं थे, लेकिन धार्मिक कट्टरवाद से प्रेरित जरूर थे। केरल में विभिन्न समूहों के बीच हिंसा का इतिहास रहा है। इन समूहों में धर्म और राजनीति का खतरनाक मिश्रण भी रहा है। हालांकि प्रभाव इजरायल-हमास युद्ध का भी रहा होगा, क्योंकि केरल ही नहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों में भी मुस्लिम संगठन फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शन कर रहे हैं। हमास को ही फिलिस्तीन के तौर पर पेश किया जा रहा है, लिहाजा आंकड़े और तथ्य गलत हैं। केरल में हाल ही में जो फिलिस्तीन समर्थक रैली का आयोजन किया गया था, उसे हमास के संस्थापक नेता खालिद मशेल ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया था। देश में यह कैसे हो सकता है कि आतंकी समूह का सरगना रैली को संबोधित करे और राज्य सरकार से स्पष्टीकरण तक न मांगा जाए? केरल में 27 फीसदी मुसलमान और 18 फीसदी ईसाई हैं। दोनों ही समुदाय वाममोर्चा और कांग्रेस नेतृत्व वाले मोर्चे के साथ सत्ता और सियासत में ताकतवर मौजूदगी दर्ज कराते रहे हैं। अब इन धमाकों की गहन जांच से निष्कर्ष सामने आएंगे कि इजरायल-हमास युद्ध से प्रभावित कट्टरवाद कितना जिम्मेदार है? धमाकों के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया गया, तो उसे कहां से हासिल किया गया? विस्फोटक पदार्थ कहां से आए? हालांकि एक शख्स ने धमाकों की जिम्मेदारी ली है। डोमिनिक मॉर्टिन नाम के इस व्यक्ति ने केरल पुलिस को बताया है कि वह 16 साल से 'येहोवा विटनेस समुदाय' का सदस्य रहा है, लेकिन करीब 6 साल पहले उसे एहसास हुआ कि यह अच्छा संगठन नहीं है और इसकी शिक्षाएं 'देशद्रोही' हैं। हालांकि येहोवा समुदाय ने इस शख्स की सदस्यता से इंकार किया है, लेकिन 'देशद्रोही' शब्द में कट्टरवाद और साजिश के मायने निहित हैं। बहरहाल राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) समेत सभी एजेंसियां केरल में पहुंच चुकी हैं। वे जांच के हर पहलू की गहराई तक जाएंगी। यह भी जांच का सरोकार होगा कि हमास वाली रैली के आयोजन में किसकी कारगर भूमिका थी? कांग्रेस और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग जैसी परंपरागत पार्टियों के अलावा प्रतिबंधित पीएफआई और एसडीपीआई सरीखे दलों की सियासत किस हद तक असरदार है और उनकी बुनियादी सोच क्या है? इन धमाकों के संदर्भ में देश की सकल सुरक्षा का आयाम भी संवेदनशील है। राजधानी दिल्ली समेत उप्र और मुंबई में भी हाई अलर्ट लागू कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप पोस्ट लिखी जा रही हैं। धमाकों को इजरायल-हमास युद्ध से जोड़ कर व्याख्याएं की जा रही हैं। हालांकि केरल पुलिस ने आगाह किया है कि सोशल मीडिया पर फर्जी और भडक़ाऊ पोस्ट लिखने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संभावनाएं हैं कि पश्चिम एशिया का टकराव भारत और उसके हितों को परोक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। हमारे देश को 'विदेशी टकरावों' की रणभूमि नहीं बनना चाहिए।

सिलसिलेवार तीन धमाकों में 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 51 लोग झुलसे और घायल बताए गए हैं। आधा दर्जन की हालत गंभीर बताई गई थी और 18 लोगों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा है। बेशक धमाके 'आतंकी' नहीं थे, लेकिन धार्मिक कट्टरवाद से प्रेरित जरूर थे। केरल में विभिन्न समूहों के बीच हिंसा का इतिहास रहा है। इन समूहों में धर्म और राजनीति का खतरनाक मिश्रण भी रहा है। हालांकि प्रभाव इजरायल-हमास युद्ध का भी रहा होगा, क्योंकि केरल ही नहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों में भी मुस्लिम संगठन फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शन कर रहे हैं। हमास को ही फिलिस्तीन के तौर पर पेश किया जा रहा है, लिहाजा आंकड़े और तथ्य गलत हैं। केरल में हाल ही में जो फिलिस्तीन समर्थक रैली का आयोजन किया गया था, उसे हमास के संस्थापक नेता खालिद मशेल ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया था। देश में यह कैसे हो सकता है कि आतंकी समूह का सरगना रैली को संबोधित करे और राज्य सरकार से स्पष्टीकरण तक न मांगा जाए? केरल में 27 फीसदी मुसलमान और 18 फीसदी ईसाई हैं। दोनों ही समुदाय वाममोर्चा और कांग्रेस नेतृत्व वाले मोर्चे के साथ सत्ता और सियासत में ताकतवर मौजूदगी दर्ज कराते रहे हैं। अब इन धमाकों की गहन जांच से निष्कर्ष सामने आएंगे कि इजरायल-हमास युद्ध से प्रभावित कट्टरवाद कितना जिम्मेदार है? धमाकों के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया गया, तो उसे कहां से हासिल किया गया? विस्फोटक पदार्थ कहां से आए? हालांकि एक शख्स ने धमाकों की जिम्मेदारी ली है। डोमिनिक मॉर्टिन नाम के इस व्यक्ति ने केरल पुलिस को बताया है कि वह 16 साल से 'येहोवा विटनेस समुदाय' का सदस्य रहा है, लेकिन करीब 6 साल पहले उसे एहसास हुआ कि यह अच्छा संगठन नहीं है और इसकी शिक्षाएं 'देशद्रोही' हैं।

## कुछ अलग

# पहले करियर कालेज बनाओ

**हिमाचल** में फिर एक उड़ान शिक्षा की ओर भरते हुए यह तय हो रहा है कि कुछ कालेजों को सुदृढ़ करके, एक्सीलेंस का दर्जा दिया जाए। इस मांग की आपूर्ति के लिए कालेज अपनी-अपनी विकास योजना तीस नवंबर तक पेश करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में कमोबेश हर सरकार ने बुर्जियां ढूंढ लीं, लेकिन करियर की खोज संतुष्ट नहीं हुई। यह वजह है कि हिमाचल के पास सरकारी क्षेत्र में ही 133 डिग्री कालेज हो गए, जबकि मेडिकल संस्थानों व विश्वविद्यालयों को जोड़ लिया जाए, तो यह राज्य पड़ोस व देश के सामने उच्च स्तर की आदर्श स्थिति पैदा कर देता है। गौर यह करना होगा कि प्रदेश की मेरिट सूची भाग कहां रही है। क्यों आज भी मेरिट में आने वाला छात्र हिमाचल में नहीं पढऩा चाहता या क्यों शिक्षा एक खोज की तरह अभिभावकों को चिंतातुर कर रही है। युवाओं की सफलता में चमकते करियर क्यों शिक्षा के हिमाचली ढर्रे को अप्रासंगिक मान लेते हैं। युवा हास्य कलाकार बनकर अपने करियर को हंसाना चाहते हैं, तो संगीतमय भविष्य में अपना नाम कमाना चाहते हैं। क्या हमने कभी सोचा कि परफार्मिंग आट्र्स का भी एक स्वतंत्र संस्थान हो सकता है। क्या हमने कभी सोचा कि नए रोजगार का गैर सरकारी क्षेत्र किस तरह के संचार कौशल का इच्छुक है। आश्चर्य यह कि भाषायी ज्ञान के प्रति न हमारे स्कूल और न ही कालेज बेहतर साबित हो रहे। हिंदी या इंग्लिश में संचार कौशल का वातावरण ही नहीं बना, जबकि हिमाचल के आम बोलचाल के करीब खड़ी पंजाबी व उर्दू जैसी भाषाओं को ही अछूत बना दिया गया। साल भर में बंद कमरों के भीतर कवि सम्मेलनों का आयोजन करते कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग ने कभी सोचा ही नहीं कि छात्रों के भीतर सृजन की उमंग या भाषायी ज्ञान के लिए कुछ हट कर किया जाए। हिमाचल के कुल कालेजों में से मात्र दस ही अगर आट्र्स के बचे हैं, तो क्या इनमें से कोई आट्र्स का एक्सीलेंस कालेज बनेगा या केवल विज्ञान और कामर्स के महाविद्यालय ही उपयुक्त माने जाएंगे। आश्चर्य यह भी कि एक सौ तैंतीस कालेजों में से तैंतीस अगर स्नातकोत्तर हैं, तो फिर डिग्रियां बांटने और व्यक्तित्व विकास में अंतर कहां है। क्या शिमला, मंडी या धर्मशाला के विश्वविद्यालय महज औपचारिकता निभा रहे हैं या उच्च शिक्षा के उच्च मानदंड पैदा करने के लिए हर संस्थान स्नातकोत्तर नहीं हो सकता, बल्कि विश्वविद्यालयों के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र स्थापित करने होंगे। इस मामले में पंजाब विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों से सीखा जा सकता है। हिमाचल में शिक्षा के मापतोल में राजनीति हावी रही है और इसीलिए शिक्षा के केंद्र या यूं कहें कि शिक्षा के हब अपंग हो गए। शिमला, मंडी, सोलन, धर्मशाला और हमीरपुर काफी हद तक हिमाचल में शिक्षा की परंपराओं का उल्लेखनीय वर्णन करते रहे, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रश्न पर राजनीति बेशर्मी पर उतर आई। आज भी धर्मशाला के जदरांगल परिसर पर सियासी उदासीनता स्पष्ट है।

## अमानवीय अत्याचार एवं उन्मादी आतंकवाद के चलते विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी

# भारत में भी तैयार है गाजापट्टी जैसा उन्माद फटने को

**ललित गर्ग**

इस्लामी आतंकवाद खतरनाक है, मानवता पर कुठाराघात है। इस तरह के आतंक से दुनिया को डराना एवं भयभीत करना मुख्य लक्ष्य है। हमास के आतंकवादियों ने जब इजरायल के मासूम नागरिकों पर बेरहमी से हमला किया तो वो हथियारों के साथ-साथ कैमरों से भी लैस थे, अपनी वहशियाना हरकतों को कैमरे में कैद कर रहे थे। आज जब इसके सबूत सामने आए तो साफ हो गया कि इरादा सिर्फ मारकाट मचाना नहीं था, इरादा सिर्फ इजरायल को नुकसान पहुंचाने का भी नहीं था, इरादा तो ये था कि ये हैवानियत दुनिया को दिखाई जाए, दुनिया को इस्लाम एवं उसकी आतंकी सोच के सामने झूकने को विवश करना इरादा था, इरादा इजरायल के आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाना भी था।

**समूची** दुनिया मजहबी कट्टरता, अमानवीय अत्याचार एवं उन्मादी आतंकवाद के चलते विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। हमास के आतंकवादियों ने किस तरह की हैवानियत की थी, छोटे छोटे बच्चों एवं महिलाओं के साथ घर में घुसकर हिंसा, अनाचार किया, गोली मारी, जिंदा जला दिया। पकड़े गये सैनिकों को बारूद में लपेट कर जीवित जला देना, अपने ही हिमायती लोगों को अपने लिए मानव ढाल बनने के लिए मजबूर करना, उन्हें युद्ध क्षेत्र में रोकना, जिससे अधिक से अधिक लोगों की जान जा सके यह किसी युद्ध की स्थिति नहीं है, यह इस्लामी कट्टरवादी सोच है। यह सारी मानवता को चुनौती है, विश्वशांति को खतरा है, उसके लिए अस्तित्व रक्षा का प्रश्न है। अब सवाल ये है कि गाजा के आम लोगों का इसमें क्या कसूर? क्या हमास की दरिंदगी का बदला गाजा के आम लोगों के खून से चुकाया जाएगा? आखिर कब तक निर्दोष, मासूम एवं आमजन उन्माद एवं आतंक की भेंट चढ़ते रहेंगे? इस्लामी कट्टरता एवं उन्माद के काले दंश केवल गाजापट्टी में ही नहीं, भारत में भी कहर बरपाते रहे हैं, लम्बे समय से जम्मू-कश्मीर हो या, हाल ही में मणिपुर-मेवात में हुई हिंसा, उन्माद एवं वहशियाना हरकतें चिन्ता का सबब बनती रही है। इस्लामी आतंकवाद खतरनाक है, मानवता पर कुठाराघात है। इस तरह के आतंक से दुनिया को डराना एवं भयभीत करना मुख्य लक्ष्य है। हमास के आतंकवादियों ने जब इजरायल के मासूम नागरिकों पर बेरहमी से हमला किया तो वो हथियारों के साथ-साथ कैमरों से भी लैस थे, अपनी वहशियाना हरकतों को कैमरे में कैद कर रहे थे। आज जब इसके सबूत सामने आए तो साफ हो गया कि इरादा सिर्फ मारकाट मचाना नहीं था, इरादा सिर्फ इजरायल को नुकसान पहुंचाने का भी नहीं था, इरादा तो ये था कि ये हैवानियत दुनिया को दिखाई जाए, दुनिया को इस्लाम एवं उसकी आतंकी सोच के सामने झूकने को विवश करना इरादा था, इरादा इजरायल के आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाना भी था। इजरायल दुनिया को हमास के जुल्मों की तस्वीरें दिखाकर पूछ रहा है कि इस पर दुनिया के इस्लामिक देश खामोश क्यों हैं? जो आज इजरायल से जंग रोकने के लिए कह रहे हैं उन्होंने हमास की अमानवीय कार्रवाई की निंदा क्यों नहीं की? अगर कैमरों पर सबूत न होते तो कुछ लोग शायद ये कह देते कि इजरायल की फौज और मोसाद ने खुद ही अपने लोगों को मरवाया ताकि उन्हें



हमास पर हमला करने का बहाना मिल सके। लेकिन इस बात के पुख्ता सबूत हैं और दावे भी कि हमास के आतंकवादियों ने मासूम और बेकसूर लोगों के साथ वहशियाना तरीके से जुल्म किया, हत्या की और आज भी अगवा किए गए लोगों को इंसानी ढाल बनाकर अपने आप को बचाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन फिलिस्तीन का समर्थन एवं मानवाधिकार की बातें करने वाले इन हरकतों को नजरअंदाज करने में लगे हैं। दुनिया के कई मुल्कों में प्रदर्शन हुए हैं, लोग इजरायल पर दबाव बनाना चाहते हैं ताकि वो गाजा पर किए जा रहे हमलों को रोके। इजरायल के कड़े रुख को देखते हुए अब हमारे देश में भी फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। ये वे ही लोग एवं संगठन हैं जो भारत में होने वाली आतंकवादी घटनाओं, उन्मादी सोच एवं हिंसा एवं पाकिस्तानी हरकतों का समर्थन करने से बाज नहीं आते। हमास के दहशतगर्दों ने महिलाओं के कपड़े उतारकर उन पर जुल्म करके, उनकी नुमाइश करते वक्त कैमरों के सामने अल्लाहु अकबर के नारे लगाए। गौर करने की बात ये भी है कि सऊदी अरब और यूनिइटेड अरब अमीरत के मुल्कों में कोई विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर नहीं उतरा लेकिन हमारे देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जिनके बारे में कुछ लोग कह रहे हैं-बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। असदुद्दीन ओवैसी खुलकर इजरायल का विरोध कर रहे हैं। इजरायल का समर्थन करने के भारत सरकार के फैसले को गलत बता रहे हैं। पिछले दिनों मेवात में बरपी इस्लामिक कट्टरता में भी गाजापट्टी जैसे ही दृश्य देखने को मिले। जिहादियों ने हिन्दुओं पर हमला करने की पहले से पूरी तैयारी कर रखी थी। यहां तक कि उन्होंने मन्दिर में फंसे हिन्दू महिलाओं, बच्चों एवं निर्दोषों को निकालने के लिये गुरुग्राम से आने वाले पुलिसकर्मियों पर भी हमले किये। पुलिस थाने को भी जला दिया गया, ताकि पुलिसकर्मी रक्षा एवं बचाव कार्य न कर सके। उस समय मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया था। मेवात में अल्पसंख्यक हिन्दुओं का कब्रिस्तान बनाने का एक षडयंत्र एवं साजिश थी। मेवात के सभी सैकड़ों गांव हिन्दू-विहीन हो चुके हैं। मेवात के हालात आज के गाजा पट्टी जैसे ही बने हुए थे। भारत में ऐसे अनेक गाजापट्टी हैं, जहां इस्लामिक उन्माद चाहे जब फट सकता है। पूरे देश में इस्लामिक कट्टरता एवं जिहादी सोच के चलते मानवीय मूल्यों एवं साम्प्रदायिक सौहार्द का ह्रास हुआ है। हिंसा, आतंक, उन्माद पनपे हैं। इस्लामिक कट्टरता एवं उन्माद से जुड़ी समस्याओं ने नये सन्दर्भों में पंख फैलाये हैं। मानवीय संबंधों के बीच एकता, अखण्डता, सहयोगिता, सह-अस्तित्व, प्रेम, आपसी सौहार्द, करुणा, अहिंसा एवं उदारता की पहचान घटी है। कहना गलत न होगा कि हमास द्वारा इजरायल के निर्दोषों का नरसंहार भारत के कथित धर्मनिरपेक्ष तत्वों को दिखाई नहीं दिया, वे तथा सत्ता विरोधी गठबंधन से जुड़े दल मुस्लिम वोटों की संकीर्ण राजनीति के चलते आतंकियों के विरुद्ध एक भी शब्द बोलने की हिम्मत नहीं जुटा सके, आतंक के विरोध में बोलना उनकी मुस्लिम तुष्टिकरण नीति के खिलाफ जो ठहरा। विश्व भर में मानवाधिकारों की बात करने वाले भी आतंकी हमलों का विरोध न करके चुप्पी साथ गए। यही नहीं, आतंकियों के समर्थन में भारत भर में सत्ता के विरोध का वातावरण बनाया गया। अब मानवीय दृष्टिकोण से जब गाजा के सामान्य निर्दोष नागरिकों के लिए भारत ने राहत सामग्री भेजी है, तब हमास के समर्थन में जुलूस निकालने और तकरीर करने वाले तत्वों ने भारतीय सत्ता की तनिक भी सराहना नहीं की। भारत ने विश्वस्तर पर पीड़ित मानवता की सहायता करने में कभी कसर बाकी नहीं छोड़ी, फिर भी खास धर्म के अनुयायियों द्वारा भारत का विरोध करना यही सिद्ध करता है कि भले ही सबका साथ सबका विकास की नीति का अनुपालन करते हुए सत्ता भेदभाव न करती हो, फिर भी कुछ तत्व ऐसे हैं जिनके लिए धर्म के नाम पर आतंकियों का समर्थन सर्वोपरि है, राष्ट्र दोयम दर्जे पर ही है। यह चिंताजनक स्थिति है, जिस पर गंभीरता से चिंतन किया जाना नितांत आवश्यक है।

# पाखंड का पर्यावरण

दिल्ली सम्मेलन 'एक पृथ्वी, एक कुटुम्ब, एक भविष्य' की थीम पर हुआ था। पृथ्वी के प्रति चेतना जगाने के लिए ऐसे नारे पहली बार नहीं गढ़े गए थे। एक पृथ्वी की बात लें। 5 जून 1974 के पहले एवं 5 जून 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भी 'केवल एक ही पृथ्वी है' (ओनली वन अर्थ) थी। एक भविष्य की बात करें तो नार्वे के पूर्व प्रधानमंत्री ग्रो हर्लेम ब्रंटलैंड आयोग की वैश्विक पर्यावरण पर रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यावरण और विकास आयोग द्वारा 1987 में 'हमारा साझा भविष्य' (अवर कॉमन फ्यूचर) नाम से प्रकाशित की गई थी। यह आयोग 1983 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा गठित किया गया था। जहां तक कुटुम्ब का भाव है, प्रकृति-जनित नैसर्गिक परिवेश में हम सब पृथ्वी में सहोदर हैं, परन्तु सारे आदर्श नारों के उद्घोषों के बावजूद पृथ्वी के हालात बिगड़ते ही रहे हैं, पृथ्वी ज्वरग्रस्त होती गई है। यथार्थ अब पृथ्वी के गरम होने का नहीं, बल्कि उबलती पृथ्वी का है, किन्तु अपनी समृद्धि के लिये उसका ताप बढ़ाने से न तो देशों को परहेज है, न उद्योगों व व्यावसायिक संस्थानों को।

**उबलती** पृथ्वी का ताप कम करने के लिए जागृत न हो सके जी-20 के दिल्ली सम्मेलन में इस मसले पर अपेक्षित संवेदना नहीं दिखी। 'क्लाइमेट कॉन्फ्रेंस ऑफ दि पार्टीज' यानी संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) के 28वें सालाना जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के पहले यह जरूरी था। यह सम्मेलन (कौप-28, 30 नवंबर से 12 दिसंबर 2023 तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एक्सपो सिटी, दुबई में आयोजित किया जाएगा। दिल्ली सम्मेलन 'एक पृथ्वी, एक कुटुम्ब, एक भविष्य' की थीम पर हुआ था। पृथ्वी के प्रति चेतना जगाने के लिए ऐसे नारे पहली बार नहीं गढ़े गए थे। एक पृथ्वी की बात लें। 5 जून 1974 के पहले एवं 5 जून 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भी 'केवल एक ही पृथ्वी है' (ओनली वन अर्थ) थी। एक भविष्य की बात करें तो नार्वे के पूर्व प्रधानमंत्री ग्रो हर्लेम ब्रंटलैंड आयोग की वैश्विक पर्यावरण पर रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यावरण और विकास आयोग द्वारा 1987 में 'हमारा साझा भविष्य' (अवर कॉमन फ्यूचर) नाम से प्रकाशित की गई थी। यह आयोग 1983 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा गठित किया गया था। जहां तक कुटुम्ब का भाव है, प्रकृति-जनित नैसर्गिक परिवेश में हम सब पृथ्वी में सहोदर हैं, परन्तु सारे आदर्श नारों के उद्घोषों के बावजूद पृथ्वी के हालात बिगड़ते ही रहे हैं, पृथ्वी ज्वरग्रस्त होती गई है। यथार्थ अब पृथ्वी के गरम होने का नहीं, बल्कि उबलती पृथ्वी का है, किन्तु अपनी समृद्धि के लिये उसका ताप बढ़ाने से न तो देशों को परहेज है, न उद्योगों व व्यावसायिक संस्थानों को। पृथ्वी 2020 से हर साल, पिछले साल से ज्यादा गर्म हो रही है। 2023 के लिये भी यही प्रवृत्ति जारी है। बिगड़ते हालात की प्रतिक्रिया में 2021 के पृथ्वी दिवस की थीम 'रिस्टोर अवर अर्थ' अर्थात 'अपनी पृथ्वी को पुनस्र्थापित करें' रखना पड़ा। इसी क्रम में 5 जून 2021 के पर्यावरण दिवस से यूएनओ ईकोसिस्टम रिस्टोरेशन का 2021 से 2030 तक का दशक भी मना रहा है। इन परिप्रेक्ष्यों में जब धनी व बड़ी आर्थिकी वाले देशों का दिल्ली में मिलना हुआ तो वैश्विक वंचितों में आर्थिक व पर्यावरणीय न्याय पाने की आशा तो जगनी ही थी। कारण यह भी था कि जी-20 की मूल उत्पत्ति व परिकल्पना धनी देशों के विश्व व्यापार मंच (डब्ल्यूटीओ) की ही थी। कटु यथार्थ यह भी है कि जी-20 देशों द्वारा गर्म करती गैसों के उत्सर्जन व उनके कारण खेमों में बंटी दुनिया भी पूरे विश्व का ही जोखिम बढ़ा रही है। पिछले अनुभव बताते हैं कि जलवायु पर विभाजित विश्व में एक परिवार का उद्देश्य पाना मुश्किलों भरा है। शर्म-अल-शेख में आयोजित 'कौप-27' सम्मेलन में खेमों में बंटे देशों के व्यवहार में कटुता देख यूएनओ महासचिव एंटोनियो गुटेरस को तो यहां तक कहना पड़ा कि उत्तर और दक्षिण तथा विकसित व विकासशील आर्थिकियों के लिये एक-दूसरे पर आरोप लगाने का यह उपयुक्त समय नहीं है। ऐसे में विनाश निश्चित है। उनका कहना था कि हम उन देशों को पर्यावरण न्याय से वंचित नहीं कर सकते जिनकी जलवायु आपदा लाने में कोई भूमिका नहीं रही है। उनका आशय सबसे कम विकसित और द्वीपीय देशों से था जिनकी जलवायु आपदा फैलाने में सबसे कम भूमिका है, किन्तु जो जलवायु आपदा की मार सबसे ज्यादा झेलते हैं। अंततः इतिहास में कौप-27 ऐसा पहला सम्मेलन बन गया जिसमें भारी दबावों के बीच धनी देशों ने आर्थिक व सामाजिक संरचनाओं को होने वाले नुकसानों की भरपाई के लिये कार्बन प्रदूषण से पीड़ित गरीब देशों की एक मुआवजा-कोष की मांग मान ली। कौप-27 में जलवायु जोखिम से असुरक्षित (वलनरेबल) देशों ने तो कोष स्वीकृति पर दबाव बनाने के लिये यह धमकी भी दे डाली कि जब तक इस पर निर्णय नहीं होगा वे वापस नहीं जायेंगे। जून 2022 में निकली 55 वलनरेबल देशों की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि पिछले दो दशकों में जलवायु आपदाओं से इन देशों में लगभग 525 अरब डालर की हानि हुई है। यह उनके सम्मलित जीडीपी का लगभग 20 प्रतिशत है। दिल्ली सम्मेलन में भी पहुंचे यूएनओ महासचिव एंटोनियो गुटेरस पहले दिन ही, नौ सितम्बर 2023 को क्लाइमेट व इनवायरमेंट के सत्र में चेता गये थे कि इस जलवायु आपदा काल पर तुरंत काम किया जाना चाहिये। जो कुछ जैसा चल रहा है, उसको हम वैसा जारी नहीं रख सकते। यहां से कड़ा संदेश जाना चाहिये। हर हाल में धरा की तापमान बढ़ोतरी को रोकने का लक्ष्य जिंदा रखना चाहिये, किन्तु असल में ऐसा कुछ नहीं हुआ। पूरे विश्व की नजर जी-20 के दिल्ली सम्मेलन पर इस आशा से भी लगी थी कि संभवतः सूत्र वाक्य का सम्मान करते हुये ये देश उबलती पृथ्वी के बढ़ते तापक्रम को डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने में आत्मसंयम से अपने कार्बन उत्सर्जनों में कटौती की घोषणा करेंगे। विश्व का पिचासी प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन जी-20 के सदस्य देशों का है व अनुमान है कि 2050 तक गरम करती गैसों का नब्बे प्रतिशत वैश्विक उत्सर्जन इन्हीं देशों से आयेगा। द्वीपीय देशों के अस्तित्व को जलवायु बदलावों से बहुत ज्यादा खतरा है। उनके जोखिमों को हर हाल में कम करने की इच्छाशक्ति तो होनी ही चाहिये। हालांकि जिस अफ्रीकी संघ को दिल्ली में पहली बार जी-20 देशों के समूह में शामिल किया गया उसके वर्तमान अध्यक्ष अजाली असौमानी भी हिन्द महासागर के आखिरी छोर पर बसे एक बहुत छोटे द्वीप देश कोमोरोस के राष्ट्रपति हैं। वे स्वयं दिल्ली सम्मेलन में उपस्थित थे। गत वर्ष जारी यूएनओ की 'यूनाइटेड ऐमीशन गैप रिपोर्ट' से भी यह साफ हो चुका था कि वर्तमान में यदि विभिन्न देशों की स्वघोषित उत्सर्जन कटौती की सारी शपथों को जोड़ दिया जाये तो कुल उत्सर्जन कटौती दो से तीन अरब टन की ही आती है, जबकि पेरिस जलवायु समझौते 2015 के अनुसार 23 अरब टन कार्बन डाईआक्साईड की कटौती जरूरी है।

## देश दुनीया से

# महिलाओं की बराबरी की बात हो

**नवरात्रे** खत्म हुए, मां के नौ स्वरूपों की आराधना के बाद फिर उस मुद्दे पर बात करते हैं जो महिलाओं के सम्मान से जुड़ा हुआ है। अभी हाल में ही अमेरिका की हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर क्लौडिया गोल्डिन को महिलाओं को लेकर मार्किट में भागीदारी विषय पर शोध करने पर अर्थशास्त्र में 2023 का नोबेल पुरस्कार दिया गया। अमेरिका जैसी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में भी कभी विकासशील व अविकसित देशों की तरह महिला व पुरुष के वेतन में असमानता या उन्हें काम कम करने देना जैसे कई मुद्दे उनकी संस्कृति का हिस्सा थे। उनके शोध के मुताबिक अर्थव्यवस्था में तेजी आने के बावजूद महिलाओं की अर्थव्यवस्था में भागीदारी की रफ्तार बहुत धीमी थी। जबकि औद्योगिकीकरण से पहले महिलाएं कृषि और छोटे व लघु उद्योगों में अच्छी संख्या में काम करती थीं। यही स्थिति हमारे देश की भी है। क्योंकि 90 के दशक से पहले अर्थव्यवस्था के उदारीकरण व वैश्वीकरण से पहले महिलाएं घर में रहकर छोटे-छोटे उद्योगों व कृषि में बराबर की भागीदार थीं। लेकिन औद्योगिकीकरण के बाद गांव एवं छोटे कस्बों में महिलाओं की अर्थव्यवस्था में भागीदारी बहुत कम हो गई। कमोबेश यह स्थिति पूरे विश्व की भी यही थी। लेकिन 20वीं सदी में सर्विस सेक्टर की ग्रोथ के साथ महिलाओं की भागीदारी में इजाफा हुआ। गौर करने वाली बात यह थी कि अगर 20 प्रतिशत महिलाएं काम करती थीं, उनमें सिर्फ 5 प्रतिशत ही विवाहित थीं। 1960 के दशक के बाद गर्भनिरोधक गोलियों के मार्किट में आने से महिलाओं द्वारा अपनी शिक्षा व रोजगार की अच्छी ग्रोथ के साथ सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर विकसित देशों में प्रयोग किया जाने लगा, जिसके कारण उनकी संख्या अर्थशास्त्र, कानून व शिक्षा के क्षेत्र में बढने लगी। हालांकि विकसित देशों को जन्म दर कम होने का खामियाजा कई वर्षों तक भुगतना भी पड़ा। अगर इसी शोध को भारत जैसे विकासशील व अविकसित देशों के संदर्भ में चर्चा करें तो शिक्षित शहरी महिलाओं को छोडक़र गांव व छोटे कस्बों में उनकी शादी व बच्चा पैदा करने संबंधित निर्णयों पर तो कोई पूछता भी नहीं। उनका अस्तित्व परिवार व परिवार का वंश चलाने तक ही सीमित है। जबकि एक अन्य पहलू अर्थशास्त्री गोल्डिन द्वारा असमान वेतन को भी 1988 में आई उनकी किताब 'इफ वूमेन काउंटिड' पर भी चर्चा की गई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका जैसे विकसित देश में भी उस समय हो रही पुरुष व महिलाओं के वेतन में असमानता की बात कही है। उनके अनुसार जितना महिला घर में काम करती है, वह भी जीडीपी में शामिल होना चाहिए। पशुओं का दूध भी जीडीपी में संकलित किया जाता है, लेकिन महिलाओं को नहीं। वे 70 प्रतिशत बिना वेतन के काम करती हैं। हालांकि समय के साथ विकसित देशों में तो काफी सुधार हो चुका है, परंतु भारत जैसे मुल्क में पूजन के लिए तो देवी चाहिए, लेकिन उनकी चुनौतियों व अधिकारों पर कोई व्यावहारिक चर्चा नहीं करता। अगर देश में महिलाओं को सिर्फ शादी करने व वंश चलाने तक ही सम्मान मिलेगा, तो यह असमानता विकासशील देशों को कभी विकसित नहीं बनने देगी। sसमाज की बनाई इन चुनौतियों से महिलाएं कानून से ज्यादा समाज के सहयोग से ही लड़ सकती हैं। यहां लड़ाई बराबरी की है जो पुरुष को स्वयं समझते हुए उनका सहयोग करना चाहिए। अगर कोविड के समय प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके कार्य चलते रहे तो कैसे महिला की शादी व बच्चा पैदा करने से वो रुक सकते हैं? बस नजरिया बदलने की जरूरत है। भारत में महिलाओं की समस्याओं पर अगर विचार करें तो उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अमेरिका जैसी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में भी कभी विकासशील व अविकसित देशों की तरह महिला व पुरुष के वेतन में असमानता या उन्हें काम कम करने देना जैसे कई मुद्दे उनकी संस्कृति का हिस्सा थे। उनके शोध के मुताबिक अर्थव्यवस्था में तेजी आने के बावजूद महिलाओं की अर्थव्यवस्था में भागीदारी की रफ्तार बहुत धीमी थी। जबकि औद्योगिकीकरण से पहले महिलाएं कृषि और छोटे व लघु उद्योगों में अच्छी संख्या में काम करती थीं। यही स्थिति हमारे देश की भी है। क्योंकि 90 के दशक से पहले अर्थव्यवस्था के उदारीकरण व वैश्वीकरण से पहले महिलाएं घर में रहकर छोटे-छोटे उद्योगों व कृषि में बराबर की भागीदार थीं। लेकिन औद्योगिकीकरण के बाद गांव एवं छोटे कस्बों में महिलाओं की अर्थव्यवस्था में भागीदारी बहुत कम हो गई।

## दृष्टिकोण

# गारंटी की राजनीति भी है रणनीति का हिस्सा, कोई नहीं अपवाद

**राजस्थान** और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों में महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए कांग्रेस क्या सोची-समझी रणनीति के तहत प्रियंका गांधी को आगे कर रही है? महिलाओं- बच्चों से जुड़ी घोषणाओं को प्रियंका गांधी के जरिये गारंटी के रूप में सामने लाया जा रहा है, ताकि महिलाओं को पूरी तरह भरोसे में लिया जा सके। राजस्थान में झुंझुनूं की रैली में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रियंका गांधी को गारंटी कार्ड के रूप में सामने रखा। घर की मुखिया महिला को दस हजार रुपये हर साल दिए जाएंगे और एक करोड़ परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। इससे सरकार पर साढ़े दस हजार करोड़ का अतिरिक्त खर्च बढ़ेगा। राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर है और जानकारों के मुताबिक, सत्ता की चाभी महिला व युवा वर्ग के पास है। राज्य में 2.73 करोड़ पुरुष वोटरों के मुकाबले 2.53 करोड़ महिला वोटर हैं, पर वोट डालने में महिलाएं बाजी मार ले जाती हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 74.72 फीसदी वोट पड़े थे। उनमें पुरुष वोटों का प्रतिशत 73.49 था, जबकि 74.67 फीसदी महिलाओं ने वोट दिया था। तब कांग्रेस और भाजपा के बीच 0.54 प्रतिशत का ही अंतर था, यानी कांग्रेस को भाजपा से सिर्फ 1.79 लाख वोट ज्यादा मिले थे। इस आंकड़े के मद्देनजर महिला वोटरों की अहमियत समझ में आती है। पिछले तीस साल में महिलाओं की वोट देने में भागेदारी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 1993 में करीब 60 फीसदी मतदान हुआ था और तब 68 प्रतिशत पुरुषों, जबकि केवल 52 फीसदी महिलाओं ने वोट दिया था। पर अब कहानी बदल गई है। यही वजह है कि दोनों दलों को महिला वोटर याद आ रहे हैं और महिला नेता भी। प्रियंका गांधी ने इससे पहले मध्य प्रदेश में हर महिला को 1,500 रुपये मासिक देने की गारंटी दी थी। आठवीं तक के बच्चों को पांच सौ रुपये, नवीं-दसवीं के बच्चों को एक हजार और ग्यारहवीं-बारहवीं के बच्चों को 1,500 रुपये महीना देने की 'पढ़ो-पढ़ाओ योजना' की गारंटी भी उन्होंने दी थी। इससे पहले हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में भी प्रियंका गांधी से ही गारंटियां दिलाई गई थीं। गारंटी देने में भी सियासत हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस की गारंटी को चुनावी जुमला बताते हुए कह रहे हैं कि कांग्रेस सिर्फ चुनाव जीतने के लिए गारंटी दे रही है, चुनाव जीतने पर वह भूल जाएगी। दूसरी तरफ, भाजपा की गारंटी को वह मोदी की गारंटी से जोड़ रहे हैं, और कह रहे हैं कि यह मोदी की गारंटी है, जो पूरी की जाएगी। यह अपने आप में रोचक राजनीति है। एक कह रहा है, हमारी गारंटी पर यकीन करो, तो दूसरा कह रहा है कि हमारी गारंटी पर यकीन करो, क्योंकि हम गारंटी पूरी कर चुके हैं। उधर गारंटी का खेल शुरू करने वाले केजरीवाल भी आम आदमी पार्टी की गारंटी को केजरीवाल की गारंटी बता रहे हैं। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने गृहलक्ष्मी योजना के तहत 1,500 रुपये महीना देने की गारंटी दी, तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना की घोषणा कर पहले महीने 1,000 और दूसरे महीने 1,250 रुपये देना शुरू भी कर दिया। अशोक गहलोत ने बीपीएल परिवारों को 500 रुपये में सिलेंडर देना शुरू किया, तो शिवराज चौहान ने 450 रुपये में सिलेंडर देने की घोषणा कर दी। जबकि तेलंगाना में केसीआर ने 400 रुपये में गैस सिलेंडर देने की गारंटी दी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश, दोनों जगह कांग्रेस के पास कोई बड़ी महिला नेता नहीं है। पर जब चुनाव ही महिला वोटरों के आसपास लड़ा जा रहा हो, तो जरूरी हो जाता है कि महिला नेता ही बहनों को गारंटी दे। शौचालय, जन-धन खाते, उज्ज्वला योजना आदि के जरिये प्रधानमंत्री मोदी ने महिला वोटरों के बीच अपनी पैठ बनाई है।

# 17 लाख अफगानियों से क्यों घबराया पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के बावजूद वापस भेजने पर अड़ा

**इस्लामाबाद ।**

पाकिस्तान एक नवंबर से देश में रह रहे अवैध अफगानी लोगों को निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू कर देगा। संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को ऐसा नहीं करने की चेतावनी भी दी लेकिन पाकिस्तान ने चेतावनी को खारिज कर दिया है और कहा है कि अफगानी नागरिकों का निर्वासन अंतरराष्ट्रीय नियमों और सिद्धांतों के अनुरूप ही किया जा रहा है।

**पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र की बात मानने से किया इनकार** – पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जाहरा बलोच ने दोहराया कि पाकिस्तान सरकार सभी अवैध शरणार्थियों को निर्वासित करेगी फिर चाहे वो किसी भी देश या राष्ट्रीयता के हो। यह फैसला पाकिस्तान की संप्रभुता के लिए है। बता दें कि पाकिस्तान सरकार ने अवैध शरणार्थियों को स्वैच्छिक रूप से चले जाने की समय सीमा तय की थी, जो 31 अक्तूबर को खत्म हो रही है। अब एक नवंबर से जबरन अवैध शरणार्थियों को निकालने की कवायद शुरू हो जाएगी। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएनएचसीआर ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान ने अगर दस लाख से ज्यादा अवैध अफगानियों को निर्वासित किया तो इससे मानवीय आपदा आ सकती है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था ने पाकिस्तान से अवैध शरणार्थियों का निर्वासन रोकने की अपील की थी।

यूएनएचसीआर की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने शुक्रवार को कहा कि हम इस बात को लेकर बेहद चिंतित हैं कि जो लोग निर्वासित किए जाएंगे उन्हें शोषण, गिरफ्तारी और हिरासत और भेदभाव का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही उनके लिए आधारभूत आर्थिक और सामाजिक जरूरतों की भी कमी होगी। इससे गंभीर मानव अधिकारों का संकट पैदा हो सकता है। यूएनएचसीआर के मुताबिक पाकिस्तान में अभी 37 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थी रहते हैं। इनमें से 7 लाख साल 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता संभालने के बाद पाकिस्तान पहुंचे हैं। यूएनएचसीआर के मुताबिक पाकिस्तान में करीब 17 लाख अवैध अफगानी शरणार्थी हो सकते हैं। यूएनएचसीआर की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा अवैध शरणार्थियों को वापस भेजने के एलान के बाद से करीब 60 हजार अफगानी पहले ही अफगानिस्तान लौट चुके हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### इजराइली सेना ने हमास के शीर्ष आतंकवादी के घर पर बोला धावा, वेस्ट बैंक स्थित आवास को किया ध्वस्त

**तेल अवीव ।** हमास-इजराइल का भीषण युद्ध जारी है। गाजा पट्टी स्थित हमास आतंकी समूह ने सात अक्तूबर को इजराइल पर पांच हजार रॉकेज दागे। जिसके बाद से ही दोनों के बीच भीषण युद्ध शुरु हो गया। हमास आतंकी ने इजराइल के शहरों में घुसकर लोगों को बंधक बना दिया था। हमास के अस्तित्व को खत्म करने की मंशा ने इजराइल ने ताबड़तोड़ हमले किए। लगातार आतंकी समूह के ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। आईडीएफ द्वारा वेस्ट बैंक स्थित हमास के शीर्ष आतंकवादी के घर को ध्वस्त कर दिया है। की रिपोर्ट के मुताबिक, हमास के अधिकारी सालेह अल अरौरी के स्वामित्व वाले घर को आईडीएफ ने ध्वस्त कर दिया है। जो रामल्लाह के पास अरुरा शहर में था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि 27 अक्तूबर को ही मेजर जनरल येहुदा फॉक्स ने तबाह करने का आदेश दे दिया था। सैन्य प्रवक्ता ने कहा, आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने लेबनान में आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह से संबंधित बुनियादी ढांचे पर हमला किया। आतंकवादी संगठन द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियारों को तबाह कर दिया गया। उन्होंने कहा, आईडीएफ ने मंगलवार को एक संदिग्ध को मार गिराया। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि गिलाद एर्दान ने हमास को आधुनिक नाजी करार दिया। हमास सिर्फ यहूदियों के विशान में रुचि रखता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक में कहा, हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं को व्यवस्थित तरीके से नष्ट किया जा रहा है।

### अमेरिका बनाने जा रहा है बेहद खतरनाक परमाणु बम, हिरोशिमा पर गिराए बम से 24 गुना ज्यादा ताकतवर होगा

**वॉशिंगटन ।** अमेरिका ने एक नया परमाणु बम बनाने की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, नया बम जापान के हिरोशिमा पर गिराए गए बम से 24 गुना ज्यादा ताकतवर होगा। अमेरिका के रक्षा विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पेंटागन ने नए बम की मंजूरी और फंडिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नया बम बी61 न्यूक्लियर ग्रैविटी बम का आधुनिक संस्करण होगा, जिसे बी61-13 नाम दिया गया है। अमेरिका की अंतरिक्ष रक्षा नीति के उपसचिव जॉन प्लम्ब ने बयान में कहा है कि बदलते सुरक्षा माहौल और विरोधियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए घोषणा की गई है। अमेरिका के पास जिम्मेदारी है कि हम हालात की समीक्षा करते रहें और संभावित खतरे को रोकें और अगर जरूरत पड़े तो जवाबी कार्रवाई में हमला कर अपने सहयोगियों को आश्वस्त करें। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, नए परमाणु बम का वजन 360 किलोटन होगा, जो कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से 24 गुना बड़ा होगा। हिरोशिमा में जो बम गिराया गया था उसका वजन 15 किलो टन था। वहीं जापान के नागासाकी में गिराए गए बम से नया बम 14 गुना बड़ा होगा। नागासाकी में गिराया गया बम 25 किलोटन का था। साथ ही नए बम में आधुनिक सुरक्षा, सटीकता भी बेहतर होगी। अमेरिका का नया परमाणु बम बनाने का यह एलान ऐसे वक्त आया है, जब हाल ही में अमेरिका ने नेवादा की न्यूक्लियर साइट पर एक बड़े बम विस्फोट का परीक्षण किया है। वहीं रूस भी 1966 की उस संधि से बाहर आ गया है, जिसके तहत दुनियाभर में परमाणु बम के परीक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। बताया जा रहा है कि नया बम पुराने बी61-7 बम की जगह लेगा, जिसके चलते अमेरिका के परमाणु हथियारों की संख्या में वृद्धि नहीं होगी ।

### ब्रिटेन में भारतीय मूल के व्यक्ति पर हत्या का आरोप, महिला की चाकू से हमला कर ली थी जान

**लंदन ।** भारतीय मूल के एक 23 वर्षीय व्यक्ति पर एक भारतीय महिला की हत्या का आरोप लगाया गया है, जो दक्षिण लंदन के क्रॉयडन में एक घर में चाकू से घायल अवस्था में पाई गई थी। आरोपी का नाम शैल शर्मा बताया जा रहा है। रविवार शाम को पुलिस और पैरामेडिक्स को घर पर बुलाए जाने के बाद महक शर्मा को मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद से ही शैल शर्मा हिरासत में हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि पीड़िता के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और विशेष पोस्टमार्टम होगा। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, माना जा रहा है कि महक हाल ही में भारत से यूके आई है। हत्या के संदिग्ध के साथ मृतका का संबंध अज्ञात है।

# एक साल से हमले की तैयारी कर रहा था हमास, पता होने के बाद भी चूक गई इजराइली खुफिया एजेंसी

**वॉशिंगटन ।**

इजराइल पर हुए हमास के बर्बर हमले को करीब एक महीना होने जा रहा है लेकिन अभी तक भी लोग ये यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि इजराइल की सुरक्षा में इतनी बड़ी सेंध लग गई। खासकर तब जब इजराइल के पास मोसाद जैसी दुनिया की सबसे बेहतरीन खुफिया एजेंसी है, लेकिन बीते एक साल की लापरवाही इजराइल को भारी पड़ी। जी हां, इजराइल पर हुआ हमला खुफिया एजेंसियों की एक दिन या एक हफ्ते की लापरवाही का नतीजा नहीं था बल्कि बीते करीब एक साल से इजराइली सुरक्षा बल खतरे के प्रति बेखबर बने रहे।

### साल भर से इजराइली खुफिया एजेंसियां कर रहीं थी लापरवाही

एक रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की सिग्नल खुफिया एजेंसी ने हमास के रेडियो सिग्नल सुनने बंद कर दिए थे क्योंकि उन्हें लगा था कि इन्हें सुनना वक्त की बर्बादी है। अगर इजराइली खुफिया एजेंसी ने इन सिग्नलों को ट्रैक किया होता तो हमास के इरादों का उसे पहले ही पता चल गया होता। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की आंतरिक खुफिया एजेंसी शिन बेत के प्रमुख रोनेन बार को इजराइल पर हमले की आशंका थी लेकिन उनका मानना था कि यह एक छोटा हमला हो सकता है। रोनेन बार ने इसकी चर्चा सेना के शीर्ष जनरलों से की थी और आतंकरोधी बल को सीमा पर भेजने का फैसला भी किया गया था। हालांकि तब तक काफी देर हो गई और 7 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल पर हमला कर दिया।

### ये चूक पड़ीं इजराइल को भारी

इजराइल की सरकार ने सुरक्षा में हुई इस चूक की पूरी जांच करने का वादा किया है लेकिन शुरुआती जांच में जो पता चला है, उसमें सेना, राजनीतिक नेतृत्व और खुफिया एजेंसियों की गंभीर लापरवाही सामने आयी है।

रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सेना के अधिकारी कई महीनों से पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को आगाह कर रहे थे कि देश में राजनीतिक उथल-पुथल का देश के दुश्मन फायदा उठा सकते हैं। साथ ही इस राजनीतिक उथल-पुथल से देश की सुरक्षा भी कमजोर हो रही है लेकिन नेतन्याहू ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

इजराइली सेना के अधिकारियों ने खतरे का गलत अनुमान लगाया। दरअसल इजराइली सेना का मानना था कि हमास, इजराइल पर हमला करने में सक्षम नहीं है और इजराइल को हिजबुल्ला और ईरान से ज्यादा खतरा था। यही वजह रही कि इजराइली खुफिया एजेंसियों और सेना का फोकस हिजबुल्ला और ईरान पर रहा और इस बीच हमास ने हमला कर उन्हें चौंका दिया।

### सेना के शीर्ष जनरलों से नहीं मिले पीएम नेतन्याहू

24 जुलाई को सेना के दो शीर्ष जनरल पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से मिलने इजराइल की संसद गए थे। इन सैन्य जनरलों ने इजराइल के सांसदों को संभावित खतरे की चेतावनी दी लेकिन इस्राइस के सांसदों ने सैन्य जनरलों की इस चेतावनी में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। साथ ही इजराइल के एक शीर्ष सैन्य जनरल पीएम नेतन्याहू से मिलकर उन्हें खतरे के बारे में आगाह करने वाले थे लेकिन पीएम नेतन्याहू ने जनरल से मिलने से ही इनकार कर दिया। इसके बाद सैन्य जनरल ने सार्वजनिक तौर पर देश की सुरक्षा के लिए बढ़ रहे खतरे के प्रति लोगों को आगाह किया लेकिन सरकार की तरफ से जनरल के बयान की आलोचना की और कहा कि इससे लोगों में घबराहट फैलेगी।

### ऐसे इजराइली सुरक्षा को हमास के लड़ाकों ने दिया चकमा

हमास के आतंकियों द्वारा की जा रहीं सैन्य गतिविधि की भी इजराइली सेना को जानकारी थी लेकिन उन्होंने इसे सिर्फ हमास का युद्धाभ्यास माना। साथ ही इजराइली सेना को अपने अहंकार की भी कीमत चुकानी पड़ी क्योंकि इजराइली सेना ने गाजा सीमा पर 40 मील लंबी फेंसिंग की हुई थी और इस फेंसिंग पर अत्याधुनिक कैमरों और सेंसर्स से नजर रखी जाती थी। कहीं ना कहीं इजराइली सेना को विश्वास था कि हमास इस तरह से हमला करने की गलती नहीं करेगा लेकिन हमास ने इजराइल के इस विश्वास को चकनाचूर करते हुए ड्रोन से इन फेंसिंग पर हमला किया और कैमरों और सेंसर्स को तबाह कर दिया। इसके बाद हमास के आतंकी आराम से इस फेंसिंग को तोड़कर गाड़ियों और मोटरसाइकिलों से इजराइल की सीमा में प्रवेश कर गए।

हमास के आतंकियों ने हिजबुल्ला की तर्ज पर छोटी-छोटी टुकड़ियों में इजराइल पर हमला किया। साथ ही उन्हें इजराइल के इलाकों और गाजा सीमा पर मौजूद छोटे-छोटे गांवों की पूरी जानकारी थी। इन टुकड़ियों को तय टारगेट दिए गए थे, यही वजह रही कि इजराइल को भी इस हमले की गंभीरता का अंदाजा नहीं हुआ।

# युद्धविराम के लिए इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने जताई असहमति, कहा- यह आत्मसमर्पण जैसा होगा

**यरुशलेम ।**

इजराइल हमास युद्ध के बीच पिछले कई दिनों से युद्ध जारी है, जिसमें अब तक नौ हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री ने युद्धविराम को लेकर देश की स्थिति स्पष्ट की है। प्रधानमंत्री का कहना है कि वे अमेरिका के 9/11 हमले की तरह युद्धविराम के लिए सहमत नहीं होंगे क्योंकि यह आत्मसमर्पण की तरह है।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं युद्धविराम को लेकर इजराइल की स्थिति साफ करना चाहता हूं। इजराइल सात अक्तूबर को शुरू हुए युद्ध के लिए युद्धविराम की घोषणा नहीं कर सकता। युद्धविराम का आह्वान करना इजराइल के लिए हमास के सामने आत्मसमर्पण जैसा है। आतंक के सामने आत्मसमर्पण जैसा है। बर्बरता के सामने आत्मसमर्पण जैसा है। बाइबिल में कहा गया है कि यह शांति का समय भी है और युद्ध का समय भी है।

### नेतन्याहू- आतंकियों का लक्ष्य तय है

नेतन्याहू ने आगे कहा कि अब यह समय है कि लोगों को तय करना होगा कि वह भविष्य के लिए लड़ने को तैयार हैं या अत्याचार और आतंक के सामने आत्मसमर्पण करना चाहते हैं। हमास ने सात अक्तूबर को जो किया, वह हमें याद दिलाती है कि हम बेहतर भविष्य को बचा नहीं पाएंगे, जब तक बर्बर लोगों से लड़ें न। बर्बर लोगों का लक्ष्य साफ है कि वह हमारे भविष्य को मिटा दें। हमारे सपनों को चकनाचूर कर दें। उन्होंने कहा कि इजराइल ने युद्ध शुरू नहीं किया। हम युद्ध नहीं चाहते हैं। लेकिन हम यह युद्ध जीतेंगे।

### हमास के आतंकियों ने कहर बरपाया

इजराइली पीएम ने कहा कि हमास की फंडिग के पीछे ईरान की अहम भूमिका है। हमास ने छोटे-छोटे बच्चों को मां से छीन लिया। हमास के आतंकियों ने लोगों को जिंदा जला दिया। महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। आदमियों का सिर काट दिया। यहूदियों का नरसंहार किया। बच्चों का अपहरण किया। इजराइल सभ्यता के दुश्मनों से ही लड़ रहा है। यह अच्छाई बुराई का युद्ध है।

# गाजा में जारी लड़ाई के बीच चीन ने नक्शे से ही हटाया इजराइल का नाम! हंगामे के बाद भी नहीं बताई वजह

**बीजिंग ।**

गाजा पट्टी में इजराइल के हमले तेज हो रहे हैं और इस बीच खबर आई है कि चीन ने अपने ऑनलाइन नक्शे से इजराइल देश का नाम ही हटा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन की कंपनियों बाइडु और अलीबाब के ऑनलाइन नक्शों से इजराइल का नाम गायब है। बाइडु के नक्शे में इजराइल और फलस्तीन की सीमाओं को दिखाया गया है लेकिन नक्शे से दोनों का नाम नदारद है।

### चीन के नक्शे पर उठे सवाल

रिपोर्ट्स के अनुसार, चीनी भाषा वाले इन नक्शों में लक्जमबर्ग जैसे छोटे देश का नाम है लेकिन इजराइल जैसे अहम देश का नाम ना होना, कई सवाल खड़े कर रहा है। अलीबाबा या बाइडु दोनों ही कंपनियों ने अभी तक इस मसले पर सफाई नहीं दी है। गौरतलब है कि इजराइल हमास के युद्ध में चीन की सरकार ने जो बयान जारी किया था, उसमें हमास के हमले की निंदा नहीं की गई थी और फलस्तीन का समर्थन किया गया था। इसे लेकर चीन को आलोचना भी झेलनी पड़ी थी। बाद में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इजराइली समकक्ष एली कोहेने के साथ हुई बातचीत में माना कि इजराइल को अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। साथ ही चीन ने सीजफायर करने की मांग की।

### चीन की सरकार ने नहीं दी है कोई सफाई

चीन के लोग भी दोनों कंपनियों के इस कदम से हैरान हैं। हालांकि यह साफ नहीं है कि चीन के नक्शों से इजराइल का नाम पहले से ही गायब था या फिर 7 अक्तूबर के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद हटाया गया है। चीन की सरकार अक्सर अपने देश के नक्शों को लेकर काफी हंगामा करती है। यहां तक की विभिन्न होटल वेबसाइट्स द्वारा अगर चीन के नक्शे में दक्षिण चीन सागर को भी विवादित दिखाया जाता है तो उस पर चीन की सरकार कड़ी आपत्ति जताती है। वहीं चीन के नक्शे में एक पूरे देश इजराइल को ही गायब कर दिया गया है लेकिन अभी तक चीन की सरकार ने इस पर कोई सफाई नहीं दी है।

# अमेरिकी नागरिकों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हमास के आतंकी, बाइडन प्रशासन की कोशिश जारी

**यरूशलम ।**

इजराइल पर सात अक्तूबर को हमास के आतंकियों द्वारा किए गए हमले के बाद सैकड़ों की संख्या में इजराइली नागरिकों को आतंकियों ने बंधक बना लिया था। इन बंधकों में इजराइली नागरिकों के साथ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। नागरिकों की रिहाई के लिए इजराइल लगातार गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है, यह वही क्षेत्र है जहां हमास के आतंकियों ने बंधकों को छिपा रखा है। हालांकि, इस युद्ध के बीच सैकड़ों अमेरिकी नागरिक गाजा पट्टी में फंसे हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अमेरिकी सरकार लगातार बातचीत कर रही है।

### नागरिकों को बाहर निकालने के लिए अमेरिका की कोशिश

अमेरिका गाजा से अपने नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए इजराइल, मिस्र, संयुक्त राष्ट्र और कतर जैसे देशों से बात कर रहा है। सात अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले में कम से कम 1400 लोग मारे गए, जिसमें 33 अमेरिकी नागरिक भी शामिल थे। इस हमले के बाद से ही इजराइल गाजा में अपनी जमीनी हमले को तेज करने की फिराक में है। हालांकि, गाजा में फंसे अमेरिकी नागरिकों को निकालने के लिए अमेरिका के प्रयास पर हमास के आतंकियों ने सहयोग करने से इनकार कर दिया है।

### कतर कर रहा मध्यस्थता

अपने नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी के साथ लगातार संपर्क में हैं। ये हमास और अमेरिका के चर्चा में महत्वपूर्ण मध्यस्थता के तौर पर काम कर रहे हैं। बता दें कि कतर ने कई सालों तक हमास की मेजबानी की है।

राज्य विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, हमारी पहली प्राथमिकता गाजा में फंसे अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित वापस लाना है। हमास के आतंकियों से अपने बंधकों को छुड़ाने के लिए हम उच्च स्तर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमास ने अभी तक दो अमेरिकी नागरिकों की रिहाई के अलावा अन्य को छोड़ने के लिए फिलहाल तैयार नहीं है।

## एयर लाइन की शर्मसार करने वाली हरकत

# दिव्यांग को नहीं दी व्हीलचेयर, हाथों के बल खुद घिसटकर निकला बाहर

**लास वेगास ।**

लास वेगास से एक बड़ी हैरान और दुखी कर देने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, एयर कनाडा ने मानवता को शर्मसार करने वाली हरकत की है। एक महिला ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि किस तरह उसके और उसके दिव्यांग पति, जो चल नहीं सकता, के साथ व्यवहार किया गया। दिव्यांग शख्स को खुद को घिसट घिसटकर विमान से नीचे उतरने को मजबूर होना पड़ा।

एक दंपत्ति अपनी शादी की सालगिरह मनाने के लिए अगस्त में लास वेगास गए थे। वहां उन्हें एयर कनाडा के एक विमान से नीचे उतरना था। इसपर महिला ने अपने दिव्यांग पति के लिए व्हीलचेयर मांगी। इस पर अटेंडेंट ने मना कर दिया कि व्हीलचेयर तो नहीं मिल पाएगी। बता दें, शख्स को स्पास्टिक सेरेब्रल पाल्सी है, जिसकी वजह से उन्हें व्हीलचेयर की जरूरत पड़ती है।

### अटेंडेंट ने जोर देकर कहा

ब्रिटिश कोलंबिया के 49 वर्षीय एक हार्डवेयर सेल्समैन रॉडनी हॉजिंस और उनकी पत्नी डिएना होजिंस को पहले लगा कि फ्लाइट अटेंडेंट मजाक कर रहे हैं। लेकिन थोड़ी ही देर बाद उन्हें समझ आ गया कि यह मजाक नहीं था। अटेंडेंट ने जोर देकर कहा कि उन्हें खुद को विमान से उतारना होगा। दंपति ने बताया कि फ्लाइट अटेंडेंट ने उनसे पूछा कि क्या वे विमान के अगले हिस्से में जा सकते हैं और उतर सकते हैं। इस पर हॉजिंस ने कहा, 'मैं चल नहीं सकता हूं। मुझे व्हीलचेयर की जरूरत होगी। मैं खुद से नहीं आ सकता हूं।

### नहीं की गई कोई मदद

इसके बाद भी दंपत्ति की कोई मदद नहीं की गई। हालांकि, अंत में हॉजिंस ने फैसला लिया कि वह खुद ही विमान से उतरने की कोशिश करेंगे। उन्हें अपने शरीर के ऊपरी हिस्से की ताकत का उपयोग करने और उन्हें 12 सीढ़ियों से खुद को घिसटकर उतरने को मजबूर होना पड़ा। इतना ही नहीं, शख्स की पत्नी ने उनके पैरों को पकड़ रखा था। शख्स ने बताया कि फ्लाइट अटेंडेंट ने उनसे दूसरी बार उतरने को कहा, इसलिए वह उठे और अपनी पत्नी से कहा, मेरे पैर उठाओ और मैंने खुद को घिसटते हुए विमान से उतरना शुरू कर दिया।

### सोशल मीडिया पर बताई घटना

महिला ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर आपबीती बताई। उन्होंने कहा, 'यह बेहद ही शर्मसार करने वाला पल था। सब लोग हमें अजीब से देख रहे थे। हॉजिंस के पैर में चोट आई, जबकि मेरी पीठ में।' उन्होंने कहा कि चोट से ज्यादा हमें भावानात्मक चोट लगी है। मेरे पति बहुत अच्छे हैं और उनके साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था।

उन्होंने कहा, हमें विमान से उतारने के लिए एक दर्जन लोगों की अजीब सी निगाहों से होकर गुजरना पड़ा। कुछ लोगों ने दूर से देखा और कुछ शर्म से देख रहे थे। मेरे पति के मानवाधिकारों को कुचल दिया गया और एयर कनाडा ने हमें जवाब नहीं दिया।

### हमास ने नागरिकों को मरने के लिए छोड़ा!: बोला- सुरंगें सिर्फ लड़ाकों के लिए, आम लोग इजराइल-यूएन की जिम्मेदारी

**यरुशलम ।** इजराइल-हमास के बीच संघर्ष तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी है। इसमें अभी तक साढ़े नौ हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। फिर भी युद्ध थमता नहीं दिखाई दे रहा है। एक तरफ इजराइल ने आतंकियों को चुन-चुनकर खत्म करने की कसम खा ली है। वहीं दूसरी ओर, हमास भी हार नहीं मान रहा है। उसने सुरंगें खोदना शुरू कर दिया है। हालांकि, यह सुरंगें नागरिकों के लिए नहीं बल्कि लड़ाकों की रक्षा के लिए हैं। यह कहना है हमास के सदस्य मूसा अबू मरजौक का। एक रिपोर्ट के अनुसार, मूसा अबू मरजौक ने कहा कि नागरिकों की रक्षा करना संयुक्त राष्ट्र और इजराइल की जिम्मेदारी है। गाजा में भूमिगत सुरंगें लड़ाकों की रक्षा के लिए हैं। लड़ाकों के पास सुरंगों से लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

# सरकार की लचर नीतियों के कारण उद्योगपतियों का राज्य से मोह भंग : परनामी

**जयपुर ( हिंस )।** भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार के शासन में पिछले 5 सालों में प्रदेश का औद्योगिक विकास ठप हो गया है और यहां पर अधिकारियों तथा मंत्रियों की कमीशनखोरी के कारण बड़े उद्योगपतियों को राजस्थान से मोह भंग हो रहा है। इसका कारण है कि राज्य सरकार ने इन्वेस्ट समिट के नाम पर करोड़ों रूपए फूंकने के बाद भी राजस्थान में निवेश नहीं ला पाई है। वहीं इस समिट के नाम पर उद्योग विभाग के अधिकारियों और मंत्रियों ने जमकर देश-विदेश में पर्यटन का लाभ उठाया है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने मंगलवार को यहां जारी बयान में कहा कि आंकड़ों के अनुसार राजस्थान सरकार ने इन्वेस्ट राजस्थान समिट के तहत 30 जनवरी 2023

तक 4195 एमओयू, एलओआई करार किए। इसमें से अब तक 100 करोड़ रुपए से अधिक के 91 एमओयू, एलओआई भी क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में है। सरकार के इस हाल को देखकर बताया जा सकता है कि राजस्थान में निवेश की क्या स्थिति रही है। प्रदेश में महंगी बिजली तथा पेट्रोल और डीजल पर ज्यादा डीजल के कारण उद्योगों को यहां कोई सहूलियत नहीं मिल पा रही है। ऐसे में अब यहां स्थापित उद्योग भी पड़ोसी राज्य गुजरात या हरियाणा में जमीन तलाश कर रहे हैं। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा कि यही हाल राज्य में नए औद्योगिक क्षेत्रों का भी है। प्रदेश में वर्ष जनवरी, 2019 से दिसम्बर, 2022 तक 62 नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए गए हैं। इन औद्योगिक क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार नहीं किए जाने और उद्योगों को लगाने में आ रही परेशानियों के कारण नये स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों में से आवंटन के लिए खोले गए 47 औद्योगिक क्षेत्रों में 1349 भूखंडों का आवंटन हुआ है, जबकि अब भी 9111 भूखंड आवंटी का इंतजार कर रहे हैं। हालात यह है कि राज्य सरकार को औद्योगिक क्षेत्र में भूखंड आवंटन के लिए भी आवंटी नहीं मिल रहे हैं। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा कि इसके अलावा पिछले दिनों बिजली संकट के कारण शुरू हुई बिजली कटौती भी अब तक बंद नहीं हो रही है। इसके कारण उद्योगों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इसको देखते हुए उद्योग अपनी पूरी क्षमता से उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। प्रदेश में उद्योग धंधे बंद होने या पूरी क्षमता से कार्य नहीं किए जाने के कारण दिनों दिन इनमें श्रमिकों की कटौती की जा रही है। हाल यह है कि राज्य सरकार ने पिछले पांच साल के शासन में नए रोजगार के अवसर तो सृजित नहीं किए लेकिन उद्योगों को बंद कर जो रोजगार मिल रहा था उसे भी छीन लिया है।

## सुबह सैर करने निकले युवक की हत्या

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के लुधियाना में मंगलवार की सुबह अज्ञात व्यक्तियों ने सैर कर रहे एक युवक पर तेजधार हथियारों से हमला करके उसे मौत के घाट उतार दिया। हमलावरों ने लूट की नीयत से इस घटना को अंजाम दिया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मरने वाले की पहचान दिनेश कुमार निवासी संजय गांधी कालोनी के रूप में हुई है। उससे मोबाइल और कैश छीनने की भी कोशिश की गई। दिनेश ने जब छीनाझपटी करने पर बदमाशों का विरोध किया तो उन्होंने तेजधार हथियार उसके शरीर पर वार किए, जिसमें उसकी मौत हो गई। सड़क पर शव पड़ा देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावरों की संख्या दो थी।

## मेरे लिए कुरान व शिव पुराण एक समान : मास्टर सलीम

**कैथल ( हिंस )।** गांव सलेमपुर स्थित मां ज्वाला देवी के मंदिर में आयोजित जागरण में प्रसिद्ध गायक मास्टर सलीम ने मां की भेटें गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर के पुजारी पंडित अश्विनी भार्गव ने की। कार्यक्रम में कई जगहों से साधु संत भी पहुंचे थे। माता के जागरण में मास्टर सलीम ने बम भोले, तेरी जय जयकार और चरणी लगाया सानू माता ने, भोले दी बारात चढ़ी गज वज के, सारेया ने भंग पीती रज रज के और सोने दा मां दा दरबार, दर्शन कर लो भक्तों ज्योत ज्वाला जी तो आईए सहित अन्य कई प्रसिद्ध भजन गाए। कार्यक्रम के दौरान भजन सम्राट मास्टर सलीम ने कहा कि वे माता के अनन्य भक्त हैं। जाति से वे बेशक मुसलमान हैं, परंतु उनके लिए कुरान व शिव पुराण में कोई अन्तर नहीं है। वे शिव भक्ति में भी अटूट विश्वास रखते हैं। वे बीमार अवस्था में भी माता रानी के चरणों हाजिरी लगवाने के लिए आ गए। उन्होंने कहा कि वह हरियाणा व पंजाब सीमा पर स्थित चीका शहर में पहली बार आए हैं और भगवान से प्रार्थना करते हैं कि नगर खेड़े की सुख-शान्ति के साथ-साथ समूचे संसार में अमन व शान्ति बहाल रहे। कार्यक्रमों के आयोजकों ने सलीम को मां भगवती का एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

## हरियाणा में भाजपा संगठन चलाएगा कई नए कार्यक्रम : नायब सैनी

**चंडीगढ़( हिंस )।** हरियाणा भाजपा के नव नियुक्त अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को नई दिल्ली में पार्टी प्रभारी बिप्लब कुमार देब से मुलाकात कर संगठन के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। दुष्यंत चौटाला ने नायब सैनी को प्रदेश अध्यक्ष बनने की फोन पर बधाई दी है। वे जल्दी ही भाजपा सरकार के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से भी मुलाकात कर सकते हैं। नायब सैनी की भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ-साथ पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करने की योजना है। अमित शाह 2 नवंबर को करनाल में आयोजित अंत्योदय सम्मेलन में भागीदारी करने आ रहे हैं, लेकिन सैनी ने केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के लिए उनके कार्यालयों में समय मांगा है। नई दिल्ली में पार्टी प्रभारी बिप्लब देब से मुलाकात के बाद नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में सरकार और संगठन के बीच तालमेल बढ़ाने से लक संगठन के कामकाज को गति देने पर विस्तृत बातचीत हुई है। लोगों के बीच पहुंचने के कार्यक्रमों पर बातचीत की गई। लोकसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया है। नायब सैनी ने कहा कि भाजपा राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस एक परिवार की पार्टी है। वहां सिर्फ परिवार और घरानों की सुनी जाती है। कार्यकर्ता की कहीं कोई सुनवाई नहीं है। एक सवाल के जवाब में सैनी ने कहा कि पार्टी ने ओबीसी चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है, जो मुख्यमंत्री मनोहर लाल की हरियाणा एक-हरियाणवी एक के मंत्र को चरितार्थ करती है।

## सफाई कर्मचारियों ने पंचायत मंत्री के कार्यालय पर शुरू किया 24 घंटे का पड़ाव

**फतेहाबाद ( हिंस )।** पक्की नौकरी और समान काम समान वेतन की मांग को लेकर पिछले 22 दिन से हड़ताल करके हरियाणा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलकर बैठे हुए ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली के टोहाना स्थित कार्यालय पर 24 घंटे का पड़ाव शुरू किया। ग्रामीण सफाई कर्मचारी रातभर कार्यालय के बाहर पड़ाव डालेंगे। आज कर्मचारियों ने प्रदेश सरकार व मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पड़ाव की अध्यक्षता ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान एवं राज्य उपाध्यक्ष बलबीर सिंह ने की तथा संचालन जिला सचिव बेगराज ने किया। पड़ाव स्थल से लेकर मंत्री कार्यालय तक जोरदार नारेबाजी करते हुए सफाई कर्मियों ने प्रदर्शन किया।

मंत्री के भाई विनोद बबली ने बुधवार तक मंत्री से बात करके यूनियन को अवगत करवाने की बात कही। 22वें दिन हड़ताल करके पड़ाव डाले बैठे ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रदेश महासचिव विनोद कुमार ने कहा कि वाल्मीकि जयंती पर 1000 रुपए की बढ़ोतरी करके हरियाणा सरकार ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के साथ मजाक किया है। उन्होंने कहा कि 2014 में भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में 15 हजार वेतन और पक्का करने का वायदा किया था। सत्ता में आते ही ये वायदा पूरा किया जाता तो आज सफाई कर्मियों का वेतन 21900 रुपए वेतन हो जाता, लेकिन भाजपा सरकार ने कर्मचारियों के साथ धोखा किया है। यूनियन महासचिव विनोद कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार और भाजपा एक तरफ वाल्मीकि जयंती मनाने का ढोंग कर रही है और दूसरी तरफ वाल्मीकि जी अनुयायी हड़ताली सफाई कर्मियों के साथ वार्ता करने में अपनी तौहीन समझती है। इसके कारण आज भी सफाई कर्मी सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। आज के प्रदर्शन को यूनियन जिला कोषाध्यक्ष हरपाल, उप प्रधान सुनील कुमार, सुंदर सिंह, गुरदास, सतीश, हरपाल, रेखा, पवन, चरणदास, भूप सिंह, ओमप्रकाश के अलावा सर्व कर्मचारी संघ के नेता कृष्ण कुमार, मास्टर हरपाल सिंह, राजेश कुमार व किसान सभा के उपप्रधान जगतार सिंह ने भी संबोधित किया और आंदोलन का समर्थन किया।

## बारामूला जिले में हथियार और गोला-बारूद बरामद, दो संदिग्ध गिरफ्तार

**बारामूला ( हिंस )।** बारामूला जिले के डांगरपोरा इलाके से दो संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सोमवार देर शाम को बारामुला पुलिस और सेना की 52 आरआर की एक संयुक्त पार्टी ने नरधारी डांगरपोरा में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि दोनों की तलाशी लेने पर संयुक्त दल ने एक चीनी पिस्तौल, 12 राउंड और दो चीनी ग्रेनेड बरामद किए। पकड़े गए संदिग्धों की पहचान गुलाम हसन मीर पुत्र गुलाम रसूल मीर और मुख्तार अहमद खान पुत्र मोहम्मद अफजल खान दोनों निवासी चंदूसा बारामूला के रूप में की गई है। अधिकारी ने आगे कहा कि इस संबंध में एक मामला दर्ज करके दोनों व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है।

## सचिन पायलट और सारा का तलाक, चुनावी हलफनामे में खुलासा

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट अब अपनी पत्नी सारा पायलट से अलग हो चुके हैं। सचिन पायलट और सारा पायलट के बीच तलाक भी हो चुका है। पायलट के चुनावी शपथ पत्र से इसका खुलासा हुआ है। उन्होंने टोंक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में नामांकन भरने के दौरान जमा करवाए शपथ पत्र में पत्नी के नाम के आगे *तलाकशुदा* लिखा है। पायलट और सारा के बीच तलाक होने की जानकारी पहली बार सार्वजनिक हुई है। अभी यह साफ नहीं हुआ है कि तलाक कब हुआ है? सचिन पायलट के दोनों बच्चे उनके पास हैं। पायलट ने शपथ पत्र में डिपेंडेंट के तौर पर दोनों बच्चों

(आरन पायलट और विहान पायलट) के नाम लिखे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव (नवंबर 2018) में दिए शपथ पत्र में सचिन पायलट ने पत्नी के नाम के कॉलम में सारा पायलट का नाम लिखा था। इस बार पत्नी के नाम के कॉलम में *तलाकशुदा* लिखा है। पायलट और सारा के अलग होने की चर्चा 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान भी चली थी। उस वक्त इन्हें अफवाह बताकर खारिज कर दिया गया था। पायलट ने सारा से जनवरी 2004 में शादी की थी। सारा जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता फारूक अब्दुल्ला की बेटी और उमर अब्दुल्ला की बहन हैं। दिसंबर 2018 में जब सचिन पायलट ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, उस समारोह में सारा, दोनों बेटे और फारूक अब्दुल्ला भी शामिल हुए थे।

## सरदार पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता की संकल्प के साथ दौड़ा झज्जर

**झज्जर ( हिंस )।** देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती जिलाभर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। मंगलवार को जिला व उपमंडल स्तर पर राष्ट्रीय एकता से प्रेरित कार्यक्रम आयोजित हुए। उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने महर्षि दयानंद स्टेडियम में जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में देश की एकता व अखंता की शपथ दिलाई, राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एसपी डॉ. अर्पित जैन ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी व देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती हमें देश को अखंड रखने के लिए प्रेरित करती है। हर नागरिक को देश की एकता के प्रति समर्पित होना चाहिए। अखंड देश मजबूत होकर उभरता है और प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आज जिलाभर में राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को यह जानकारी होनी चाहिए कि देश की आजादी और आजादी उपरांत देश को एक सूत्र में पिरोने में प्रथम उप-प्रधानमंत्री का कितना अहम योगदान रहा है। देश की एकता में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी रहेगा। आर्यन, सौरव, लवली, समीर, साहिल, नीतिन, कार्तिक, लकी, नान्हा पहलवान, नीतिन को रन फॉर युनिटी में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उपायुक्त ने सम्मानित किया। उल्लेखनीय है जिला में बहादुरगढ़, बादली, बेरी उपमंडल स्तर पर भी एकता दौड़ आयोजित की गई। इस अवसर पर एसडीएम विशाल, सीटीएम प्रवेश कादियान, डीआईपीआरओ सतीश सहवाग, हास्य कवि मास्टर महेंद्र, समाजसेवी प्रकाश माजरा सहित कोच, धावक और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## जिले से बाहर जांच के लिए अकेली नहीं जाएंगी महिला पुलिसकर्मी

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा में अब अपने जिले व राज्य से बाहर जांच के लिए जाने वाली महिला पुलिसकर्मी अकेली नहीं जाएगी। एक दिन से अधिक जांच के लिए बाहर जाते समय कम से कम दो महिलाओं को भेजा जाएगा। एडीजीपी कानून-व्यवस्था ममता सिंह ने इस संबंध में राज्य के तमाम पुलिस आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों, रेंज के आईजी को निर्देश जारी कर दिए हैं। एडीजीपी के आदेशों में कहा गया है कि पिछले दिनों एक घटनाक्रम सामने आया था। जिसमें एक केस की जांच के सिलसिले में पुलिस अधिकारी व कर्मचारी दो से तीन दिन के लिए राज्य से बाहर गए थे। उनके साथ एक अकेली महिला पुलिसकर्मी को नियुक्त कर दिया गया। इससे महिला पुलिस कर्मी ने पुरुष कर्मचारियों के बीच खुद को काफी असहज महसूस किया। पुरुष पुलिस कर्मियों की टीम के साथ अकेली महिला पुलिसकर्मी को ड्यूटी पर भेजना पूरी तरह से गलत है। एडीजीपी ने कहा है कि भविष्य में अगर पुलिस टीम किसी केस की जांच के लिए जिले अथवा राज्य से बाहर जाती है ।

## पलवल: करवा चौथ से पहले बाजार में रौनक

**पलवल ( हिंस )।** करवा चौथ, साल में एक बार मनाया जाने वाला महिलाओं का महत्वपूर्ण त्योहार है। यह त्यौहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को सुहागिन महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। इस बार यह पर्व करवा चौथ एक नवंबर को मनाया जाएगा। करवा चौथ के पर्व पर शहर के बाजार सजे हुए हैं। महिला खरीदारों की भीड़ भी बढ़ रही है। करवा चौथ पर लाख की चूड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस दिन महिलाएं 16 श्रृंगार कर सजती संवरती है। सुहागन महिलाएं बाजार में विभिन्न प्रकार की चूड़ियां खरीद रही हैं। महिलाओं में इस त्यौहार को लेकर खरीदारी का उत्साह कुछ ऐसा है कि केवल करवाचौथ के अवसर पर साज सज्जा के लिए सभी प्रकार के सामान की खरीददारी की जा रही है। करवा चौथ के त्योहार के अवसर पर, चूड़ियां खरीदने बाजार गई महिला उर्मिला

खरब ने बताया कि इस मौके पर नई-नई चूड़ियां पहनना बहुत ही शुभ माना जाता है। इसलिए सभी महिलाएं इस त्योहार पर अपने पति की लंबी आयु की कामना करती हैं और इसके लिए खासतौर से लाख की चूड़ियां पहनती हैं। संतोष देवी ने बताया कि करवा चौथ के पर्व से एक दिन पूर्व महिलाएं अपने हाथों में सुहाग के नाम की मेहंदी लगवा रही हैं। आज बाजार में महिलाएं ही महिलाएं नजर आ रही है। मेंहदी लगवाने के लिए लम्बी लम्बी कतारें लग रही है। इस मौके पर सभी सुहागिन महिलाएं सुबह से शाम तक निर्जला व्रत रखकर सुहाग की सलामती की कामना करती हैं। शाम को सोलह श्रृंगार कर महिलाएं चांद निकलने का इंतजार करती हैं। जहां चांद निकलने के बाद विधि-विधान से पूजन करती हैं, जिसके बाद छलनी में चांद के साथ पति के चेहरे का दीदार करके अपने पति की दीर्घायु की कामना करते हुए अपने पति के हाथों से पानी पीकर व्रत को पूरा करती है।

## पंजाब के मुद्दों पर पहली बार होगी सार्वजनिक बहस, विपक्ष के शामिल होने पर संशय

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब के मुद्दों पर पहली बार 1 नवंबर को सार्वजनिक बहस होने जा रही है। लुधियाना में होने वाली इस बहस का आयोजन पंजाब सरकार ने किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री इस बहस में शामिल होने वाले मुद्दों को लेकर पहले ही स्थिति साफ कर चुके हैं। विपक्षी राजनीतिक दलों के इस बहस में शामिल होने को लेकर संशय बना हुआ है। दरअसल, 1 नवंबर 1966 को पंजाब के विस्तार के बाद हरियाणा का गठन हुआ था। पंजाब को अलग राज्य का दर्जा दिया गया था। इस दिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुली बहस का आयोजन किया है। इस बहस में एसवाईएल समेत पंजाब के कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। खुली बहस में भाग लेने को लेकर पंजाब के विपक्षी दलों के भाग लिए जाने को लेकर संशय बना हुआ है। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा तथा शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल इस बहस में भाग लेने को लेकर कई शर्तें रख चुके हैं। माना जा रहा है कि बहस से पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान इसका लिखित एजेंडा जारी कर सकते हैं।

## मेरी माटी मेरा देश अभियान : अमृत कलश में पहुंची राजस्थान के 353 ब्लॉक की माटी

**जयपुर ( हिंस )।** मेरी माटी मेरा देश अभियान का समापन पूरे देश से स्वयंसेवकों द्वारा लाई गई माटी को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर एक विशाल कलश में मिश्रित करने के साथ हुआ। राजस्थान के 353 ब्लॉक की माटी इस अमृत कलश में शामिल हुई। उल्लेखनीय है कि मेरी माटी मेरा देश अभियान की परिकल्पना आजादी के अमृत महोत्सव के समापन कार्यक्रम के रूप में की गई थी। भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का उत्सव मनाने के क्रम में आजादी का अमृत महोत्सव 12 मार्च 2021 को शुरू हुआ था। इस कार्यक्रम के साथ आजादी का अमृत महोत्सव का समापन भी हुआ। राजस्थान से कार्यक्रम में 353 ब्लॉक से नेहरू युवा केंद्र के 654 चयनित युवाओं ने भाग लिया। राजस्थान से यह अमृत कलश यात्रा जयपुर से एक स्पेशल ट्रेन द्वारा दिल्ली पहुंची और कर्तव्य पथ पर इन अमृत कलशों की माटी को एक विशाल कलश में मिश्रित करने के साथ पूर्ण हुई। राजस्थान में स्थानीय प्रशासन, नेहरू युवा केंद्र आदि संगठनों द्वारा लगभग सभी गावों में इसके तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए और वीरों के सम्मान में स्मारक स्वरूप 11 हजार 814 शिलाफलकम का निर्माण भी किया गया। प्रदेश में इस अभियान के तहत शहीदों के नाम अंकन कार्य भी अभूतपूर्व रहा। पूरे देश में इस अभियान को भारी सफलता मिली। 36 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में 2.3 लाख से अधिक शिलाफलकमों का निर्माण हुआ। लगभग 4 करोड़ पंच प्राण प्रतिज्ञा सेल्फी अपलोड की गईं। देशभर में 2 लाख से अधिक वीरों का वंदन कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। 2.36 करोड़ से अधिक स्वदेशी पौधे लगाए गए।

## लखनऊ में सीआरपीएफ ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

**लखनऊ।** भारत सरकार गृह मंत्रालय एवं सीआरपीएफ मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए लखनऊ के गोमती नगर स्थित मध्य सेक्टर सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण में 31 अक्तूबर 2023 को प्रात: 10:30 बजे सतपाल रावत महानिरीक्षक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। इस समारोह में ज्ञानेन्द्र कुमार, उप महानिरीक्षक, एचके कनौजिया, उप महानिरीक्षक, एवं सुनील कुमार, उप महानिरीक्षक तथा अन्य राजपत्रित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं अन्य रैंक के जवानों ने इसमें भाग लिया। राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों और जवानों ने शपथ ग्रहण किया कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करेंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव हुए देश की एकता को बनाए रखने तथा इसकी आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान सत्यनिष्ठा से करने का भी संकल्प लिया गया श्री सतपाल रावत महानिरीक्षक ने

बताया कि सरदार पटेल की यह परिकल्पना थी कि देश तब तक शक्तिशाली राष्ट्र नहीं बन सकता, जब तक उस देश की सभी क्षेत्रों का सामूहिक प्रयास सही से न किया जाए। इसी परिकल्पना पर कार्य करते हुए सरदार पटेल ने आजादी के समय रियासतों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसमें सरदार पटेल ने 562 रियासतों में से लगभग 530 रियासतों को एकजुट किया। सरदार पटेल द्वारा दिखाये गए एकजुटता के मार्गदर्शन को प्रोत्साहित किए जाने हेतु केंद्रीय सरकार द्वारा वर्ष 2014 से प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2018 में केंद्रीय सरकार द्वारा भारत के लौहपुरूष की विश्व में सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण केवड़िया, गुजरात में किया गया। उन्होंने आगे बताया कि प्रत्येक वर्ष 31 अक्तूबर को सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनायी जाती है। यह अवसर हमें राष्ट्र की सुरक्षा, एकता और अखंडता को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने का एक उत्तम अवसर प्रदान करता है। श्री रावत ने यह भी बताया कि इस वर्ष हम सभी देशवासी देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने के लिए *मेरी माटी मेरा देश* अभियान भी चला रहे है। राष्ट्रीय एकता दिवस के प्रति आम जनता में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रात: 0700 बजे लखनऊ के गोमती नगर स्थित मध्य सेक्टर सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण से कमता चौराहा तक एवं वापसी रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन किया गया। इस रैली में श्री सुनील कुमार, उप महानिरीक्षक के नेतृत्व में भारी संख्या में सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों ने हिस्सा लिया।

# प्याज ने बिगाड़ा लोगों की रसोई का बजट, दिल्ली में इसकी औसत कीमत 78/किलो तक पहुंची

**नई दिल्ली ।**

प्याज के भाव लोगों की जेब ढीली कर रहा है। दिन पर दिन बढ़ते दाम से लोगों की रसोई का बजट डगमगा गया है। राष्ट्रीय राजधानी में प्याज की कीमतें आसमान छू रही हैं। खुदरा बाजार में इसकी औसत कीमत 78 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। हालांकि, उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से जुटाए गए आंकड़ों की मानें तो देश में प्याज की औसत कीमत लगभग 50.35 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इसकी अधिकतम दर 83 रुपये प्रति किलोग्राम और मॉडल कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम थी। देश में प्याज की सबसे कम कीमत 17 रुपये प्रति किलोग्राम रिकॉर्ड की गई। स्थानीय विक्रेता प्याज 80 रुपये प्रति किलोग्राम तक बेच रहे हैं, जबकि रसोई का प्रमुख सामान ई-कॉमर्स पोर्टल बिगबास्केट और ओटिपी पर यह 75 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जा रहा है। इस बीच घरेलू बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बनाए रखने के लिए 28 अक्तूबर को प्याज निर्यात पर 800 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 67 हजार रुपये प्रति मीट्रिक टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) अधिसूचित कर दिया था। सरकार बफर के लिए अतिरिक्त 2 लाख टन प्याज खरीदने की भी तैयारी कर ली है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया था कि फैसला 31 दिसंबर तक लागू रहेगा।

### क्यों लिया गया यह फैसला

घरेलू बाजार में प्याज की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में प्याज की किल्लत से बचने और ज्यादा उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है। इसके जरिए आसमान छूती कीमतों को काबू में रखने की कोशिश की जाएगी।

### प्याज की बढ़ती कीमतों में उछाल का कारण

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि मौसम संबंधी कारणों से खरीफ प्याज की बुआई में देरी हुई है। इससे फसल की आवक में भी देरी हुई है। खरीफ प्याज की आवक अब तक शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन नहीं हुई है। रबी सीजन की प्याज का भंडार खत्म होने से आपूर्ति कम हो रही है, जिससे कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने चालू वर्ष के लिए बफर प्याज स्टॉक को दोगुना कर दिया है। इससे घरेलू उपलब्धता में सुधार होगा और आने वाले दिनों में कीमतों पर अंकुश लगेगा।

## न्यूज ब्रीफ

### त्योहारी सीजन में एसबीआई दे रहा होम लोन में रियायतें

**नई दिल्ली ।** इस त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स साइट के साथ-साथ कई बैंक भी तरह-तरह के ऑफर लेकर आते हैं। इसी बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने भी कुछ इस तरह के खास ऑफर पेश किए हैं। एसबीआई अपने ग्राहकों को होम लोन पर रियायतें दे रहा है। दरअसल, बैंक होम लोन में 65 बीपीएस तक की कमी कर सकता है। वेबसाइट के अनुसार यह ऑफर 31 दिसंबर 2023 तक मान्य है। इस ऑफर को सिबिल स्कोर से जोड़ दिया गया है। सिबिल स्कोर जितना अधिक होगा ग्राहकों को उतनी ज्यादा रियायती दरों का लाभ मिलेगा। इसके अलावा बैंक ग्राहक को होम लोन टेकओवर या फिर रेडी-टू-मूव ऑप्शन में अतिरिक्त 20 बीपीएस की छूट देगा। यह छूट केवल उन ग्राहकों के लिए है जिनका सिबिल स्कोर 700 अंक के पार होता है। एसबीआई द्वारा जारी क्रेडिट कार्ड पर भी ऑफर दिया जा रहा है। बैंक ने क्रेडिट कार्ड पर कई तरह के ऑफर पेश किए हैं। यह ऑफर मोबाइल फोन, लैपटॉप, फैशन, फर्नीचर,ज्वेलरी आदि पर दिए जा रहे हैं। इसके अलावा ईएमआई पर भी ऑफर दिया जा रहा है। बता दें कि बैंक ने कई ब्रांड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के बाद अब ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करते समय अतिरिक्त डिस्काउंट और कैशबैक का लाभ मिलेगा। इस फेस्टिव ऑफर का लाभ 15 नवंबर तक उठा सकेंगे।

### भारतीय अब बिना वीजा के जा सकेंगे थाईलैंड; मई 2024 तक मिलेगी छूट, सरकार ने किया ये एलान

**नई दिल्ली ।** भारत से थाईलैंड की यात्रा का प्लान कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। उन्हें थाईलैंड की यात्रा के लिए अब वीजा की जरूरत नहीं होगी। थाईलैंड के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया है कि भारत और ताइवान से आने वाले लोगों के लिए वीजा आवश्यकताओं को माफ कर दिया जाएगा। यह छूट अगले महीने से मई 2024 तक दी जाएगी। थाइलैंड सरकार के प्रवक्ता चाई वाचारोंके ने कहा, भारत और ताइवान से आने वाले लोग 30 दिनों के लिए बिना वीजा के थाईलैंड में प्रवेश कर सकते हैं। थाईलैंड यात्रियों के लिए अपने वीजा नियमों में ढील देने की संभावना तलाश रहा है, जिसमें वीजा छूट और पर्यटकों के लिए ठहरने की अवधि का विस्तार करना शामिल है। फिलहाल भारत के यात्रियों को 2 दिन के थाईलैंड के वीजा के लिए 2000 भाट (लगभग 57 डॉलर) का भुगतान करना अनिवार्य है। थाईलैंड की नई सरकार का लक्ष्य अगले साल विदेशी पर्यटकों से राजस्व को 3.3 ट्रिलियन भाट तक बढ़ाना है। जिसमें यात्रा उद्योग सबसे अच्छा अल्पकालिक आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करता है। बैंक ऑफ थाईलैंड के आंकड़ों के अनुसार, पर्यटन सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 12 प्रतिशत और नौकरियों में लगभग पांचवें हिस्से का योगदान देता है। फुकेत टूरिज्म एसोसिएशन के अध्यक्ष थानेथ तांतीपिरियाकिज ने अगस्त में ब्लूमबर्ग को बताया था कि आवेदन शुल्क को खत्म करना चीन और भारत के आगंतुकों को वीजा छूट देने की तुलना में आदर्श होगा।

### रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी को तीसरी बार मिली धमकी, 200 करोड़ के बाद अब मांगे 400 करोड़

**मुंबई ।** दिग्गज कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को एक बार फिर धमकी भरा ईमेल मिला है। यह धमकी किसी ओर ने नहीं बल्कि उसी अज्ञात शख्स की ओर से दी गई है, जिसने 27 अक्तूबर को दो ईमेल भेजकर 200 करोड़ रुपये की मांग की थी। तीसरे ईमेल में शख्स ने फिरौती की रकम बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये कर दी क्योंकि अंबानी ने उसके पिछले दो ईमेल का जवाब नहीं दिया। खतरे की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास एंटीलिया की सुरक्षा बढ़ा दी। गौरतलब है कि 26 अक्तूबर को सबसे पहले धमकी भरा ईमेल मिला था। इसमें धमकी देने वाले ने 20 करोड़ रुपयों की मांग की थी। बाद में कीमत बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये कर दी थी। साथ ही रुपये न देने पर मुकेश अंबानी को गोली मारने की बात कही थी। अंबानी की आधिकारिक आईडी पर भेजे गए तीसरे ईमेल में लिखा है, आपकी सुरक्षा कितनी भी अच्छी क्यों न हो, हम फिर भी आपको मार सकते हैं।

युद्ध और बढ़ा तो तेल की कीमतें बढ़ेंगी

# महंगाई में होगा इजाफा, विश्व बैंक ने दी चेतावनी

**नई दिल्ली ।**

**विश्व बैंक ने बताया है कि अगर इजराइल और हमास के बीच युद्ध तेज होता है, तो तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में खाने-पीने की चीजें महंगी हो सकती हैं। विश्व बैंक के कमोडिटी मार्केट आउटलुक में पाया गया कि यदि संघर्ष नहीं बढ़ता है तो तेल की कीमतों पर प्रभाव सीमित होना चाहिए, लेकिन यदि संघर्ष बढ़ता है तो हालात बिगड़ जाएंगे।**

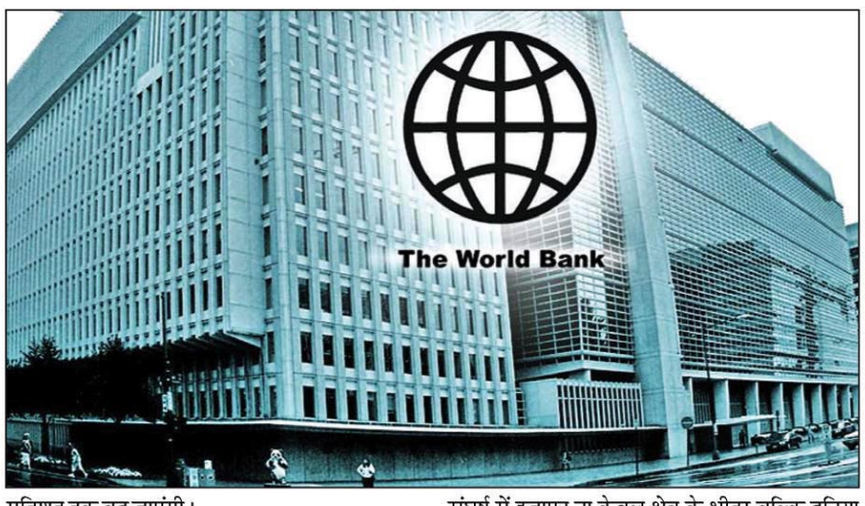


हमास की ओर से इजराइल पर किए गए हमले में 1,400 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे, लगभग 240 को बंधक बना लिया गया था। उसके बाद हमास के खिलाफ युद्ध की इजराइल की घोषणा ने पश्चिम एशिया में व्यापक संघर्ष की आशंका को बढ़ा दिया है। और तनाव बढ़ने का खतरा मंडरा रहा है। इजराइल की टैंकों और पैदल सेना को बीते सप्ताहांत में गाजा में धकेल दिया गया क्योंकि प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध के दूसरे चरण की घोषणा कर दी है। दूसरी ओर हमास के अधिकारियों ने लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्ला सहित अन्य सहयोगियों से अधिक क्षेत्रीय सहायता मांगी है।

### विश्व बैंक ने युद्ध के तीन परिदृश्यों के प्रभाव के बारे में बताया

विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में छोटे, मध्यम या बड़े व्यवधान की स्थिति में वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए तीन परिदृश्यों की बात कही है। विश्व बैंक का अनुमान है कि यदि संघर्ष छोटे व्यवधान परिदृश्य से नहीं बढ़ता है तो प्रभाव सीमित होना चाहिए- ऐसे में तेल की कीमतें अगले साल औसतन 81 डॉलर प्रति बैरल तक गिरने की उम्मीद है।

लेकिन युद्ध के कारण अगर मध्यम व्यवधान पैदा होता है जैसा इराक युद्ध के दौरान हुआ था तो वैश्विक तेल आपूर्ति प्रति दिन 3 मिलियन से 5 मिलियन बैरल तक घट जाएगी, जिससे तेल की कीमतें संभवत: 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएंगी।

रिपोर्ट के अनुसार, बड़े व्यवधान की स्थिति में जैसा 1973 के अरब तेल प्रतिबंध के समय हुआ था वैश्विक तेल आपूर्ति प्रति दिन 6 मिलियन से 8 मिलियन बैरल तक कम हो जाएगी और ऐसी स्थिति में कीमतें कीमतें 56 प्रतिशत से 75 प्रतिशत या 140 से 157 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं।

### दोहरी ऊर्जा संकट का करना पड़ेगा सामना, खाने-पीने की चीजें महंगी होंगी

विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री इंदरमित गिल ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पहले ही विघटनकारी प्रभाव पड़ा है जो आज भी जारी है। गिल ने कहा, अगर संघर्ष बढ़ता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को दशकों में पहली बार दोहरी ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा- इसका कारण ना केवल यूक्रेन युद्ध होगा बल्कि पश्चिम एशिया की स्थिति भी इसके लिए जिम्मेदार होगी।

विश्व बैंक के उप मुख्य अर्थशास्त्री अहान कोसे ने कहा कि तेल की ऊंची कीमतों से खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी। कोसे ने कहा, अगर तेल की कीमतें गंभीर स्तर तक पहुंचती हैं तो इससे खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति बढ़ेगी जो रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के परिणामस्वरूप कई विकासशील देशों में पहले से ही बढ़ी हुई है। नए संघर्ष में इजाफा ना केवल क्षेत्र के भीतर बल्कि दुनिया भर में खाद्य असुरक्षा को बढाएगा।

### युद्ध शुरू होने के बाद 6 प्रतिशत तक बढ़ी है तेल की कीमतें, सोना 8 प्रतिशत उछला

कुल मिलाकर, संघर्ष की शुरुआत के बाद से तेल की कीमतें लगभग 6 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। सोना जिसकी कीमतें संघर्ष की स्थिति में बढ़ती है विश्व बैंक के अनुसार लगभग 8 प्रतिशत तक उछल चुका है। कुछ विश्लेषकों को संदेह है कि अमेरिका बड़े पैमाने पर तेल की कमी का अनुभव कर सकता है क्योंकि अमेरिकी तेल उत्पादन अब तक के उच्चतम स्तर पर है। ब्लूमबर्ग के एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने गुरुवार को कहा कि बाइडन प्रशासन हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध के आर्थिक परिणामों की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहा है। उन्होंने कहा अब तक, इस लड़ाई के बहुत अधिक वैश्विक परिणाम सामने नहीं आए हैंलेकिन अगर युद्ध फैलता है निश्चित रूप से चुनौती बढ़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के कार्यकारी निदेशक फतिह बिरोल ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष और गाजा में इजराइल और हमास के बीच नवीनतम हिंसा के बीच, कोई भी मुझे यह विश्वास नहीं दिला सकता है कि तेल और गैस देशों या उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षित ऊर्जा विकल्प हैं।

ब्रिटेन का वीजा दिलाने के नाम पर हो रही वसूली

# भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के छात्र होते हैं शिकार

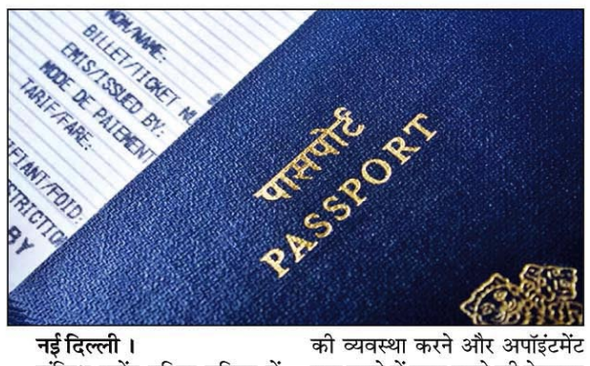


**नई दिल्ली ।**

संदिग्ध एजेंट दक्षिण एशिया में अवैध वीजा अप्वाइंटमेंट कारोबार चला रहे हैं और भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल में छात्रों और श्रमिकों से मुफ्त सेवा के लिए अत्यधिक शुल्क वसूल रहे हैं। दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में ब्रोकर इन देशों में सोशल मीडिया मैसेजिंग सेवाओं पर विज्ञापित बायोमेट्रिक नियुक्तियों के लिए 800 पाउंड तक वसूल रहे हैं। माना जा रहा है कि यह समस्या पाकिस्तान में सबसे खराब है, जहां जांच में पाया गया कि एजेंटों द्वारा वीजा नियुक्ति प्रणाली का दुरुपयोग पिछले एक साल में काफी बढ़ा है। ब्रिटेन स्थित इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन राइट्स एंड बिजनेस में प्रवासी श्रमिकों के कार्यक्रम के दक्षिण एशिया समन्वयक राकेश रंजन ने अखबार को बताया, यह एक बड़ा मुद्दा है। यह लोगों को ब्रिटेन आने के लिए भुगतान किए जाने वाले ऋण को बढ़ाता है। हाल ही में नई दिल्ली से वीजा के लिए आवेदन करते समय, रंजन से सरकारी शुल्क को छोड़कर एक एजेंट की ओर से 500 पाउंड मांगे थे जिसने उन्हें अपने दस्तावेजों की व्यवस्था करने और अपॉइंटमेंट बुक करने में मदद करने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को अक्सर पता नहीं होता था कि वे अनावश्यक रूप से भुगतान कर रहे हैं, वे कुछ एजेंटों पर भरोसा करते थे क्योंकि उनके पास इंटरनेट तक आसान पहुंच नहीं होती। ब्रिटेन में छह महीने से अधिक समय तक रहने की योजना बना रहे किसी भी व्यक्ति और कुछ देशों के अल्पकालिक आगंतुकों को उंगलियों के निशान और एक तस्वीर प्रदान करने के लिए अपने देश में इन-पर्सन अपॉइंटमेंट में भाग लेना होगा। यूके सहित 70 सरकारों को कांसुलर सेवाएं प्रदान करने वाले वीएफएस ग्लोबल के एक प्रवक्ता ने कहा, हम वीजा आवेदन नियुक्ति प्रणाली का दुरुपयोग करने के सभी प्रयासों को असाधारण रूप से गंभीरता से लेते हैं। हमने किसी भी अन्य यूकेवीआई (यूके वीजा और आव्रजन) स्थानों में इस प्रकार की गड़बड़ी का अनुभव नहीं किया है और इस दुरुपयोग से निपटने के लिए हम ब्रिटेन के होम ऑफिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

# पुनित गोयनका और झील को बड़ी राहत, बाजार नियामक के आदेश को अपील ट्रिब्यूनल ने रद्द किया

**नई दिल्ली ।**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने जी एंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज लिमिटेड को प्रभावित करने वाला आदेश पारित किया था। कंपनियों के अपील का निपटारा करने वाले प्राधिकरण- सिक्योरिटीज अपीलेट ट्रिब्यूनल ने सेबी के आदेशों को रद्द कर दिया। अपने आदेश में सेबी ने जी एंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज को कंपनी और अन्य फर्मों में अहम प्रबंधकीय पद संभालने से रोक दिया गया था।

फंड की हेराफेरी से जुड़े एक मामले में सेबी के आदेश को रद्द करते हुए ट्रिब्यूनल ने पुनित गोयनका को अपने खिलाफ चल रही सेबी की जांच में सहयोग करने का भी निर्देश दिया। अगर जांच के दौरान गोयनका के खिलाफ कोई सबूत मिलता है तो नियामक कानून के मुताबिक उचित प्रक्रिया अपना सकता है।

ट्रिब्यूनल ने कहा कि इस आदेश से जांच प्रभावित नहीं होगी। न ही कोई पक्ष इसका किसी दूसरे लाभ के लिए उपयोग करेगा। बता दें कि गोयनका ने 14 अगस्त को पारित सेबी के आदेश को चुनौती दी थी। इसमें झील प्रमोटरों - गोयनका और सुभाष चंद्रा को कंपनी में किसी भी निदेशक या अन्य प्रमुख प्रबंधकीय पदों को

रखने से रोक दिया था।

सेबी के आदेश पर रोक लगाते हुए ट्रिब्यूनल ने 94 पेज का विस्तृत फैसला जारी किया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि सेबी के आदेश को कायम नहीं रखा जा सकता और इसे रद्द किया जाता है, क्योंकि इसका संबंध अपीलकर्ता (गोयनका) से है। पीठासीन अधिकारी न्यायमूर्ति तरुण अग्रवाल ने आदेश में कहा, अपीलकर्ता को हालांकि जांच में सहयोग करना होगा। अगर जांच के दौरान अपीलकर्ता के खिलाफ कोई सबूत सामने आता है, तो सेबी उसके खिलाफ उचित कार्रवाई कर सकती है।

# टीवीएस ने लॉन्च किया रानिन बाइक का स्पेशल एडिशन, कंपनी ने त्यौहारी सीजन में किया यह धमाका

**नई दिल्ली ।**

त्यौहारों के सीजन में जानीमानी कंपनी टीवीएस ने रानिन बाइक का स्पेशल एडिशन लॉन्च किया है। टीवीएस रानिन स्पेशल एडिशन को 1.73 लाख रुपये की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है। टीवीएस रानिन स्पेशल एडिशन में निंबस ग्रे शेड मिलता है। इसके अलावा इसमें स्टैंडर्ड वर्जन से अलग बॉडी ग्राफिक्स भी दिया गया है।

दरअसल, स्पेशल एडिशन में कंपनी ने तीन रंगों का इस्तेमाल किया है।यह बाइक ग्रे रंग में है, जबकि इसके फ्यूल टैंक और साइड पैनल में रेड और व्हाइट स्ट्रिप दिया गया है।रानिन के स्टैंडर्ड वर्जन की तरह स्पेशल एडिशन में भी गोल्डन अपसाइड डाउन टेलीस्कोपिक फोर्क सस्पेंशन दिया गया है। स्पेशल एडिशन टीवीएस रानिन में कंपनी कुछ प्री-इंस्टॉल्ड एक्सेसरीज भी दे रही है जिसमें यूएसबी फोन चार्जर, वाइजर इंजन कवर शामिल है।कंपनी ने मोटरसाइकिल के डिजाइन और फीचर्स में कोई बदलाव नहीं किया है। टीवीएस रानिन की बात करें तो इसमें 225.9सीसी का सिंगल सिलेंडर, ऑयल कूल्ड इंजन मिलता है जो 7750 आरपीएम पर 20.1 बीएचपी पॉवर और 3750 आरपीएम पर 19.93 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।

इस बाइक में स्लीपर और असिस्ट क्लच के साथ 5 स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। यह बाइक डुअल डिस्क ब्रेक और डुअल

चैनल एबीएस से लैस है। अगर डिजाइन की बात करें तो, टीवीएस ने रानिन को मॉडर्न रेट्रो लुक देने की कोशिश की है।इस बाइक में फुल एलईडी राउंड हेडलैंप, एलईडी टर्न इंडिकेटर और एलईडी टेल लाइट लगाया गया है। बाइक में दो राइडिंग मोड अर्बन और रेन दिए गए हैं। इसमें 17-इंच के अलॉय व्हील्स के साथ ट्यूबलेस टायर मिलते हैं। टीवीएस रानिन के टॉप ट्विन डिस्क मॉडल की तुलना में न्यू एडिशन 4,000 रुपये महंगा है।

# करवा चौथ पर देशभर में होगा 15000 करोड़ रुपये का कारोबार, खरीदारी के लिए सजे बाजार

**नई दिल्ली ।**

करवा चौथ का त्योहार एक नवंबर यानी बुधवार को मनाया जाएगा। इस पर्व पर खरीदारी के लिए बाजारों में काफी रौनक दिख रही है। अनुमान है कि करवा चौथ पर देशभर में 15,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होगा। अकेले दिल्ली में करीब 1,500 करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री होने की उम्मीद है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया, करवा चौथ को लेकर पिछले कईदिनों से दिल्ली सहित देशभर के बाजारों में काफी गहमागहमी दिख रही है।इससे पता चलता है कि कोरोना जैसी चुनौतियों से उबरने के बाद लोगों की वित्तीय सेहत बेहतर हुई है। इस पूरे त्योहारी सीजन में खर्च करने को लेकर लोगों की धारणा बेहतर दिख रही है।इसलिए, रक्षाबंधन और नवरात्र की तरह इस बार करवाचौथ पर भी पिछले साल की तुलना में अधिक कारोबार होने का अनुमान है। पिछले साल करवा चौथ पर पूरे देश में करीब 11,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआथा। वहीं, दिल्ली के लोगों ने इस पर्व पर करीब 1,100 करोड़ खर्च किए थे।

**25 प्रतिशत तक रहेगी सोने-चांदी की हिस्सेदारी कुल बिक्री में** - कैट के मुताबिक,

करवा चौथ पर देशभर में होने वाले कुल कारोबार में सोने-चांदी के आभूषणों की हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी रहने की उम्मीद है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि इस करवा चौथ पर परिधानों पर सबसे अधिक खर्च होने का अनुमान है।15,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के कुल कारोबार में वस्त्रों एवं साड़ियों की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 35 फीसदी रह सकती है।पूजा सामग्री व्यापार की हिस्सेदारी 10 फीसदी, मेहंदी की 10 फीसदी, मिठाइयां व अन्य की 10 फीसदी, बर्तन की 5 फीसदी और फूल कारोबार की हिस्सेदारी 5 फीसदी रहने का अनुमान है।

**चांदी के करवे की बाजार में अधिक मांग** - छलनी, दीया व पूजा से जुड़ीं सामग्रियों के अलावा इस बार चांदी से बने करवे की भी बाजार में अधिक मांग है।

**दिवाली पर 3.5 लाख करोड़ की बिक्री संभव** - दिवाली पर इस बार देशभर में करीब 3.5 लाख करोड़ रुपये के व्यापार की उम्मीद है।कैट के विभिन्न राज्यों के 30 शहरों में व्यापारी संगठनों के जरिये कराएगए हालिया सर्वे के मुताबिक, दिवाली पर करीब 65 करोड़ लोग खरीदारी करते हैं।प्रति व्यक्ति औसत खरीद 5,500 रुपये भी मान लिया जाए तो यह आंकड़ा 3.5 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच जाएगा।

**वोकल फॉर लोकल का असर इस बार चीन से आयात नहीं** - खंडेलवाल ने बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किएगएवोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान की वजह से इस बार व्यापारियों ने त्योहारों पर बिकने वाला कोई भी सामान चीन से आयात नहीं किया है। ग्राहक भी चीनी सामान नहीं लेना चाहते हैं।उन्होंने बताया कि सीमा पर तनाव के बाद चीन के उत्पादों की मांग में बड़ी गिरावट आईहै।इस साल त्योहारी सीजन में चीन का कोईभी सामान बाजारों में नहीं बिकेगा।

### बीमा कंपनियों को देनी होगी पॉलिसी में कवर बीमारियों और अस्पताल खर्च की जानकारी, नियम एक जनवरी से

**नई दिल्ली ।** बीमा कंपनियों को किसी पॉलिसी के बुनियादी पहलुओं जैसे बीमित राशि व पॉलिसी में कवर किए गए खर्चों के साथ क्लेम के बारे में एक जनवरी, 2024 से एक निर्धारित प्रारूप में पॉलिसीधारक को जानकारी मुहैया करानी होगी। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमाधारकों को खरीदी गई पॉलिसी की बुनियादी बातों को आसानी से समझाने के लिए मौजूदा ग्राहक सूचना शीट (सीआईएस) को संशोधित किया है। बीमा नियामक ने इस संबंध में सभी बीमा कंपनियों को भेजे गए सर्कुलर में कहा, सीआईएस एक जनवरी, 2024 से लागू हो जाएगा। बीमा कंपनी, मध्यस्थ व एजेंट को संशोधित सीआईसी का ब्योरा सभी पॉलिसीधारकों को भेजना होगा। पॉलिसीधारक अगर चाहे तो ग्राहक सूचना शीट को स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इरडा ने कहा, पॉलिसीधारक के लिए खरीदी गई पॉलिसी के नियम एवं शर्तों को समझना महत्वपूर्ण है। सर्कुलर के मुताबिक, एक पॉलिसी दस्तावेज कानूनी उलझनों से भरा हो सकता है। लिहाजा, यह ऐसा दस्तावेज होना चाहिए, जो पॉलिसी की बुनियादी बिंदुओं को सरल शब्दों में समझाता हो और जरूरी जानकारी से भरपूर हो। बीमा कंपनी व पॉलिसीधारक के बीच पॉलिसी से जुड़े बिंदुओं पर असमानता के कारण अब भी कई शिकायतें आ रही हैं।

# कंगना रनौत की तेजस पर भारी पड़ी विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल

**मुंबई (ईएमएस)।** सिनेमाघरों में इस हफ्ते दो फिल्में तेजस और 12वीं फेल रिलीज की गई हैं। जहां तेजस में कंगना रनौत है तो वहीं 12वीं फेल में विक्रांत मैसी ने लीड रोल प्ले किया है। दोनों ही स्टार्स की फिल्में सच्ची घटना से प्रेरित हैं लेकिन बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ एक ही मूवी बाजी मार पाई है। विक्रात की फिल्म ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर कंगना की फिल्म को पटखनी दे दी है। वो इससे आगे निकल गई है। इसका टोटल कलेक्शन 3 करोड़ के पार पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंगना रनौत की फिल्म तेजस ने दूसरे दिन 1.25 करोड़ का कलेक्शन किया, जो फिल्म और स्टारकास्ट के हिसाब से काफी कम है। दूसरे दिन भी बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के कलेक्शन में कोई खास कमाल नहीं देखने के लिए मिल पाया है। इसकी ओपनिंग भी काफी खराब रही है। फिल्म ने पहले दिन भी 1.25 करोड़ का बिजनेस किया था। ऐसे में इसका दो दिनों में कुल बिजनेस 2.50 करोड़ तक पहुंच गया है हालांकि, फिल्म की स्टारकास्ट और स्टोरी लाइन के हिसाब से अच्छा नहीं कहा जाएगा। इसे लोगों से मिला-जुला रिएक्शन मिला था। वहीं, विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की है। शुरूआत रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म ने दूसरे दिन यानी कि शनिवार को 2.20 करोड़ का बिजनेस किया है जबकि, इसका पहले दिन का कलेक्शन 1.10 (हिंदी) करोड़ रहा है। ऐसे में अब विक्रांत की टोटल कमाई 3.30 करोड़ तक पहुंच गई है। ऐसे में अब ट्रेड एनालिस्ट और मेकर्स उम्मीद जता रहे हैं कि फिल्म संडे को और भी अच्छा बिजनेस करेगी। इसे 600 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है। इसके बहुत ही लिमिटेड शो हैं फिर भी इसने कंगना की फिल्म को पीछे छोड़ दिया है।

# अनबन के बावजूद रेखा ने छुए शत्रुघ्न सिन्हा के पैर, वायरल हुआ वीडियो

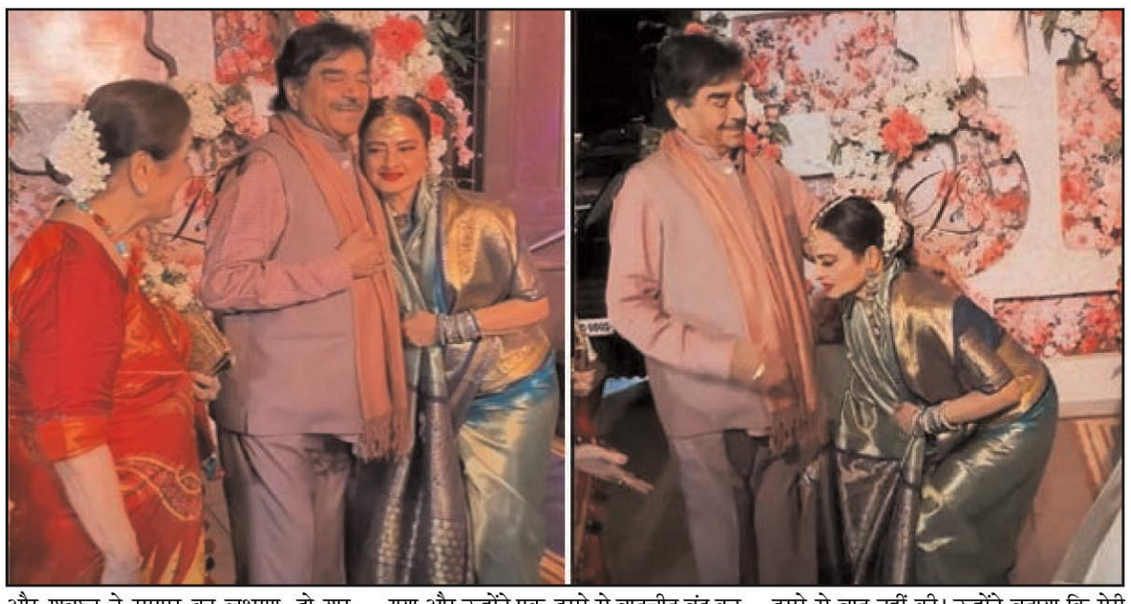

**मुंबई (ईएमएस)।** एक शादी समारोह में दिग्गज एक्ट्रेस रेखा ने शत्रुघ्न सिन्हा के पैर छुए तो यह वीडियों रातोंरात वायरल हो गया। वीडियो में रेखा को शत्रुघ्न सिन्हा के पैर छूते देखा जा रहा है। समारोह में सीनियर एक्ट्रेस रेखा ने जब शत्रुघ्न सिन्हा को उनकी पत्नी के साथ देखा, तो वह आगे बढ़ीं और उन्होंने इस एक्टर के पैर छू लिए। इस शादी के रिसेप्शन में कई बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल हुईं। गौरतलब है कि यह वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में रेखा शत्रुघ्न की पत्नी पूनम और बेटी सोनाक्षी सिन्हा के साथ भी प्यार से मिलते हुए दिखाई दे रही हैं। रेखा ने शत्रुघ्न सिन्हा के पैर छूने के बाद एक्टर के साथ तस्वीरें भी खिंचाई। यह वीडियो सामने आने के तुरंत बाद सोशल मीडिया में लोगों को आश्चर्य हुआ कि रेखा ने शत्रुघ्न सिन्हा के पैर क्यों छुए। लोग सवाल करने लगे कि क्या वे लगभग एक ही उम्र के नहीं हैं? कई यूजर्स ने शत्रुघ्न के प्रति रेखा के इस भाव की सराहना की। उनकी तारीफ की और उन्हें बेहद शालीन बताया। गौरतलब है कि रेखा 69 साल की हैं और शत्रुघ्न 77 साल के हैं। इवेंट में रेखा ने सुनहरे, हरे और नीले रंग की सिल्क साड़ी पहनकर पहुंची थीं। उनका लुक हमेशा की तरह पूरा पारंपरिक-भारतीय था। उन्होंने गजरा भी लगाया था। उल्लेखनीय है कि रेखा और शत्रुघ्न ने रामपुर का लक्ष्मण, दो यार, कशमकश, कहते हैं मुझको राजा, परमात्मा, जानी दुश्मन, मुकाबला, चेहरे पे चेहरा और माटी मांगे खून जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया है। लेकिन एक दौर ऐसा आया था कि जब दोनों के बीच किसी बात पर मनमुटाव हो गया और उन्होंने एक-दूसरे से बातचीत बंद कर दी। एक इंटरव्यू में शत्रुघ्न ने बताया था कि रेखा और मैंने अपना करियर लगभग एक साथ शुरू किया था। कई फिल्में साथ में की। लेकिन कुछ मूर्खतापूर्ण मुद्दों पर हमारे मतभेद हो गए। उसके बाद, हमने 20 साल से अधिक समय तक एक-दूसरे से बात नहीं की। उन्होंने बताया कि मेरी पत्नी पूनम सिन्हा और रेखा करीबी दोस्त थीं। इसलिए रेखा के साथ मेरा मनमुटाव मेरी पत्नी और रेखा की दोस्ती में मुश्किलें पैदा कर रहा था। खैर, बाद में पूनम ने ही मेरी और रेखा की बातचीत वापस शुरू कराई।

# अनुपम खेर की समझाइश, अपने माता-पिता को कभी हल्के में नहीं लें

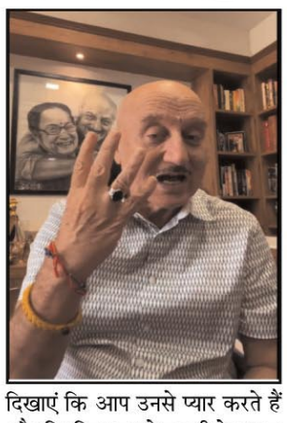

**मुंबई (ईएमएस)।** अभिनेता अनुपम खेर ने समझाइश दी है कि कभी अपने माता पिता को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने माता-पिता का महत्व बताते हुए हाल ही में एक लंबा वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह कह रहे हैं कि यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि हम जहां भी खड़े हैं, वह हमारे माता-पिता की देखभाल, प्यार और आशीर्वाद का नतीजा है, जिसने हमें उस मुकाम तक पहुंचाया है। अभिनेता अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा वीडियो पोस्ट किया। बैकग्राउंड में अपनी और अपनी मां की तस्वीर के साथ, द वैक्सीन वॉर अभिनेता ने रील को कैप्शन दिया, माता-पिता के आशीर्वाद से बढ़कर इस दुनिया में कुछ भी नहीं है। खासकर अगर आप अपने माता-पिता से दूर रहते हैं तो इन चार बातों का ध्यान रखें, हम अपने माता-पिता को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। उन्हें दिखाएं कि आप उनसे प्यार करते हैं और नियमित रूप से उनकी देखभाल करते हैं। यह उनके लिए दुनिया है, और ऐसा करने में ज्यादा कुछ नहीं लगता। उन्होंने कहा कि दोस्तों, अगर आप अपने माता-पिता से अलग रह रहे हैं, तो कृपया हमेशा उन्हें याद रखें और हर समय कॉल करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बात करने के चार कारणों से अवगत कराते हुए कहा कि पहला कारण, हमेशा अपने माता-पिता से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछें और उन्हें अपने स्वास्थ्य के बारे में सूचित करें, क्योंकि आपका स्वास्थ्य हमेशा उनके लिए प्राथमिकता रखता है। दूसरा, उन्हें हमेशा यह बताना सुनिश्चित करें कि आप जहां भी हैं, सुरक्षित और खुश हैं। ऐसा इसलिए कि आपकी खुशी में ही उनकी खुशी छिपी होती है। तीसरी बात, उन्हें यह बताना कभी न भूलें कि आप आज जहां भी हैं, यह उनके प्यार और देखभाल के कारण है। उन्हें हमेशा बताएं कि आप अपनी जड़ों को नहीं भूले हैं। उन्होंने आगे कहा कि अंत में यही कहूंगा कि हमेशा उन्हें यह बताना सुनिश्चित करें कि आप उनसे प्यार करते हैं, और यह उनके आशीर्वाद से है कि आप अब सफल और खुश हैं। वे हमेशा खुश रहेंगे और राहत भी महसूस करेंगे।

# भारतीय पैनोरमा में कांतारा का आधिकारिक चयन

ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा को दुनिया भर से प्यार और सराहना मिल है। अब, इसे एक और उपलब्धि हासिल हुई है, जब फिल्म का 54वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के प्रतिष्ठित भारतीय पैनोरमा में आधिकारिक चयन किया गया। यानी अब, कांतारा का दिव्य जादुई अनुभव एक बार फिर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया की स्क्रीनिंग में देखने की उम्मीद है। होम्बले फिल्म्स की कांतारा को 54वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के इंडियन पैनोरमा के लिए चुना गया है, जो 20 से 28 नवंबर 2023 तक गोवा में आयोजित किया जाएगा। जबकि यह फिल्म देश को पूरी तरह से प्रभावित कर चुकी है, फिल्म फेस्टिवल पर भी फिल्म के इस तरह से छा जाने की उम्मीद है। बता दें, ये फिल्म 2022 में रिलीज हुई थी, लेकिन बावजूद इसके फिल्म के एक अलग ही दीवानापन लोगों में है, जो इस नवरात्रि सीजन भी नजर आया जब कोलकाता में कांतारा-थीम वाले दुर्गा पंडाल और आइडल देखे गए।

# अमिताभ बच्चन व रजनीकांत थलाइवर 170 में दिखेंगे एक साथ

**मुंबई (ईएमएस)।** बिग बी यानिकी अमिताभ बच्चन और मेगास्टार रजनीकांत आगामी फिल्म थलाइवर 170 में एक साथ दिखाई देंगे। दोनों दिग्गजों ने फिल्म का मुंबई शेड्यूल हाल ही में पूरा कर लिया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शंस ने अपने एक्स हैंडल पर फिल्म की मुंबई शूटिंग पूरी होने की घोषणा कर दी है। फिल्म के पर्दे के पीछे की तस्वीर से थलाइवर और बिग बी की एक साथ तस्वीर साझा करते हुए स्टूडियो ने लिखा, 33 साल बाद सुपरस्टार और शहंशाह थलाइवर 170 के सेट पर मिले। थलाइवर 170 का मुंबई शेड्यूल पूरा हो गया। इस महीने की शुरूआत में रजनीकांत ने अमिताभ बच्चन के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की थी। कंधे से कंधा मिलाकर और मुस्कुराते हुए रजनीकांत ने एक बार फिर बॉलीवुड के एंग्री यंग मैन के साथ काम करने पर बहुत खुशी जताई थी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा कि 33 वर्षों के बाद मैं अपने मेंटर अमिताभ बच्चन के साथ टी.जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित आगामी लाइका की थलाइवर 170 में फिर से काम कर रहा हूं। मेरा दिल खुशी से धड़क रहा है। इसके अलावा, बिग बी ने बाद में इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से एक तस्वीर पोस्ट की थी। आगामी फिल्म से पहले, बिग बी और थलाइवर ने पिछली बार मुकुल आनंद द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म हम में एक साथ काम किया था, जो 1991 में रिलीज हुई थी। हम ने 1990 के दशक में जबरदस्त धूम मचाई थी और जबरदस्त सफलता हासिल की थी। फिल्म में रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, गोविंदा, अनुपम खेर, किमी काटकर, दीपा साही, शिल्पा शिरोडकर, डैनी डेन्जोंगप्पा और कादर खान ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। अब इन दो दिग्गजों के अलावा, फिल्म में फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह और दुशारा विजयन भी होंगे। अनिरुद्ध रविचंदर के संगीत के साथ यह फिल्म 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम 3 का पोस्टर हुआ जारी

**मुंबई (ईएमएस)।** रोहित शेट्टी की आगामी फिल्म सिंघम 3 का पोस्टर जारी हो गया है। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह एक बार फिर संग्राम भालेराव व सिम्बा की भूमिका को दोहराने के लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है कि रणवीर की सिम्बा वाला सिंघम 3 का नया पोस्टर ऊर्जा से भरपूर है। इंस्पेक्टर संग्राम भालेराव या सिम्बा के रूप में रणवीर बिल्कुल आकर्षक, स्टाइलिश और पहले से अधिक मजबूत लग रहे हैं, पोस्टर गारंटी देता है कि वह मनोरंजन के विस्फोट के साथ आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बता दें कि अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा किया, और लिखा है कि सबसे नटखट, सबसे निराला, आला रे आला, सिम्बा आला। सुपरस्टार सिंघम 3 में फिर वापस आ रहा है, लोग उनके सबसे प्रसिद्ध पात्रों में से एक के बहुप्रतीक्षित अवतार से एक्शन, कॉमेडी और मनोरंजन की उच्च खुराक की उम्मीद कर सकते हैं। हमेशा की तरह, उनके वन लाइनर्स हलचल मचा देंगे और दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर देंगे। फिल्म में अजय देवगन और दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में हैं।

# फिल्म मिशन रानीगंज ने किया भरपूर मनोरंजन

मच अवेटेड फिल्म मिशन रानीगंज ने असल में अक्टूबर के महीने में दर्शकों को भरपूर मनोरंजन किया। अक्षय कुमार स्टारर पूजा एंटरटेनमेंट की यह फिल्म एक आकर्षक कहानी के साथ एक वीरतापूर्ण यात्रा पर ले जाती है। ऐसे में दर्शकों की तरफ से आने वाले ढेर सारे प्यार के साथ, फिल्म ने पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ चलते हर तरफ से अच्छे रिव्यूज हासिल किए है। कह सकते है यह फिल्म असल मायनों में एक ऐसा चमकता हुआ सितारा है जिसे देखने का मजा सिर्फ थिएटर्स में है। ऑक्टूबर में रिलीज हुई बाकी फिल्मों के बीच मिशन रानीगंज ने सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक अपनी जगह बनाई है। फिल्म पर अक्षय कुमार के फैंस ने जमकर प्यार उडेला। यही वजह है कि सिनेमा घरों में अच्छीखासी भीड देखने को मिली।

# चुरचोम में स्पॉट किये गये पत्नी संग जस्टिन

हाल ही में अपनी पत्नी संग पॉप सिंगर जस्टिन बीबर को चुरचोम में सड़कों पर स्पाट किया गया। दोनों आउटिंग के लिए निकले थे। हैली व्हाइट टी-शर्ट, ब्लू डांगरी और लान्ग ब्लैक श्रग में स्टाइलिश दिखीं। मिनिमल मेकअप, स्ट्रेट हेयर हैली के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। वहीं वहीं जस्टिन व्हाइट शर्ट, ट्राउजर और लैदर जैकेट में कूल दिखे। कपल की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

# शेफाली शाह ने खाई कसम- 'कभी अक्षय की मां का रोल नहीं करूंगी'

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियों ने अपने से बड़े अभिनेताओं की मां का किरदार निभाया है। हाल ही में आई फिल्म जवान में 39 साल की रिद्धि डोगरा ने 57 साल के शाहरुख खान की मां का किरदार निभाया था। ऐसी ही एक अभिनेत्री शेफाली शाह ने फिल्म वक्त में अक्षय की मां का रोल निभाया था। अब शेफाली ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि अब वह कभी भी अक्षय की मां का किरदार नहीं निभाएंगी। एक सवालों के जवाब में शेफाली शाह ने कहा कि, ह्यमैं ईमानदारी से आपको बता सकती हूं कि मुझे इतने सारे अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, मैं खुश हूं। मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं कि ऐसा जवाब सुनकर अच्छा लगता है, बल्कि यह सच है। मैंने एक ऐसे निर्देशक और अभिनेता के साथ काम किया, जो बहुत मतलबी थे। इसके अलावा, मैंने उन सभी निर्देशकों के साथ काम किया है, जो महसूस करते हैं कि अभिनेता सहयोगी होते हैं, सिर्फ अभिनेता नहीं। शेफाली ने मंच पर कहा, मैं वादा करती हूं कि मैं अपनी जिंदगी में कभी भी अक्षय कुमार की मां का किरदार नहीं निभाऊंगी। दरअसल, शेफाली ने वर्ष 2005 की फिल्म वक्तः द रेस अगेंस्ट टाइम में अक्षय कुमार की मां की भूमिका निभाई थी। तब वह अक्षय से पांच साल छोटी थीं। उस वक्त शेफाली 32 साल की थीं, जबकि अक्षय 37 साल के थे। फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्रियंका चोपड़ा भी थे।

# खिचड़ी 2 सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाने को तैयार

बालीवुड फिल्म खिचड़ी 2 - मिशन पंथुकिस्तान, सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दर्शक दिवाली की छुट्टियों में रीलिज होने वाली इस फिल्म में हंसी के झटकों का सामना करने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि प्रतिष्ठित क्रेजी पारेख परिवार 1 नवंबर को खिचड़ी2 मिशन पंथुकिस्तान का ट्रेलर लॉन्च करेगा। खिचड़ी 2: मिशन पंथुकिस्तान आपको पारेख परिवार के साथ एक मनोरंजक यात्रा पर ले जाता है, जो रोमांच की एक रोलर-कोस्टर सवारी का वादा करता है जो पारेख परिवार की गतिशीलता के नए आयामों की खोज करता है। यह छुट्टियों की खुशी के लिए एकदम सही नुस्खा है। सितारों से सजी इस कास्ट में अपराजेय सुप्रिया पाठक कपूर, जमनादास मजेठिया (जेडी), राजीव मेहता, अनंग देसाई, वंदना पाठक, कीर्ति कुल्हारी, कीकू शारदा, परेश गंत्रा, अनंत विधात, फराह खान और प्रतीक गांधी शामिल हैं जो गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। आपकी मजाकिया हड्डी और आपके दिल को गर्म करती है।

## सूडोकु नवताल- 6599

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | 9 | | 6 | 1 | | 8 |
| 6 | 8 | | | | | | | |
| | 1 | 7 | 3 | 8 | | 4 | | |
| 3 | 4 | | 6 | | 7 | | | 9 |
| 5 | | 1 | 8 | | | 2 | | 7 |
| 2 | | | 5 | | 1 | | 8 | 4 |
| | | 3 | | 7 | 5 | 8 | 6 | |
| | | | | | | | 9 | 5 |
| 7 | | 6 | 2 | | 8 | | | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -6598 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 1 | 7 | 4 |
| 4 | 5 | 3 | 2 | 1 | 7 | 9 | 8 | 6 |
| 7 | 1 | 6 | 4 | 8 | 9 | 2 | 5 | 3 |
| 8 | 2 | 5 | 6 | 9 | 1 | 3 | 4 | 7 |
| 3 | 6 | 4 | 7 | 2 | 5 | 8 | 1 | 9 |
| 1 | 7 | 9 | 8 | 3 | 4 | 5 | 6 | 2 |
| 5 | 4 | 1 | 9 | 7 | 2 | 6 | 3 | 8 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 4 | 8 | 7 | 9 | 5 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 6 | 3 | 4 | 2 | 1 |

## शब्दजाल - 7346

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ची | अ | मे | रि | क्रि | पा | तू | हॉ | की | प | बा | |
| न | र | ग्बी | प | के | डो | ने | श्रि | या | ड़ | स्के | |
| अ | दा | जा | ला | ट | ग | स | द | ह | प | ट | |
| वा | ग | टे | पा | ब | दू | फु | प | बे | लि | बॉ | |
| ली | ना | अ | ब | न | जा | ल | ट | स | प | ल | |
| बॉ | इ | इ | मो | ल | प | वा | त | बॉ | यु | बां | |
| ल | जी | ल | ह | व | टे | रि | स | ल | ल | ग | |
| र | रि | भा | र | त | प | नि | रा | ल | वि | ला | |
| क | या | बा | तें | व | टे | ज | स | शा | जू | दे | |
| र | ग | ल | प | न | सिं | ब्रा | स्र | अ | प | श | |
| बां | स | ल | लॉ | रु | स | जू | डो | प | क | र | |

*शब्द जाल में उन 10 खेलों के नाम ढूंढिए, जो विश्व भर में खेले जाते हैं. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.*

हॉकी, बेसबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, रग्बी, वालीबॉल, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बॉस्केट बॉल, जूडो

### शब्दजाल - 7345 का हल

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ | क | म | हें | द्र | ग | अं | बा | ला | ल | ट्य | |
| द | री | ल | प्रे | व | जी | स | द | ह | क | ड़ | |
| पा | नी | प | त | दी | छ | हि | अ | र्म | र | क | |
| इं | स | ल | क | दि | वा | स | सा | ल | ना | क | |
| डि | आ | त | ग | फ | ज | ना | तू | र | ल | क | |
| य | ह | द | गु | दि | री | उ | ती | ण | घ | क | |
| रो | व | ल | ड़ | या | प | दा | जू | भि | व | रा | |
| क | एं | ऊ | गां | द | ब | क | बा | ए | वा | क | |
| क | ड | ल | व | र्द | गी | स | री | द | प | नी | |
| क | गॉ | ल | प | म | हें | द्र | ग | ढ़ | प | द | |
| य | मु | ना | न | ग | र | स | ट्य | ब | प | म | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग - 6299

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | 3 | 4 | | 6 | 1 |
| 1 | 37 | | 29 | 2 | 29 | |
| 6 | | 5 | | | 4 | |
| | 38 | 4 | 29 | | 29 | |
| | | 1 | | 7 | 2 | 3 |
| 7 | 33 | 2 | 32 | | 37 | |
| 3 | | | 4 | 1 | 6 | |

*प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.*

### अष्टयोग 6298 का हल

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | 1 | 4 | 6 | 7 | 5 |
| 7 | 30 | 2 | 25 | 2 | 34 | 4 |
| 4 | 5 | 6 | 3 | 1 | 7 | 2 |
| 6 | 34 | 3 | 35 | 5 | 33 | 6 |
| 1 | 2 | 7 | 6 | 4 | 5 | 3 |
| 5 | 32 | 5 | 42 | 3 | 32 | 7 |
| 3 | 5 | 4 | 6 | 7 | 2 | 1 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# अनुराग ठाकुर ने एशियाई पैरा गेम्स के खिलाड़ियों को किया सम्मानित, कहा- नए मानक स्थापित हुए

**नई दिल्ली ।**
केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली में एशियाई पैरा गेम्स 2023 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके साथ बातचीत की। भारतीय पैरा एथलीटों ने इतिहास रच दिया। उन्होंने हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में 111 पदक जीते। यह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता में देश के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। पैरा एथलीटों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ कुल 111 पदक जीते। अनुराग ठाकुर ने कहा, पिछले दो वर्षों में भारत ने खेलों में नए मानक स्थापित किए हैं। एशियाई पैरा खेलों में भी हमने 100 का आंकड़ा पार किया और इस बार 111 पदक जीते। मैं भारत को गौरवान्वित करने के लिए सभी खिलाड़ियों को बधाई देता हूं। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ खेल बजट को 2.5 गुना बढ़ाया गया। हम 1000 खेलो इंडिया केंद्र बनाने जा रहे हैं। भारत का भविष्य है। हमने कई खेलों में मील के पत्थर स्थापित किए हैं।

**एशियाई खेलों में भी पार हुआ था**
**100 पदकों का आंकड़ा** - भारतीय पैरा एथलीटों ने 23 सितंबर से आठ अक्तूबर तक आयोजित हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत द्वारा जीते गए 107 पदकों के रिकॉर्ड से चार पदक अधिक जीते। एशियाई खेलों में भी भारत ने 100 से ज्यादा पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। भारत एशियाई खेलों में अबकी बार, 100 पार के लक्ष्य के साथ उतरा था और उसे पार किया था। अब पैरा एशियाई खेलों में भी भारत ने इतिहास रचा और 100 से ज्यादा पदक जीते। पैरा एशियाई खेलों में पिछला रिकॉर्ड 72 पदकों का था।

**पांचवें स्थान पर रहा भारत** - पदक तालिका में भारत चीन (521 पदक: 214 स्वर्ण, 167 रजत, 140 कांस्य), ईरान (44 स्वर्ण, 46 रजत, 41 कांस्य), जापान (42 स्वर्ण, 49 रन, 59 कांस्य) और कोरिया (30 स्वर्ण, 33 रजत, 40 कांस्य) से नीचे पांचवें स्थान पर रहा, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। पहला पैरा एशियाई खेल 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित किया गया था, जहां भारत एक स्वर्ण सहित 14 पदकों के साथ 15वें स्थान पर रहा था।

## न्यूज ब्रीफ

### ज्योति याराजी, तेजस ने राष्ट्रीय खेल रिकॉर्ड के साथ जीते स्वर्ण

**पणजी ।** राष्ट्रीय खेलों में एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता ज्योति याराजी और तेजस शिरसे ने राष्ट्रीय खेल

रिकॉर्ड के साथ 100 और 110 मीटर बाधा दौड़ के स्वर्ण पदक जीते। वहीं 20 किलोमीटर पदचाल में प्रियंका गोस्वामी ने भी गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता। ज्योति ने 13.22 सेकंड के साथ अपना ही समय सुधारा, जबकि तेजस ने 13.71 सेकंड का समय निकाला। प्रियंका ने 1.36.35 घंटे के साथ स्वर्ण जीता। पुरुषों की 20 किलोमीटर पदचाल में उत्तराखंड के सूरज पंवार ने 1.27.43 घंटे का समय निकाल उन्होंने मुनीता प्रजापति का रिकॉर्ड भंग किया। 400 मीटर विद्या रामराज ने 52.84 सेकंड के साथ स्वर्ण जीता। आभा खातून ने 17.09 मीटर दूर गोला फेंककर स्वर्ण जीता। महाराष्ट्र 47 स्वर्ण,, 34 रजत, 33 कांस्य के साथ पहले और हरियाणा 18 स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर है।

### भारत और ऑस्ट्रेलिया में होगा विश्वकप फाइनल : लायन

**नई दिल्ली ।** ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन ने कहा है कि इस बार एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट

का फाइनल मुकाबला उनकी और भारतीय टीम के बीच होगा। लायन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच 19 नवंबर को अहमदाबाद स्टेडियम में विश्वकप का खिताबी मुकाबला होगा। भारत ने अब तक के अपनी सभी मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने भी खराब शुरुआत के बाद अच्छी वापसी करते हुए न्यूजीलैंड को हराकर विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। लायन ने कहा, मैं मानता हूं कि ऑस्ट्रेलिया और भारत में फाइनल होगा। लायन ने कहा, भारत मेरे लिए नंबर एक पसंदीदा है इसलिए मुकाबला रोमांच होगा। साथ ही कहा कि मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप के साथ दक्षिण अफ्रीका की टीम भी एक प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। लियोन ने आगे कहा कि भारत पर भी दबाव है क्योंकि घरलू मैदान पर टूर्नामेंट होने के कारण पूरे देश को उनसे ट्रॉफी जीतने की उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, भारत पर पूरे देश का दबाव है जो उनसे जीत की उम्मीद कर रहे हैं और उनके प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ऊपर अधिक दबाव नहीं रहेगा पर उन्हें दर्शकों का समर्थन नहीं मिलेगा।

### विश्वकप के नॉकआउट मुकाबले में भारत की राह आसान नहीं

**नई दिल्ली ।** भारतीय क्रिकेट टीम ने इस बार शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह

बना ली है। अब सभी की नजरें सेमीफाइनल मुकाबले पर रहेंगी। लगातार जीत के साथ ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है पर इसके बाद भी उसकी राह उतनी आसान नहीं है जितनी लगती है। इसका कारण से ही भारतीय टीम ने अब तक शुरुआती पांच मुकाबलों में लक्ष्य का पीछा करते जीत हासिल की थी और इसमें शीर्ष क्रम का प्रदर्शन अच्छा रहा था और उसे अधिक रन नहीं बनाने थे। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी और 229 रनों पर ही सिमट गयी। इस दौरान उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों में से केवल रोहित शर्मा और लोकेश राहुल ही टिके रह पाये। ऐसे में आने वाले मुकाबलों में अगर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करनी पड़ती है तो उसके लिए परेशानी बढ़ जाएगी। ऐसे में बड़ा स्कोर बनाना उसके लिए कठिन हो जाएगा भारत ने अब तक जो मुकाबले जीते हैं उसमें गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाते हुए विरोधी टीम को कम स्कोर परा ही समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया को गेंदबाजों ने केवल 199 रन पर रोक दिया था जबकि पाकिस्तान की टी 191 रन ही बना पायी थी जबकि बांग्लादेश की टीम 256 रन का स्कोर बना पाई थी। अफगानिस्तान की टीम ने 272 रन बनाए थे और न्यूजीलैंड की टीम 273 रन तक पहुंच पाई थी।

### पाकिस्तान टीम के बल्लेबाज इमाम की मुश्किलें बढ़ीं

**लाहौर ।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक अब तक इस विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अब टीम में उनकी जगह खतरे में पड़ती जा रही है। इमाम की जगह पारी की शुरुआत के लिए अनुभवी बल्लेबाज फखर जमां को शामिल किया जा सकता है। इमाम पूर्व क्रिकेटर इंजमाम उल हक के भतीजे हैं। इंजमाम ने मुख्य चयनकर्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में अब इमाम की जगह भी खतरे में पड़ गयी है क्योंकि ये आरोप लगे थे कि चाचा ने उन्हें टीम में जगह दिलायी थी। वहीं उप-कप्तान शादाब खान की भी छुट्टी होना तय है। शादाब इस दौरे में प्रभावित नहीं कर पाये हैं। इमाम विश्वकप की 6 पारियों में 27 की औसत से 162 रन ही बना पाये हैं। जिसमें केवल एक अर्धशतक है। वहीं 70 रन उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

# न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

**पुणे ।**
एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन शानदार रहा है और ऐसे में इस मुकाबले के रोमांचक होने की संभावनाएं हैं। अंक तालिका में दूसरे और तीसरे स्थान की यह दोनों टीमें ही टीमें सेमीफाइनल की दावेदार हैं। दक्षिण अफ्रीका ने अब तक 6 में से 5 मैच जीते हैं जबकि न्यूजीलैंड ने 6 में से 4 मुकाबले जीते हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम यदि यह मुकाबला जीतने में सफल रही, तो उसकी सेमीफाइनल में जगह पक्की हो जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के अभी 6 मैच में 10 जबकि न्यूजीलैंड के 6 मैच में 8 अंक हैं। कीवी टीम को अंतिम दोनों मैच में हार मिली है। ऐसे में एक और हार उसके लिए सेमीफाइनल की राह कठिन बना देगी। न्यूजीलैंड टीम को पिछले दो मैचों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में इस बार उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार जीत दर्ज करनी होगी। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले तीन मैचों में लगातार जीती है। यहां की पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम यदि यह मैच हार जाती है, तो अफगानिस्तान से लेकर पाकिस्तान तक के लिए सेमीफाइनल की संभावनाएं बन सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम की बल्लेबाजी जबरदस्त है। उसके पास ओपनर बैटर क्विंटन डिकॉक जैसा शानदार बल्लेबाज है। डिकॉक बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। वह इस बार विश्व कप 2023 में सबसे अधिक रन बनान वाले बल्लेबाज भी हैं। डिकॉक ने 6 पारियों में 72 की औसत से 431 रन बनाए हैं। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की ओर रचिन रवींद्र 2 शतक और 2 अर्धशतक के दम पर 406 रन बना चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्क्रम व हेनरिक क्लासेन, वहीं न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल व डेवॉन कॉनवे भी इस मैच में अहम भूमिका निभाएंगे। कीवी टीम के स्पिनर मिचेल सेंटनर बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। वे अब तक 14 विकेट ले चुके हैं जिसका लाभ टीम को मिलेगा। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को येनसेन ने 13 विकेट लिए हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज गेराड कोएट्जे ने भी 12 विकेट ले चुके हैं। न्यूजीलैंड टीम भी पीछे नहीं हैं उसके पास मैट हेनरी जैसा तेज गेंदबाज है। हेनरी ने अब तक 11 विकेट लिए हैं। इस पिच पर विश्व कप 2023 में इस बार लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम जीती है। इसके अलावा आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले 9 मैचों में 6 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ही जीती है। यह पिच बल्लेबाजी के लिए भी अच्छी मानी जाती है। इन दोनो ही टीमों के बीच पिछली बार भी विश्वकप में मुकाबला हुआ था तब कीवी टीम जीती थी। इन दोनों टीमों के बीच अब तक 71 एकदिवसीय खेले गए हैं, जिसमें से न्यूजीलैंड ने 25 जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 41 जीते हैं पर एकदिवसीय विश्वकप में कीवी टीम हावी रही है। अब तक दोनों टीमों के बीच 8 मैच हुए हैं जिसमें से न्यूजीलैंड ने 6 जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 2 मुकाबले जीते हैं।

### पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता इंजमाम ने इस्तीफा दिया

**लाहौर ।** विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज पाकिस्तान क्रिकेट पर गिरनी शुरु हो गयी है। इसी के तहत राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष इंजमाम उल हक ने इस्तीफा दे दिया है। इंजमाम ने पीसीबी प्रमुख जका अशरफ को अपना इस्तीफा सौंपा। विश्वकप में इस बार पाक टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और उसे केवल दो मैचों में ही जीत मिली है। पाक टीम को भारत के खिलाफ भी करारी हार मिली थी। यहां तक कि अफगानिस्तान ने भी उसे हरा दिया। टीम की हार के बाद से ही इंजमाम निशाने पर थे। उन पर टीम चयन में करीबियों को जगह देने के भी आरोप लगे थे। पाक टीम दो जीत और चार हार के साथ ही चार अंक लेकर अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम चयन प्रक्रिया को लेकर सामने आये हितों के टकराव के आरोपों की जांच के लिए एक पांच सदस्यीय तथ्य-खोज समिति भी गठित की है। ये समिति अपनी रिपोर्ट और सिफारिश पीसीबी प्रबंधन को सौंपेगी। विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के साथ ही कप्तान बाबर आजम के खराब फार्म पर भी सवाल उठे हैं। इसके अलावा उन्हें कप्तानी से हटाने की भी मांग की गयी है।

# बुमराह-शमी से तकनीक पर बात करने की जरुरत नहीं पड़ती : पारस म्हाम्ब्रे

**लखनऊ ।**
भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह इतने अच्छे स्तर के गेंदबाज हैं कि उनसे मुझे तकनीक को लेकर बात करने की जरूरत ही नहीं पड़ती। इस कारण हमारे बीच केवल मैच की रणनीति को लेकर ही बाज होती है। शमी और बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप मुकाबले में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दोनो ही ही छोटे लक्ष्य का शानदार तरीके से बचाव किया था। बुमराह और शमी दोनों गेंदबाजों ने इस मुकाबले में पिच का पूरा लाभ उठाते हुए विरोधी बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। म्हाम्ब्रे का कहना है कि दोनों ही अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं जिससे उन्हें तकनीकी पहलू पर कुछ भी बताने की जरूरत नहीं रहती।

टीम संयोजन के कारण शमी पहले चार मैच में नहीं खेल सके पर न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें अब अगले मैचों में अंतिम एकादश से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'जब टीम में आपके पास इतना कौशल रखने वाले खिलाड़ी हैं तो आपको वास्तव में इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत नहीं पड़ती। ये खिलाड़ी इतना क्रिकेट खेल चुके हैं जिससे वे पूरी तरह समझते हैं कि टीम को कम उनसे क्या चाहिये। उन्होंने कहा, 'काश मैं यह कह पाता कि हमने इसके लिए टीम में चर्चा की थी और इसकी योजना बनाई थी। हमारी टीम में इतने बेहतरीन और अनुभवी गेंदबाज हैं कि मेरा काम आसान हो जाता है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'इस स्तर पर यह खिलाड़ी प्रबंधन की बात है। वे काफी क्रिकेट खेल चुके हैं, वे सब चीज समझते हैं। मुझे तकनीक के बारे में ज्यादा बताने की जरूरत नहीं पड़ती, बस रणनीति के बारे में ही बात होती है। इसमें भी कार्यान्वयन अहम होता है और इसके लिए श्रेय उन्हें जाता है।

# आठवीं बार बैलोन डीओर पुरस्कार से सम्मानित हुए मेसी, ट्रॉफी जीतने वाले पहले एमएलएस खिलाड़ी बने

**पेरिस ।**
**फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी एक बार फिर प्रतिष्ठित बैलोन डीओर पुरस्कार जीत गए हैं। मेसी को आठवीं बार बैलोन डीओर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मेसी बैलोन डीओर पुरस्कार जीतने वाले पहले एसएलएस खिलाड़ी बन गए हैं। इंटर मियामी के मालिक और फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी डेविड बेकहम ने मेसी को यह सम्मान दिया है। लियोनल मेसी इससे पहले 2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019 और 2021 में भी बैलोन डीओर पुरस्कार जीत चुके हैं।**

**कितना खास है बैलोन डीओर पुरस्कार**

बता दें, बैलोन डीओर फुटबॉल का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जो व्यक्तिगत तौर पर खिलाड़ी को दिए जाने वाला सम्मान है। यह फुटबॉल क्लब और राष्ट्रीय टीम के किसी एक खिलाड़ी को हर साल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला फुटबॉल खिलाड़ी ही इसके हकदार हैं । 1956 के बाद से हर साल पुरुषों को इस पुरस्कार से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाता है। सर्वे श्रेष्ठ महिला खिलाड़ियों को 2018 से बैलोन डीओर देने की परंपरा शुरू की गई है। 2020 में आई कोविड महामारी के कारण पुरस्कार नहीं दिया जा सका था।

# अर्जुन ने जुमाबायेव को हराया संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचे

**पुणे ।**
भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फिडे ग्रैंड स्विस के पांचवें दौर के मुकाबले में कजाखस्तान के रिनैट जुमाबायेव को हराकर दो अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर आ गए। अर्जुन के संभावित पांच में से चार अंक हो गए हैं। वह दूसरे वरीय अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और रूस के आंद्रे एसिपेंको के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। रूस के खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में फिडे के ध्वज तले खेल रहे हैं।

नाकामुरा ने सर्बिया के एलेक्सी सारामा को शिकस्त दी। वहीं, एसिपेंको ने अमेरिका के फाबिनो कारूआना के खिलाफ ड्रॉ खेला। अर्जुन ने सफेद मोहरों से खेलते हुए जुमाबायेव पर दबाव बनाए रखा। उन्होंने आखिरकार 69 चाल के बाद जीत दर्ज की। तीन मैचों में लगातार जीतने वाले विदित गुजराती के जीत के रथ पर रूस के ईवगेनिय नाजेक ने रोक लगाई जो सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती 3.5 अंकों के साथ 16 अन्य खिलाड़ियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

डी गुकेश को हमवतन एसएल नारायणन से हार मिलने के बाद टूर्नामेंट जीतने की उम्मीद खत्म हो गई। पिछले दो सप्ताह में यह नारायण की गुकेश पर दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने कतर मास्टर्स में जीत हासिल की थी।

भारतीय खिलाड़ियों के अन्य मुकाबलों में पी हरिकृष्णा यूक्रेन के रूसलान पोनोमारिव को बराबरी पर रोकने में सफल रहे। अरविंद चिदंबरम और निहाल सरीन के बीच खेला गया मैच भी ड्रॉ रहा जबकि रौनक साधवान को ईरान के परहम माघसोडलो ने हराया।

महिलाओं की स्पर्धा में आर वैशाली ने उच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी यूक्रेन की एन्ना मुज्यचुक को ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया। वह चार अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, डी हरिका ने हमवतन दिव्या देशमुख जबकि तानिया सचदेव ने पोलैंड की ओलिविया कियोलबासा को शिकस्त दी।

## मेन्यू में बिरयानी नहीं, पाकिस्तानी टीम का डिनर से इनकार

# होटल के बाहर से ऑनलाइन ऑर्डर कर मंगाया, अकरम की चेतावनी भी नहीं मानी

**कोलकाता।**
**वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तानी टीम का बिरयानी प्रेम खूब सुर्खियां बटोर रहा है। टीम टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है और जमकर आलोचनाएं झेल रही है, लेकिन खिलाड़ियों का बिरयानी से लगाव कम होता नहीं दिख रहा है।**

ताजा मामला कोलकाता से आया है, जहां पाकिस्तानी टीम ने होटल में डिनर करने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि मेन्यू में बिरयानी शामिल नहीं थी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पाकिस्तानी क्रिकेट टीम ने एक फूड डिलिवरी ऐप के जरिए चाप, फिरनी, कबाब, शाही टुकड़ा और बिरयानी का ऑर्डर दिया।

### हैदराबादी बिरयानी का भी 7 उठाया था लुफ्त

इससे पहले टीम ने हैदराबादी बिरयानी का लुफ्त उठाया था। टीम ने वहां प्रैक्टिस मैच खेले और पहले 2 वर्ल्ड कप मुकाबलों में नीदरलैंड और श्रीलंका पर जीत हासिल की।

### शादाब खान ने माना- बिरयानी की वजह से खराब हो रही फील्डिंग

वर्ल्ड कप की शुरुआत से ठीक पहले पाकिस्तान टीम के ऑलराउंडर शादाब खान ने भी बिरयानी को खराब फील्डिंग के पीछे की एक वजह बताया था। प्रैक्टिस मैच में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद जब कमेंटेटर हर्षा भोगले ने शादाब से हैदराबादी बिरयानी के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा था कि हम रोजाना हैदराबादी बिरयानी खा रहे हैं और इसीलिए मैदान पर थोड़े धीमे हो रहे हैं। बता दें कि टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की फील्डिंग औसत रही है। टीम ने कई कैच टपकाए...बाउंड्री छोड़ी और रनआउट के मौके गंवाए।

### वर्ल्ड कप से पहले वसीम अकरम ने चेताया था

पूर्व दिग्गज बॉलर वसीम अकरम ने वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तानी टीम की फिटनेस और डाइट पर चिंता जाहिर करते हुए पाकिस्तान को दुनिया की सबसे अनफिट टीम करार दिया था। अकरम ने कहा था कि उन्होंने नेशनल क्रिकेटर्स को सार्वजनिक कार्यक्रमों में जंक फूड खाते देखा है। अकरम ने कहा था कि वर्ल्ड कप जैसे अहम टूर्नामेंट से पहले खिलाड़ियों को अभी भी बिरयानी परोसी जा रही है, आप चैंपियंस को बिरयानी खिलाकर उनका मुकाबला नहीं कर सकते। पाकिस्तानी टीम, सिलेक्टर्स और कोच ने अकरम की चेतावनी को दरकिनार कर दिया, जिसका खामियाजा टीम भुगत रही है। पाकिस्तान को अभी 3 और मुकाबले खेलने हैं।

# खूबसूरत त्वचा के लिए खाएं इन्हें कच्चा

**हमारी** त्वचा से हमारे शरीर की स्वस्थता के बारे में पता चलता है। हमारा शरीर जितना हेल्दी होगा। हम उतने की स्वस्थ होंगे। कई ऐसे फूड होते हैं जिनका सेवन करने से त्वचा दमक उठती है और शरीर पर भी उनका प्रभाव अच्छा पड़ता है। आइए जानते हैं ऐसे फूड के बारे में जो त्वचा को स्वस्थ व दमकदार बनाते हैं।

### पालक

पालक में फाइटोन्यूट्रियन्स होते हैं जो त्वचा को सूर्य की पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभाव से बचाते हैं। पालक के सेवन से शरीर में कैल्शियम की मात्रा भी अच्छी हो जाती है और बीटा कारोटेन और ल्यूटेन की मात्रा भी अच्छी हो जाती है जो त्वचा में नरमी ला देते हैं। साथ ही इसमें एंटी इंफ्लामेंट्री गुण भी होते हैं।

### अखरोट

अखरोट विटामिन बी से भरपूर होता है जो शरीर में रक्त के संचार को बढ़ाता है और इसकी वजह से त्वचा स्वस्थ बनी रहती है। साथ ही इसमेंए विटामिन ई और ऑक्सीडेंट भी होते हैं जो बढ़ती उम्र को थाम लेते हैं। अखरोट में ओमेगा 3 होता है जो त्वचा को बेकार होने से बचाता है।

### सेब

सेब ए विटामिन का भंडार है जो शरीर को स्वस्थ बना देते हैं। सेब की मदद से मेलेनिन बनने में सहायता मिलती है और बाल काले होते हैं। विटामिन ए से त्वचा में दमक आती है। साथ ही प्रतिदिन एक सेब खाने से चेहरे पर लालिमा बनी रहती है।

### आम

आम एक एंटीएजिंग फ्रूट है जो विटामिन ए और सी से भरपूर है। ये विटामिन त्वचा को शाइनी बना देते हैं।

### बादाम वाला दूध

बादाम पड़ा हुआ दूध विटामिन ई से भरपूर होता है जो यूवी क्षति से त्वचा की रक्षा करता है। इसमें एंटी. ऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

### बेरी

बेरी में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो शरीर से टॉक्सिक बाहर निकाल देता हैए साथ ही बढ़ती त्वचा को थाम लेता है। बेरी में फ्लेवोनॉयड भी होते हैं जो त्वचा को बुरे प्रभावों से बचाते हैं और उसे जवां बनाएं रखते हैं।

### सिट्रस

सिट्रस वाले फल जैसे संतरा नींबू अंगूर आदि में विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। यह कोलेजन के निर्माण में आवश्यक होता है और त्वचा को मुलायम बनाएं रखता है। साथ ही इससे त्वचा में भीतरी चमक आती है।

## सर्दी-खांसी से तुरंत राहत दिलाए तेजपत्ता

तेजपत्ता न सिर्फ जायके को बढ़ाता है, बल्कि स्वास्थ्य और सौंदर्य वृद्धि के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है। यह दांतों की चमक व सफेदी बढ़ाता है। सांस की समस्या होने पर इसे पानी में उबाल लें और उसमें 2-3 तेजपत्ते डालें। अब इसमें 10 मिनट तक भाप बनने दें। फिर इस पानी में एक कपड़ा भिगोएं और यह कपड़ा सीने पर रखें। इससे फ्लू, सर्दी और खांसी कम हो जाती है।

## इसलिए जरूरी है ब्रश करना

दांतों की रोज दिन में दो बार सफाई करना बेहद जरूरी है। दांतों की सफाई करने से सांसों की तकलीफ व मुंह की अन्य बीमारियां नहीं होतीं। इसके साथ ही एक हालिया शोध कहता है वयस्कों द्वारा अपने दांतों की उचित देखभाल करना यानी नियमित रूप से ब्रश करना याददाश्त बनाए रखने में मददगार साबित होता है। दांतों और मसूढ़ों की उचित देखभाल न करने से डिमेंशिया का खतरा पैदा हो सकता है।

# सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये चाय

**कमेलिया** सिनेंसिस एक सदाबहार झाड़ीनुमा छोटा पौधा है, जिसकी पत्तियों और कलियों का इस्तेमाल खास तरह की चाय बनाने में किया जाता है। वैसे कमीलया थीएसीआई प्लांट का ही जीनस है, जिसे आमतौर पर टी प्लांट, टी शर्ब (झाड़ी) और टी ट्री भी कहा जाता है। इसकी दो प्रमुख किस्में हैं, एक कमेलिया सिनेंसिस की चाइनीस टी और दूसरी कमेलिया, भारत के असम की अस्समिका टी।

सफेद, पीली, हरी, उलोंग, पुऐर और काली चाय सभी इसी पौधे द्वारा प्राप्त की जाती है लेकिन पत्तियों की कटाई की प्रक्रिया और इसे बनाने की विधि सबकी अलग-अलग है। हर एक चाय को ऑक्सीकरण के स्तर पर अलग- अलग ढंग से प्राप्त किया जाता है। कमेलिया चाय के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसकी पत्तियों को कब और कैसे काटा जा रहा है। कुकिचा टी भी कमीलया पौधे से ही बनाई जाती है, इसे बोचा भी कहते हैं। इस चाय की खास बात यह है कि यह पत्तियों से नहीं बल्कि पौधे के तने और टहनियों से तैयार की जाती है। कमेलिया से बनी हर एक चाय को अपने ही औषधीय और रासायनिक गुण है, जिसे गर्म और ठंडे, दोनों रूप में पिया जाता है।

### ग्रीन टी

ग्रीन टी यानि हरी चाय, कमेलिया सिनेंसिस पौधे की पत्तियों से ही बनाई जाती है। पहले तो चीन के लोग इसका ज्यादा सेवन करते थे लेकिन अब तो हर जगह इसका सेवन आम हो गया है। आज ग्रीन टी को सेहत के सुपरस्टार के रूप में जाना जाता है। कमेलिया की युवा हरी पत्तियों को काटकर उबाला जाता, फिर सुखाया और पिसा जाता है। इसके बनाने की प्रक्रिया में ऑक्सीकरण न्यूनतम होती है। ग्रीन टी के सेवन से ब्रेन सिस्टम और इम्यून सिस्टम भी दुरुस्त रहता हैं साथ ही शरीर फुर्तीला बनता हैं।

### फायदे

- इसका नियमित सेवन करने से सिर्फ रोगों से ही छुटकारा नहीं मिलता बल्कि इससे हमारी प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।
- इसका रोजाना सेवन मोटापा कम करने में मदद करता है। इससे शरीर का मेटाबोलिज्म बढ़ता है और डाइजेस्टिव सिस्टम से जुड़ी परेशानियां खत्म होती है।
- ग्रीन टी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से स्किन की रक्षा करते हैं। चेहरे पर झुर्रियां कम और फेस ग्लोइंग होता है। इसमें मौजूद कैमिकल स्ट्रैस कम करने में सहायक है।
- ग्रीन टी कैंसर के विषाणुओं को मारती है। शोधों की बात करें तो ग्रीन टी पीने वाले लोगों में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा 25 प्रतिशत कम होता है। इससे त्वचा के कैंसर की संभावना भी कम होती है।
- इससे कॉलेस्ट्रोल सही और हाई ब्लड प्रैशर को रोकने में मदद करती है।
- ग्रीन टी के सेवन से अल्जेरिया जैसी बीमारियां ठीक होती है। यह ब्रेन सेल्स को बचाती हैं और डैमेज सेल्स को रिकवर भी करती हैं।

### कमेलिया ब्लैक टी के फायदे

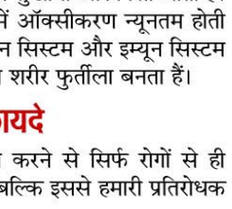

रंग गहरा होने की वजह से इसे ब्लैक टी कहा जाता है लेकिन अगर आप इसे गौर से देखें तो यह गहरे सिंदूरी रंग में दिखेगी। इसलिए इसे कई जगहों पर रैड टी भी कहा जाता है। कमेलिया सिनेंसिस की झाड़ी से मिलने वाली यह चाय, ग्रीन व्हाइट और उलोंग टी की पत्तियों से ज्यादा ऑक्सीकृत होती हैं। इसका स्वाद बाकियों के मुकाबले ज्यादा कड़क होता है।ब्लैक चाय में मसाले, लौंग, इलायची और अदरक का मिश्रण तैयार करके भी बनाया जाता है।

### फायदे

- ब्लैक टी का स्वाद अधिक समय तक बरकरार रहता है। यह दिल की बीमारियों, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर, जैसे समस्याओं से बचाए रखने में मदद करती है।
- दिमागी फुर्ती, प्रतिरक्षा प्रणाली, हड्डियों की मजबूती, वजन को कंट्रोल और एनर्जी को बनाए रखने में भी सहायक होती हैं।
- ब्लैक टी शरीर में तनाव हार्मोन के स्तर को कम करने में सहायक होती है।
- ब्लैक टी में कैटचिन एंटीऑक्सीडेंट होता है जो मुंह के कैंसर के खतरे को कम करता है। ब्लैक टी में फ्लोराइड्स होते हैं जो सांसों की दुर्गंध के साथ कैविटी से हानिकारक बैक्टीरिया को भी बाहर निकालते हैं।

### कमेलिया व्हाइट टी

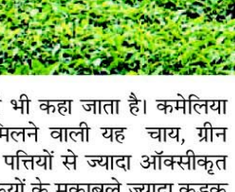

व्हाइट टी बनाने के लिए कमैलिया सिनेंसिस पौधे की यंगेस्ट कलियों और पत्तियों को खिलने से पहले ही बसंत ऋतु में ही काट लिया जाता है। यह आक्सीकृत नहीं होती है। व्हाइट टी में कैफीन की मात्रा पत्तियों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। फ्लेवर की बात करें तो यह बाकी चायों के मुकाबले मीठी होती है।

### फायदे

- चीन के लोग कई सालों से लंबी उम्र और स्वस्थ रहने के लिए व्हाइट टी पीते आ रहे हैं। यह कई बीमारियों से सुरक्षित रखती है।
- वाइट टी, ब्लैक और ग्री टी से कहीं ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है। कैंसर से लड़ने की क्षमता, एमिनो एसिड, अधिक जीवाणुरोधी क्षमता, तनाव से राहत पहुंचाने में फायदेमंद साबित होती है।
- यह ब्लड सर्कुलैशन को सही रखने और दिल को सेहतमंद रखने में फायदेमंद है।
- दांतों के बैक्टीरिया से लड़ने में मददगार साबित होती है।

### ऊलांग टी

ऊलांग टी काफी हद तक ब्लैक टी की तरह ही होती है लेकिन इसमें चाय की पत्तियों को मशीन में ज्यादा देर तक सुखाया जाता है। फर्मेंट होने की वजह से इसका स्वाद कड़क होता है। ब्लैक टी के मुकाबले इसमें अधिक मात्रा में टैनिन होता है। तुरंत चुस्ती और एनर्जी पाने के लिए इसका सेवन कारगार माना जाता है।

### फायदे

- ऊलांग टी स्किन की एलर्जी को दूर करने में मददगार है। रोजाना 3 कप ऊलांग टीन पीने से एग्जिमा से निजात पाई जा सकती है। त्वचा की समस्याओं, जलन और सूजन और स्किन इरीटेशन से राहत दिलाता है।

### हर्बल टी

हर्बल टी सुखे मेवे, तरह तरह के फल और जड़ी बुटियां डालकर बनाई जाती है इसमें इस्तेमाल की गई अनेक तरह की जड़ी बुटियों से डायबिटीज, नींद और हार्ट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाई जा सकती हैं।

### पुऐर टी

कमेलिया सिनेंसिस पौधे की पत्तियों और तने से ही तैयार की जाने वाली पुऐर टी रैड ब्राऊन कलर की होती है। ब्लैक और ऊलांग टी की तरह पुऐर टी की पत्तियों भी फर्मेन्टेड होती है।

### फायदे

- यह ब्रेन और हार्ट के लिए फायदेमंद होती है।
- फैट बर्न कर वजन को कंट्रोल में रखती है।

### यैलो टी

यैलो यानी पीली चाय बहुत ही महंगी और दुर्लभ चाय है। इसे बनाने का तरीका भी यूनिक है। इसे डैम्प कपड़े में भाप (बहुत कम समय के लिए) दी जाती है। आक्सीडेशन के बाद पत्तियों का रंग पीला हो जाता है। इसे उच्च गुणवता वाली चाय में शामिल किया गया है।

### फायदे

- कैलेस्ट्रोल कम करने में सहायक
- ब्लड कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर से रोकथाम
- डायबिटीज और लिवर से जुड़ी समस्या में मददगार

### फ्लेवर्ड टी

किसी भी तरह की चाय में (ब्लैक, व्हाइट,ग्रीन टी) तरह तरह के फ्लेवर जैसे लौंग, अनार, दालचीनी, ओरेंज, पुदीना, कैफिन आदि डालकर फ्लेवर्ड टी बनाई जाती है। ऐसी चाय से सेहत के साथ साथ जायकों का लुफ्त उठाया जाता है।

### ध्यान में रहें

भले ही इन चायों में औषधि गुण भरपूर मात्रा में हैं लेकिन फिर भी इनका सेवन करने से पहले डॉक्टरी परामर्श जरूर लें।

# बोलने की प्रैक्टिस करें...

**अगर आप** लोगों से संपर्क करने और उनके बीच खुल कर बोलने में असहज महसूस करते हैं तो आज से ही इसे बदलने की कोशिश शुरू करें। अंतर्मुखी प्रकृति सफलता में बड़ी बाधा भी बन सकती है। खुद पर विश्वास है तो लोगों के बीच घबराना कैसा? अगर किसी को अचानक एक बड़े जनसमूह के सामने कुछ बोलने के लिए कह दिया जाए तो अधिकतर लोग बुरी तरह घबरा जाते हैं। हालांकि इस बात का आपकी योग्यता से कोई लेना-देना नहीं होता, फिर भी यह बात आपकी छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ऐसा पढ़ाई के दिनों में, नौकरी के लिए दिए जाने वाले साक्षात्कार के समय, नौकरी के दौरान या कभी भी हो सकता है। इससे लोग आपका सही मूल्यांकन नहीं कर पाते और आप कई अवसरों से चूक जाते हैं। इस हिचक को तोड़ना बहुत मुश्किल भी नहीं है। यह हिचक तोड़ कर आप सफलता के कुछ और करीब हो जाएंगे। बस आपको अपने डर पर काबू पाना होगा।

### मजबूत पक्ष याद रखें

दूसरों के सामने बोलने में होने वाली हिचक दरअसल सोशल एंग्जाइटी का नतीजा होती है। ऐसे में आप अपना उद्देश्य याद रखें, ना कि उसमें अपनी सफलता या असफलता। अपनी कमजोरियों के बारे में सोचने की बजाय अपने व्यक्तित्व के मजबूत पक्ष के बारे में सोचें। उन वजहों को तलाशने की कोशिश करें, जिनके कारण आपको झिझक या संकोच महसूस होता है। इसकी तीन संभावित वजहें हो सकती हैं। मुमकिन है कि आप खुद को लेकर आश्वस्त न हों। खुद के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचते हों या जब कोई आपकी तारीफ करता है तो आप उस पर यकीन न कर पाते हों। इसे दूर करने के लिए लोगों के बीच बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। प्रेरक किताबें पढ़ें। यदि आवश्यकता लगे तो काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

### परिचितों से करें शुरुआत

लोगों के बीच आत्मविश्वास से बोलने के अभ्यास की पहल दोस्तों से करें। जब आप यहां सहज महसूस करने लगें, तब अपरिचितों के बीच इसे आजमाएं। इसे भी एक-दो लोगों से ही शुरू करें। अगर आप शुरू में ही सीधे बड़े समूह में बात रखने की कोशिश करेंगे तो बहुत अधिक दबाव होने के कारण संभवतः कठिनाई भी ज्यादा होगी। आप पाएंगे कि दो व्यक्तियों के सामने बोलने में आपको तुलनात्मक रूप से ज्यादा आसानी हुई और यह भी कि जल्द ही आपकी हिचक टूट गई और अब विशाल जनसमूह में भी अपनी बात रखने में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

### अभ्यास की है जरूरत

हिचक मिटाने के लिए आपको नियमित रूप से प्रयास करना जरूरी है। अपने डर पर आपको विजय पानी होगी। उसे खुद पर हावी न होने दें। शुरू-शुरू में ऐसा करने में आप खुद को असहज महसूस करेंगे, लेकिन लगातार प्रयास करते रहें। धीरे-धीरे आप महसूस करेंगे कि आपको अब अपनी बात रखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ रहा है, आप बड़ी सहजता से अपनी बात रख पा रहे हैं।

### बेवजह के परिचय से बचें

बड़ा सामाजिक दायरा होने का एक अर्थ यह भी है कि आपको लोगों का सामना करने में हिचक नहीं होती। यह आपके आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का द्योतक भी है। आप भी अपना सोशल सर्कल बड़ा करें। इसके लिए खुद अपने क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों पर नजर रखें। अपने परिचितों से यह कह सकते हैं कि वे ऐसे कार्यक्रमों की जानकारी आपको दे दिया करें। एक समय के बाद आप अपनी मर्जी से भी आयोजनों को चुनें कि कहां जाना है या नहीं जाना है। इसका एक कारण यह भी है कि अंतर्मुखी ना होने का मतलब यह नहीं है कि हर जगह या समूह में आपकी उपस्थिति जरूरी हो। बेमतलब किसी ईवेंट या समूह में न जाएं।

### अपनी तैयारी पूरी रखें

अगर आप सच में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षिक करना चाहते हैं तो इस नुस्खे को आजमाएं। अगर आप किसी सामूहिक आयोजन में जा रहे हैं या कई लोगों के सामने आपको कुछ बोलना है तो विषय आदि के बारे में पूरी जानकारी कर लें। अपनी भाषा पर भी खास ध्यान दें। ऐसी स्थिति में उच्चारण, शब्दों के उचित चयन आदि का विशेष महत्व होता है। उस कार्यक्रम की पूरी रूप-रेखा और वहां आने वाले मेहमानों के बारे में मुकम्मल जानकारी रखें।

अनौपचारिक आयोजनों में वहां आने वाले आगंतुकों की मदद करें, उन्हें कार्यक्रम और मेहमानों के बारे में अपनी तरफ से पहल कर बताएं। इस तरह से आप वहां आने वाले दूसरे लोगों की मदद कर अपनी छवि बेहतर बना सकते हैं और लोग आप पर ध्यान देंगे।

### मुस्कराहट से काम लें

किसी भी प्रेजेंटेशन में या कि किसी सामाजिक स्थिति में कई लोगों के बीच मुस्कराहट से आपकी छवि का तुरंत प्रभाव बनता है। इसी से अपनी बात की शुरुआत करें। मुस्कराहट से मानसिक तनाव भी कम हो जाता है और आप ज्यादा आत्मविश्वास अनुभव करते हैं। सुनने वालों से आपका एक जुड़ाव तुरंत बन जाता है। औपचारिक या अनौपचारिक माहौल में भी बोलते समय मुस्कराहट महत्वपूर्ण मानी जाती है।

## रेसिपी

### स्पिनॅच एंड चिक पि सूप

#### सामग्री

1 1/2 कप पतली लंबी कटी हुई पालक, 3/4 कप भिगोए और उबले हुए काबूली चने, 2 टी-स्पून जैतून का तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरी प्याज़ का सफ़ेद भाग, 3 कप बेसिक वेजिटेबल स्टॉक, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च स्वादअनुसार, 1 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस

#### विधि

एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन, हरी मिर्च और हरी प्याज़ का सफेद भाग डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक भुनें। पालक और काबुली चना डालकर मध्यम आंच पर और 2 मिनट तक भुनें। बेसिक वेजिटेबल स्टॉक, नमक, काली मिर्च, ऑरेगानो और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलायें और उबाल लें। तुरंत परोसें।

### ओट्स भुर्जी

#### सामग्री

2 चम्मच ओट्स

2 अंडे और 4 अंडे के सफेद भाग

(वेजिटेरियन इसे पनीर से बदल सकते हैं)

तेल,1 कटी प्याज

हरी मिर्च, टमाटर (पसंद अनुसार) नमक

#### विधि

एक बड़े कटोरे में अंडे, ओट्स, सब्जियां, हरी मिर्च और नमक मिक्स करें। एक बड़े पैन में गरम करें, उसमें अंडे वाला तैयार मिश्रण डालें। इसे कुछ देर के लिए पकने दें, जब यह पक जाए तब इसे कल्छुली से चलाते हुए भुर्जी बनाएं। फिर इसे आंच से हटा कर इस पर हरी धनिया छिड़कें और सर्व करें।

**टिप्स:** अगर आप नॉन वेज नहीं खाती, तो अंडे की जगह पर पनीर का प्रयोग करें। इसके लिए तेल में सब्जियां पकाएं, फिर ओट्स मिला कर थोड़ा पानी डाल कर पकाते हुए उसमें पनीर डालें। फिर जब मिश्रण सूख जाए तब इसे उतार लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**